RNI No : MPHIN/2022/82783
कुल पृष्ठ : 52, मूल्य : 50 रुपए
वर्ष 01, अंक 12 मासिक पत्रिका
दिसम्बर 2022

# हमारा देश हमारा अभिमान

हर-हर महादेव

## भारत के खिलाफ साजिश कर रहे शी जिनपिंग

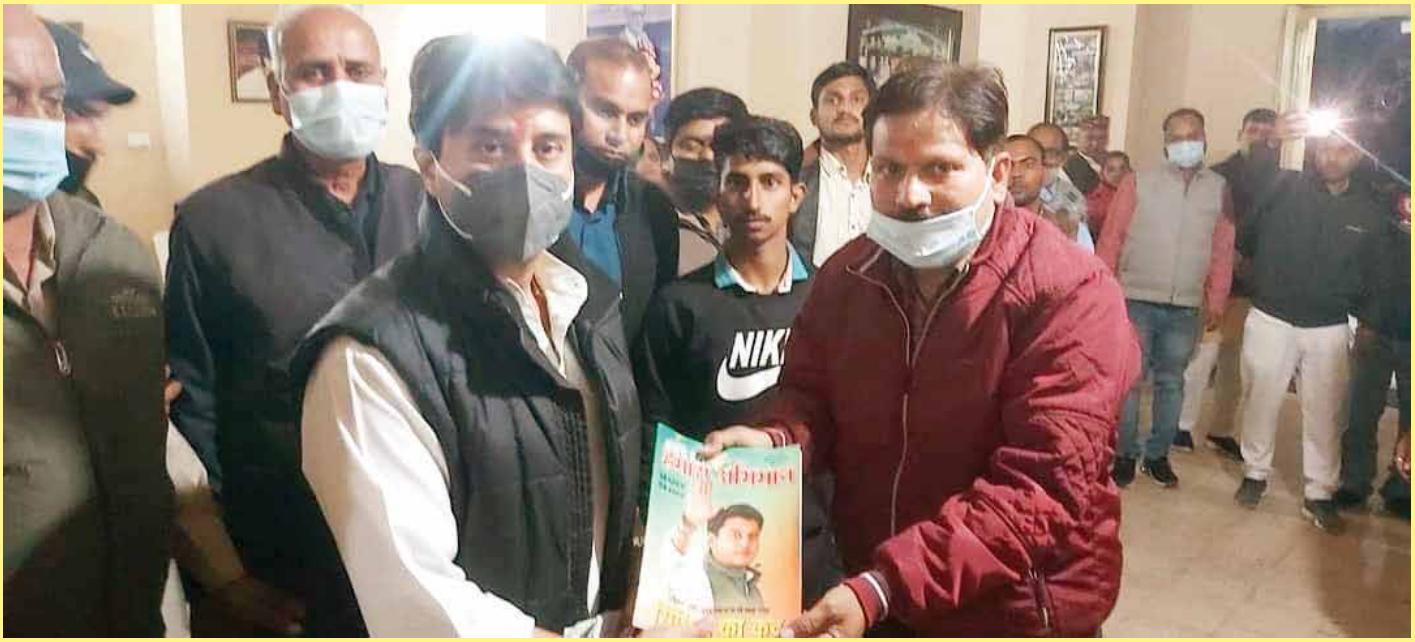

माननीय उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी के साथ

जल्दी ही डबरा ही नही सम्पूर्ण भारत वर्ष पर अपना आशिर्वाद पाने और नवग्रहों के दर्शनों का सौभाग्य प्राप्त होगा। मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा जी और डॉक्टर श्रीमन नारायण मिश्रा(वरिष्ठ संरक्षक ) हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका ने संपादक मनोज चतुर्वेदी से चर्चा मैं बताया साथ मैं थे विशेष संवाददाता रवि परिहार एवं रविकांत शर्मा।

श्री विनोद बांगड़े जॉइंट डायरेक्टर एवं कार्यालय प्रमुख खनिज मुख्यालय भोपाल।

आदरणीय भाई प्रदीप शर्मा जी बने ग्वालियर विकास प्राधिकरण के सीईओ बनने पर शुभकामनाएं

हमारा देश
हमाराअभिमान
दिसम्बर 2022

## वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

## संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट,
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन
- श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश सगर सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री अभिनव पल्लव
- श्री बृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा

## संपादक : मनोज चतुर्वेदी

### पंकज दीक्षित
प्रमुख परामर्शदाता

### विशेष संवाददाता
- रवि परिहार • रविकांत शर्मा

### ब्यूरो : अविनाश (उज्जैन संभाग)

### छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

### मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

### कानूनी सलाहकार
- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठकग्वालियर

## सलाहकार

- डॉ श्री. सुनील शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- डॉ. श्री दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे
- श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायणदास गुप्ता
- श्री पीयूष श्रीवास्तव,
- पंडित श्री चंद्रशेखर शास्त्री
- श्री बृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री अशोक कुमार वर्मा
- श्री आनंद कुमार
- श्रीमती रितु मुदगल
- श्री कुंज बिहारी शर्मा
- सुश्री पूजा मावई
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह

### ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल ( फ़िल्म निर्माता) कोटा

### ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक
और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

### संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

### मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

### मार्केटिंग मैनेजर
- सुनील • हरशूल

### डिजाइन : मनोज पंवार

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी ।
(सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

# विवरणिका

| | | |
|---|---|---|
| संपादकीय | ..... | 02 |
| शुभाशीष | ..... | 03 |
| कवर स्टोरी | ..... | 04-05 |
| कवर स्टोरी | ..... | 06-07 |
| II कवर स्टोरी | ..... | 08-09 |
| देश | ..... | 10 |
| प्रदेश | ..... | 11 |
| विदेश | ..... | 12-14 |
| हमारा ग्वालियर | ..... | 15 |
| हमारा ग्वालियर | ..... | 16-17 |
| राजस्थान | ..... | 18-19 |
| प्रदेश | ..... | 20 |
| इन्दौर | ..... | 21 |
| हमारा ग्वालियर | ..... | 24-25 |
| हमारा ग्वालियर | ..... | 26-27 |
| धर्म | ..... | 28-29 |
| वित्त | ..... | 30 |
| प्रदेश | ..... | 31 |
| देश | ..... | 32-33 |
| विदेश | ..... | 34-35 |
| देश | ..... | 38 |
| मौसम | ..... | 39 |
| स्वास्थ्य | ..... | 42-43 |

**46**

**ड्रग्स और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने रकुल प्रीत सिंह को किया समन**

# संपादकीय

# महिलाओं के खिलाफ हिंसा.. सोच में क्यों नहीं आ रहा बदलाव?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर निश्चित ही महिलाओं पर लगा दोयम दर्जे का लेबल हट रहा है। हिंसा एवं अत्याचार की घटनाओं में भी कमी आ रही है। बड़ी संख्या में छोटे शहरों और गांवों की लड़कियां पढ़-लिखकर देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इन दिनों स्त्रियों के घरेलू जीवन में उन पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। विशेषतः कोरोना महामारी के लॉकडाउन के दौरान एवं उसके बाद महिलाओं पर हिंसा, मारपीट एवं प्रताड़ना की घटनाएं बढ़ी हैं। ऐसी ही पीलीभीत की एक घटना ने रोंगटे खड़े कर दिये। खाने में बाल निकलने के बाद पत्नी को पीलीभीत के युवक जहीरुद्दीन ने जिस बेरहमी, बर्बरता एवं क्रूरता से मारा, जमीन पर गिरा दिया, घर में रखी बाल काटने वाली मशीन (ट्रिमर) को पत्नी के सिर पर चला दिया, इन दुभाग्यपूर्ण एवं शर्मसार करने वाली नृशंसता की घटना की जितनी निन्दा की जाये, कम है। स्त्री को समानता का अधिकार देने और उसके स्त्रीत्व के प्रति आदर भाव रखने के मामले में आज भी पुरुषवादी सोच किस कदर समाज में हावी है, इसकी पीलीभीत की यह ताजा घटना निन्दनीय एवं क्रूरतम निष्पत्ति है। दुभाग्यपूर्ण पहलू यह है कि जब एक स्त्री पर यह अनाचार हो रहा था तो दूसरी स्त्री यानी उसकी सास भी खड़ी थी और उसके बचाव में नहीं आई। जब उक्त युवक को अपने अपराध का अहसास हुआ तो भी वह पश्चाताप करने की बजाय पत्नी को ऐसे ही बंधा छोड़कर फरार हो गया। रह-रह कर समाज में घटित हो रही ये महिला अत्याचार, हिंसा, उत्पीड़न की घटनाएं चिन्तित करती एवं इन पर नियंत्रण के लिये कुछ प्रभावी कदमों की जरुरत व्यक्त करती है। रह-रह कर समाज में घटित हो रही ये महिला अत्याचार, हिंसा, उत्पीड़न की घटनाएं चिन्तित करती एवं इन पर नियंत्रण के लिये कुछ प्रभावी कदमों की जरुरत व्यक्त करती है।

मनोज चतुर्वेदी
संपादक

# शुभाशीष

# सुरक्षा बलों के शौर्य पर सवाल उठाना राजनीतिक रूप से पड़ेगा भारी...

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का यह हक है कि वह भारत सरकार से सवाल पूछें, रोज सवाल पूछें और तमाम सवाल पूछें लेकिन यदि वह भारतीय सेना का मनोबल गिराने वाली बात करेंगे तो यह उनको शोभा नहीं देता। भारतीय सेना अपने शौर्य, साहस और कड़े अनुशासन के लिए पूरी दुनिया में विख्यात है। देश में सीमाओं की सुरक्षा की बात हो या आपदाओं के समय राहत कार्यों में सहयोग की बात हो, भारतीय सेना ने हमेशा देश का सर गर्व से ऊँचा किया है। इसलिए यह कहना कि हमारी सेना पिट रही है, निंदनीय और शर्मनाक बयान है। भारतीय सेना पर हर देशवासी को गर्व है। विषम प्राकृतिक चुनौतियों को झेलते हुए भी हमारे सुरक्षा बल जिस तरह दिन-रात भारत की पावन भूमि की रक्षा में तैनात रहते हैं यह उसी का प्रतिफल है कि आप और हम निडर भाव से अपना जीवन आजादी से बिता पाते हैं और अपने परिवारों संग खुशियां मना पाते हैं। सेना के जवान भले होली और दिवाली पर अपने घर वालों से दूर सरहद की सुरक्षा में तैनात हों लेकिन वह यह जरुर सुनिश्चित करते हैं कि आप अपने परिजनों के साथ होली-दीवाली ही नहीं जीवन का हर दिन खुशहाली के साथ बिता सकें। सेना है तो सुरक्षा है, सेना है तो विश्वास है, सेना है तो आत्मविश्वास है। यह कोई स्लोगन नहीं बल्कि हकीकत है। आज भी इस देश में यदि प्रेरणा का कोई सबसे बड़ा पुंज है तो वह सेना है। विभिन्न सर्वेक्षणों में सामने आया है कि अधिकतर बच्चे बड़े होकर सेना में जाना चाहते हैं। उनका यह उनकी देशभक्ति और सेना के प्रति सम्मान के भाव को स्पष्टतः प्रकट करता है। जहां तक चीन के साथ सीमा विवाद से निपटने में सरकार की मंशा पर राहुल के ''संदेह'' करने की बात है तो वह गलत है। चाहे वह गलवान हो या तवांग, हमारे सशस्त्र बलों ने जिस तरह से बहादुरी और वीरता का प्रदर्शन किया, उसके लिए उनकी जितनी भी प्रशंसा की जाए, वह कम है।

डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
संरक्षक

## खुद को हीरो साबित करने के लिए भारत के खिलाफ

# बड़ी साजिश कर रहे चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग...!

**चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस समय काफी परेशान हैं। एक तरफ देश में कोविड-19 की वजह से हालात बेकाबू हैं तो दूसरी तरफ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारतीय सेना आक्रामक बनी हुई है। उनका तीसरा कार्यकाल अभी शुरू भी नहीं हुआ है और चुनौतियां पहले ही राक्षस की तरह खड़ी हैं।**

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हाल ही में पांच और वर्षों के लिये देश की कमान संभाली है लेकिन इसके कुछ ही हफ्तों के भीतर अरुणाचल प्रदेश के यांग्त्से में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच इस महीने की शुरुआत में हुई झड़प के बाद दोनों देशों के रिश्तों पर जमी बर्फ के नए साल में पिघलने के आसार कम ही हैं। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा वर्ष 2020 में पूर्वी लद्दाख में यथास्थिति को बदलने की कोशिशों के बाद से बीजिंग और नयी दिल्ली के रिश्ते तनावपूर्ण हो गए हैं। यांग्त्से में चीन के सैकड़ों सैनिकों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के इस पार भारतीय सीमा में अतिक्रमण करने की असफल कोशिश की थी। क्षेत्र में दोनों देशों के सैनिकों के बीच हुई झड़प से रिश्तों में आई तल्खी को दूर करने के प्रयास प्रभावित हो सकते हैं। दोनों देश हाल ही में 16 दौर की बातचीत के जरिये पूर्वी लद्दाख में कई बिंदुओं से सैन्य वापसी पर सहमति बनाने में कामयाब रहे थे।

### चीनी सैनिकों की पिटाई

अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर के यांग्त्से में नौ दिसंबर को हुई झड़प पर संसद में दिए बयान में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था, 'भारतीय सेना ने बहादुरी से पीएलए को हमारे क्षेत्र में अतिक्रमण करने से रोका और उन्हें अपनी चौकियों पर वापस जाने के लिए मजबूर किया। इस झड़प में दोनों पक्षों के कुछ सैनिकों को चोटें आई हैं।' चीनी विदेश मंत्रालय ने जहां भारत के साथ सीमा पर स्थिति 'सामान्यतः स्थिर' होने की बात कही थी। वहीं, पीएलए के पश्चिमी थिएटर कमान के प्रवक्ता एवं वरिष्ठ कर्नल लॉन्ग शाओहुआ ने एक बयान में दावा किया था कि संघर्ष उस समय हुआ, जब भारतीय सैनिकों ने एलएसी पर चीनी सीमा में नियमित गश्त कर रहे उसके जवानों को रोका। लॉन्ग ने कहा था, ' हमारे सैनिकों की प्रतिक्रिया पेशेवर, दृढ़ और मानक के अनुरूप थी, जिससे स्थिति को नियंत्रित करने में मदद मिली। तब से दोनों पक्ष पीछे हटने लगे हैं।'

### चीन की आक्रामक नीति

पर्यवेक्षकों का कहना है कि पीएलए का बयान संकेत देता है कि चीनी सेना 3,488 किलोमीटर लंबी गैर-सीमांकित एलएसी पर प्रमुख बिंदुओं पर कब्जा करने के लिए सैकड़ों सैनिकों को गश्त पर भेजने की अपनी लद्दाख में अपनाई गई रणनीति जारी रख सकती है। यह जून 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के जवानों में हुआ सबसे बड़ा संघर्ष था। गलवान में झड़प के बाद भारत और चीन के रिश्तों में दरार बढ़ गई थी। भारत ने स्पष्ट किया था कि सीमा पर शांति और सद्भाव द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए अनिवार्य है।

# चीन से निपटने के लिए एक साथ आए भारत-जापान, फाइटर जेट ट्रेनिंग से ड्रैगन पर कसेंगे नकेल

अगले कुछ दिनों भारत और जापान (India and Japan) कुछ ऐसा करने वाले हैं जिसके बाद चीन (China) का सिरदर्द और बढ़ जाएगा। पहले ही कोविड-19 की मार झेलता चीन, दोनों देशों की ज्वॉइन्ट मिलिट्री ड्रिल उसके लिए नई मुसीबत बन सकती है। भारत और जापान दोनों देशों के साथ चीन के रिश्ते तनावपूर्ण हैं। ऐसे में यह ज्वॉइन्ट ड्रिल उसके लिए बड़ा संदेश हो सकती है। टोक्योः भारतीय वायुसेना और जापान की एयर डिफेंस फोर्स अगले कुछ दिनों में एक ज्वॉइन्ट फाइटर ट्रेनिंग को अंजाम देने वाले हैं। राजधानी टोक्यो के करीब होने वाली यह ड्रिल अगले महीने यानी जनवरी 2023 में आयोजित होगी। जापान टाइम्स की तरफ से बताया गया है कि 16 से 26 जनवरी तक होने वाला यह ट्रेनिंग कार्यक्रम अपनी तरह का यह पहला आयोजन है। पहली बार है जब जापान, भारत के साथ इस तरह की कोई ड्रिल आयोजित कर रहा है। इस मिलिट्री ड्रिल के बारे में जानकारी ऐसे समय में आई है जब पिछले दिनों जापान में चीन की तरफ से कुछ जासूसी पुलिस स्टेशन स्थापित करने की खबरें आई थीं। साफ है कि कहीं न कहीं जापान, चीन को इस ड्रिल के जरिए तगड़ा जवाब देने की तैयारी कर चुका है।

## कौन-कौन से जेट

हाल ही में अरुणाचल प्रदेश के तवांग में भारतीय सेना के जवानों ने घुसपैठ करने पर चीनी सेना के जवानों को जमकर पीटा है। जापान के साथ होने वाली इस ज्वॉइन्ट ड्रिल में चार एफ-2 और चार एफ-15 फाइटर जेट्स जापान की तरफ से हिस्सा लेंगे। वहीं भारतीय वायुसेना के सुखोई और दूसरे जेट्स जापान पहुंचेंगे। यह ट्रेनिंग हयाकुरी एयरफोर्स बेस पर होगी जोकि इबाराकी प्रांत में है। इसके अलावा आसपास के एयरबेस पर भी इस दौरान गतिविधियां देखी जाएंगी। जापान के अधिकारियों का कहना है कि इस अभ्यास का मकसद दोनों देशों के बीच आपसी सहमति को आगे बढ़ाना और रक्षा सहयोग को मजबूत करना है।

## क्वाड के अहम अंग

जापान और भारत, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ ही क्वाड संगठन का अहम हिस्सा हैं। ये चारों देश इस समय चीन की आक्रामकता से त्रस्त हैं। जापान के प्रधानमंत्री किशिदा फुमियो और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल मई में हुए एक सम्मेलन में मिले थे। इस दौरान दोनों ने इस बात पर रजामंदी जताई थी कि जल्द से जल्द दोनों देशों को एक युद्धाभ्यास का आयोजन करना चाहिए जिसमें फाइटर जेट्स शामिल हों। एयर डिफेंस फोर्स की तरफ से कहा गया है कि भारत वह पांचवां देश है जिसके साथ इस तरह की ट्रेनिंग जापान के अंदर होगी। इससे पहले अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और जर्मनी के साथ भी इस तरह की ड्रिल हो चुकी हैं।

## जापान के लिए डराने वाली रिपोर्ट्स

हाल ही में स्पेन स्थित एशिया फोकस्ड राइट्स ग्रुप सेफगार्ड डिफेंडर्स की तरफ से दो रिपोर्ट्स आई हैं। इन रिपोर्ट्स के बाद जापान की सरकार जांच में जुट गई है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने जापान के अलावा अमेरिका, कनाडा और यूरोपियन देशों में कई जासूसी पुलिस स्टेशन बना लिए हैं। इन पुलिस स्टेशन का मकसद सरकार की गतिविधियों को देखना है। रिपोर्ट पर अगर यकीन करें तो 53 देशों में ऐसे 102 पुलिस स्टेशन हैं।

## और आक्रामक होता जापान

पिछले दिनों जापान ने एक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति पर एक अहम डॉक्यूमेंट जारी किया है। जापान ने राष्ट्रीय सुरक्षा की नीति में बड़ा बदलाव किया है। आमतौर पर शांत देश का तमगा रखने वाले जापान ने अपने रक्षा बजट में एतिहासिक इजाफा किया है। इसमें चीन को सीधे तौर पर खतरा करार नहीं दिया गया है लेकिन यह कहा गया है कि चीन की स्थिति और उसकी सैन्य गतिविधियां गंभीर मसला है।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हाल ही में पांच और वर्षों के लिये देश की कमान संभाली है लेकिन इसके कुछ ही हफ्तों के भीतर अरुणाचल प्रदेश के यांग्त्से में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच इस महीने की शुरुआत में हुई झड़प के बाद दोनों देशों के रिश्तों पर जमी बर्फ के नए साल में पिघलने के आसार कम ही हैं। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा वर्ष 2020 में पूर्वी लद्दाख में यथास्थिति को बदलने की कोशिशों के बाद से बीजिंग और नयी दिल्ली के रिश्ते तनावपूर्ण हो गए हैं। यांग्त्से में चीन के सैकड़ों सैनिकों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के इस पार भारतीय सीमा में अतिक्रमण करने की असफल कोशिश की थी। क्षेत्र में दोनों देशों के सैनिकों के बीच हुई झड़प से रिश्तों में आई तल्खी को दूर करने के प्रयास प्रभावित हो सकते हैं। दोनों देश हाल ही में 16 दौर की बातचीत के जरिये पूर्वी लद्दाख में कई बिंदुओं से सैन्य वापसी पर सहमति बनाने में कामयाब रहे थे।

## चीनी सैनिकों की पिटाई

अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर के यांग्त्से में नौ दिसंबर को हुई झड़प पर संसद में दिए बयान में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था, 'भारतीय सेना ने बहादुरी से पीएलए को हमारे क्षेत्र में अतिक्रमण करने से रोका और उन्हें अपनी चौकियों पर वापस जाने के लिए मजबूर किया। इस झड़प में दोनों पक्षों के कुछ सैनिकों को चोटें आई हैं।' चीनी विदेश मंत्रालय ने जहां भारत के साथ सीमा पर स्थिति 'सामान्यतः स्थिर' होने की बात कही थी। वहीं, पीएलए के पश्चिमी थिएटर कमान के प्रवक्ता एवं वरिष्ठ कर्नल लॉन्ग शाओहुआ ने एक बयान में दावा किया था कि संघर्ष उस समय हुआ, जब भारतीय सैनिकों ने एलएसी पर चीनी सीमा में नियमित गश्त कर रहे उसके जवानों को रोका। लॉन्ग ने कहा था, ' हमारे सैनिकों की प्रतिक्रिया पेशेवर, दृढ़ और मानक के अनुरूप थी, जिससे स्थिति को नियंत्रित करने में मदद मिली। तब से दोनों पक्ष पीछे हटने लगे हैं।'

## चीन की आक्रामक नीति

पर्यवेक्षकों का कहना है कि पीएलए का बयान संकेत देता है कि चीनी सेना 3,488 किलोमीटर लंबी गैर-सीमांकित एलएसी पर प्रमुख बिंदुओं पर कब्जा करने के लिए सैकड़ों सैनिकों को गश्त पर भेजने की अपनी लद्दाख में अपनाई गई रणनीति जारी रख सकती है। यह जून 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के जवानों में हुआ सबसे बड़ा संघर्ष था। गलवान में झड़प के बाद भारत और चीन के रिश्तों में दरार बढ़ गई थी। भारत ने स्पष्ट किया था कि सीमा पर शांति और सद्भाव द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए अनिवार्य है।

# चीन के अस्पताल में लाशों के बीच बैठे मरीज, फर्श पर पड़े शव...

## वीडियो में देखें नई कोरोना लहर कितनी खतरनाक

**चीन के अस्पताल कोरोना मरीजों से भरे हुए हैं। सरकार भले आंकड़े छिपाए लेकिन सोशल मीडिया पर सामने आ रहे वीडियो और तस्वीरें वास्तविकता दिखा रहे हैं। एक खौफनाक वायरल वीडियो में चीन के मौजूदा स्वास्थ्य संकट की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। वीडियो में व्हीलचेयर पर बैठे कुछ मरीज लाशों से सिर्फ कुछ फीट की दूरी पर नजर आ रहे हैं। कथित तौर पर चीनी राजधानी बीजिंग के एक अस्पताल में एक मरीज ने कुछ दिनों पहले यह वीडियो रेकॉर्ड किया था जिसमें कुछ लाशें फर्श पर बिखरी दिखाई दे रही हैं। अस्पताल में मरीजों की भीड़ को भी देखा जा सकता है।**

इस तरह के वीडियो ऐसी आशंकाओं के बीच सामने आ रहे हैं कि चीन कोरोना की अब तक की सबसे भयानक लहर का सामना कर रहा है। करीब दो हफ्ते पहले सरकार ने अपनी जीरो कोविड पॉलिसी में ढील दी थी जिसके बाद से हालात बिगड़ने लगे हैं। ज्यादातर पश्चिमी देशों की तुलना में चीन की टीकाकरण दर बहुत कम है। इस वजह से विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि देश के 10 लाख से अधिक लोग कोरोना से जान गंवा सकते हैं।

### लाश के साथ बैठे दिखे मरीज

चीनी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक छोटी सी क्लिप देश के खस्ताहाल हेल्थ सिस्टम को दिखाती है। यह वीडियो कुछ दिनों पहले कथित तौर पर बीजिंग चुइयांग्लु अस्पताल में रेकॉर्ड किया गया था जहां कोविड और साधारण, दोनों तरह के मरीजों का इलाज किया जा रहा है। फुटेज में मास्क पहने एक मरीज सफेद चादर में लिपटी एक लाश के पास व्हीलचेयर पर बैठा दिखाई दे रहा है। इसके पास बेड पर एक और लाश को देखा जा सकता है जबकि हॉस्पिटल वार्ड की फर्श पर अन्य लाशें बिखरी हुई हैं।

### अस्पताल के बाहर लगी लंबी कतार

वीडियो में देखा जा सकता है कि अस्पताल लाशों और स्ट्रेचर, व्हीलचेयर पर बैठे मरीजों से भरा हुआ है। वहीं अस्पताल के बाहर मरीजों की लंबी कतार लगी हुई है। कोविड मामलों में उछाल की वजह से चीन का हेल्थ सिस्टम दबाव में है। हालात ऐसे हो चुके हैं कि स्वास्थ्यकर्मियों को कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद भी काम पर जाने का आदेश दिया गया है। खबरों में कहा जा रहा है कि चीन 'थर्मोन्यूक्लियर कोविड प्रकोप' का सामना कर रहा है। आशंका जताई गई है कि आने वाले 90 दिनों में देश की 60 फीसदी आबादी, यानी 80 करोड़ लोग संक्रमित हो सकते हैं।

## चीन पर ही भारी पड़ रहा उसका झूठ, लाशों को छिपाने के लिए महामारी को बता रहा जुकाम

चीन में सरकार अब कोरोना वायरस को 'महामारी' के बजाय साधारण 'सर्दी-जुकाम' बता रही है। जीरो कोविड पॉलिसी में ढील देने के लिए इस तरह का प्रोपेगेंडा फैलाया जा रहा है। लेकिन यह झूठ अब चीन पर ही भारी पड़ता दिखाई दे रहा है क्योंकि संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। बीजिंग : पूरी महामारी के दौरान चीन की 'प्रोपेगेंडा मशीन' ने बेहद साधारण शब्दों एक 'शक्तिशाली' संदेश दिया, 'देश कोविड को मिटाने के लिए अपनी लड़ाई नहीं छोड़ेगा'। लेकिन अब कहानी बदल चुकी है। कुछ दिनों पहले चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सरकार ने 'जीरो कोविड पॉलिसी' से अपने कदम पीछे खींच लिए। लिहाजा चीन की प्रोपेगेंडा मशीन को आनन-फानन में अपना गियर बदलना पड़ा है। इस 'मशीन' में अधिकारियों से लेकर चिकित्सा विशेषज्ञ और सरकार से जुड़े पत्रकार तक सभी शामिल हैं। अब चीन में लोगों के बीच ठीक विपरीत मैसेज फैलाया जा रहा है। कहा जा रहा है कि कोविड कोई 'शैतान' वायरस नहीं था जिसकी जिनपिंग ने महामारी की शुरुआत में चेतावनी दी थी। इसके बजाय यह फ्लू से ज्यादा कुछ नहीं था इसलिए अर्थव्यवस्था को बिना किसी डर के फिर से खोला जा सकता है। समय को देखते हुए चीन में सरकार ने अब सभी नए मामलों की गिनती बंद कर दी है और कोविड मौतों का वर्गीकरण बदल दिया है।

### जीरो कोविड को बताया सही नजरिया

चाइना मीडिया प्रोजेक्ट के रिसर्च प्रोग्राम के को-डायरेक्टर डेविड बंडरस्की ने कहा, 'चीन में, तथ्य राजनीति में उलझ गए हैं। जब राजनीति बदलती है तो तथ्यों की समझ भी बदल जाती है। चीन के टॉप मेडिकल एडवाइजर झोंग नानशान ने 11 दिसंबर 2021 को ग्वांगझू में एक साइंस फोरम में जीरो कोविड पॉलिसी के संदर्भ में कहा था, 'ओमीक्रोन ने दुनिया को यह एहसास कराया है कि चीन का नजरिया सही था।'

### लाशों और मरीजों से भरे अस्पताल

उन्हीं झोंग ने 15 दिसंबर को एक यूनिवर्सिटी लेक्चर में कहा कि ओमीक्रोन की मृत्यु दर सिर्फ 0.1 फीसदी है जो मौसमी इन्फ्लूएंजा के समान है। लिहाजा कोविड को 'जुकाम' कहा जा सकता है। चीन के बयानों में यह बदलाव रातों रात आया है। एक्सपर्ट से लेकर पत्रकार अब सभी सरकार के फैसले का बचाव कर रहे हैं। लेकिन ढील देने का फैसला अब चीन पर ही भारी पड़ रहा है। ओमीक्रोन का नया वेरिएंट BF.7 चीन में भारी तबाही मचा रहा है। कई प्रमुख शहरों में अस्पताल मरीजों और लाशों से भरे हुए हैं। चीन में कोरोना महामारी से भयावह हालात हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि 80 करोड़ लोग कोरोना संक्रमित हो सकते हैं। इसके अलावा 20 लाख लोगों की जान जा सकती है। चीन में कोरोना की 3 लहर आने का खतरा है। इस बीच चीन के विशेषज्ञों का कहना है कि 22 जनवरी तक कोरोना का पीक चल सकता है और इसके बाद यह कम होना शुरू होगा। फरवरी के अंत और मार्च की शुरुआत तक चीन में हालात सामान्य हो सकते हैं। कोरोना संक्रमण से चीन में अस्पताल भर गए हैं।

# चीन में रोजाना तीन करोड़ 70 लाख लोग कोरोना पॉजिटिव

**चीन में कोरोना महाविस्फोट के बाद तबाही मची हुई है। इस बीच चीनी सरकार ने बताया है कि वर्तमान हालात में चीन में 3 करोड़ 70 लाख कोरोना केस रोज दर्ज हो रहे हैं। चीन में पिछले 20 दिनों में 24 करोड़ 80 लाख से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं।**

चीन में रोजाना 3 करोड़ 70 लाख से अधिक लोग कोरोना संक्रमित हो रहे हैं। यह जानकारी खुद चीनी सरकार ने दी है। चीन के शीर्ष स्वास्थ्य प्राधिकरण ने अनुमान जताया है कि ताजा आंकड़ा और ज्यादा बढ़ सकता है। ब्लूमबर्ग ने बुधवार को हुई चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग की आंतरिक बैठक के हवाले से बताया है कि दिसंबर के पहले 20 दिनों में कम से कम 24 करोड़ 80 लाख लोगों के कोरोना संक्रमित हुए थे। अगर यह सही है तो सिर्फ 20 दिनों में चीन की 18 फीसदी आबादी कोरोना संक्रमित हो चुकी है। ऐसे में वर्तमान कोरोना संक्रमण की दर ने जनवरी 2020 के रोजाना 4 लाख संक्रमितों वाले पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

## चीन में कैसे हो गया कोरोना विस्फोट

चीन महामारी के शुरुआत से ही कोरोना प्रतिबंधों को लेकर बदनाम रहा है। इस कारण चीन में बड़ी आबादी प्रभावित भी हुई। हालात इतने खराब हो गए थे कि चीनी नागरिकों को शी जिनपिंग के खिलाफ सड़कों पर उतरना पड़ा। इस कारण चीन ने कोरोना प्रतिबंधों में ढील देनी शुरू कर दी। इस बीच ओमीक्रोन का एक अति संक्रामक म्यूटेट वेरिएंट बीएफ.7 ने जन्म ले लिया। इसने चीन की बड़ी आबादी को प्रभावित किया। चीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सिचुआन प्रांत और राजधानी बीजिंग के आधे से अधिक निवासी संक्रमित हो चुके हैं।

## जानकारी नहीं शेयर कर रहा चीन

चीनी स्वास्थ्य नियामक ने यह नहीं बताया कि उसका अनुमान किस आधार पर जारी किया गया है। चीन ने इस महीने की शुरुआत में ही संक्रमण दर को बताना बंद कर दिया था। इससे चीन में हुए कोरोना विस्फोट से जुड़ी सटीक जानकारी नहीं मिल सकी है। खुद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जोखिम का आंकलन करने के लिए चीन से ताजा आंकड़ों को सार्वजनिक करने की गुजारिश की है। डब्लूएचओ चीफ ने कहा कि चीन से मिले आंकड़ों से हम खतरे को भांपकर दूसरे देशों को सलाह जारी करेंगे। चीन के नेशनल डिजिज कंट्रोल ब्यूरो ने अभी तक सार्वजनिक तौर पर कोई बयान जारी नहीं किया है।

## जनवरी में चरम पर होगा कोरोनाॉ

चीन में लोग अब कोविड संक्रमण का पता लगाने के लिए रैपिड एंटीजन टेस्ट का इस्तेमाल कर रहे हैं। रैपिड एंटीजन टेस्ट को सटीक नहीं माना जाता है। इस बीच चीनी सरकार ने संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए लोगों में संक्रमण की दर से जुड़ी जानकारी देनी भी बंद कर दी है। डेटा कंसल्टेंसी मेट्रोडाटाटेक के मुख्य अर्थशास्त्री चेन किन ने ऑनलाइन कीवर्ड सर्च के विश्लेषण के आधार पर अनुमान लगाया है कि चीन की वर्तमान लहर दिसंबर के मध्य और जनवरी के अंत में अधिकांश शहरों में चरम पर होगी। उनके मॉडल से पता चलता है कि शेन्जेन, शंघाई और चोंगकिंग के शहरों में सबसे ज्यादा मामले आ सकते हैं।

# गुजरात जिताने वाले सीआर पाटिल को मिलेगा प्रमोशन

**गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनावों के बाद बीजेपी अब 2023 के चुनावों की तैयारी में जुट गई है। गुजरात में ऐतिहासिक जीत के नए रणनीतिकार बनकर उभरे सीआर पाटिल का प्रमोशन तय माना जा रहा है। बीजेपी के पाटिल के कौशल का उपयोग राज्यों के साथ 2024 के लिए करना चाहती है।**

गुजरात में बीजेपी को बड़ी जीत दिलाने वाले सीआर पाटिल का प्रमोशन होगा। जुलाई 2020 में प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभालने वाले सीआर पाटिल नवसारी से तीसरी बार सांसद हैं और उन्होंने बतौर बीजेपी गुजरात अध्यक्ष पार्टी को बड़ी जीत दिलाई है। ऐसे में उनके प्रमोशन को पार्टी शीर्ष नेतृत्व में विचार-विमर्श जारी है। पाटिल को क्या जिम्मेदारी मिलेगी? इसको लेकर दो तरह की अटकलें हैं। उन्हें संगठन में एलीवेट किया जा सकता है। केंद्रीय टीम में लिया जा सकता है या फिर केंद्र में मंत्री बनाकर उन्हें राजनीतिक रूप से अहम राज्यों का प्रभार सौंपा जा सकता है। ऐसी भी चर्चा है कि अभी पाटिल नड्डा के साथ काम करें और बाद में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालें।

पाटिल की 2023 में क्या भूमिका रहेगी? इसको लेकर नए साल की शुरुआत में स्थिति साफ हो सकती है। राजनीतिक हलकों में चर्चा यह है कि पार्टी के मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा 2024 के चुनाव तक रहेंगे। इसके लिए उन्हें मकर संक्रांति के आसापास एक साल का और विस्तार दिया जाएगा। नड्डा का कार्यकाल बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष अगले महीने पूरा हो रहा है। नड्डा शुरुआत में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे। पार्टी में पाटिल को लेकर चर्चा हैं कि उनकी क्षमताओं का कैसे उपयोग किया जाए। वे केंद्रीय मंत्री बनकर राज्यों के प्रभारी बनें या फिर नड्डा के साथ उन्हें अहम भूमिका दी जाए और 2024 के बाद की स्थितियों को देखकर नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का फैसला किया जाए। पाटिल के अलावा गुजरात में पार्टी के शानदार जीत से संगठन महामंत्री रत्नाकर का भी प्रमोशन होना तय माना जा रहा है। रत्नाकर उत्तर प्रदेश से आते हैं और गुजरात के प्रभार से पहले वे बिहार की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

पाटिल की क्या है मजबूती?

कांस्टेबल की नौकरी करने वाल पाटिल चुनावी प्रबंधन को माइक्रो से हाइपर माइक्रो लेवल पर ले गए हैं। पाटिल अपने क्षेत्र समय नहीं भी दें तो भी वे चुनाव जीत जाते हैं। इसके पीछे उनका स्थानीय प्रबंधन है। जिसकी जिम्मेदारी उन्होंने अपने विश्वस्त सहयोगी छोटू भाई पाटिल को दी हुई है। पाटिल गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष हैं लेकिन लगातार तीन बार से सांसद होने के कारण उन्हें राष्ट्रीय राजनीति की भी समझ है। इतना ही नहीं पाटिल काफी समय तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र का भी दायित्व संभाल चुके हैं। खुद महाराष्ट्र में जन्मे पाटिल गुजरात और कर्नाटक तक अच्छा प्रभाव रखते हैं। ऐसे में पार्टी की रणनीति हैं कि उन्हे अच्छे फॉर्म को बनाए रखा जाए और इसका लाभ अगले साल होने वाले राजस्थान, मध्य प्रदेश और कर्नाटक समेत 10 राज्यों के चुनाव में उठाया जाए।

तीसरे गुजराती होंगे पाटिल

अगर भविष्य में सीआर पाटिल को राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व मिलता है तो वे लालकृष्ण आडवाणी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बाद तीसरी व्यक्ति होंगे। जो गुजरात से निकलकर बीजेपी की कमान संभालेंगे। बीजेपी के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष होने का गौरव अटल बिहारी बाजपेयी को है। इसके अलावा लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, कुशभाऊ ठाकरे, बंगारू लक्ष्मण, जनाकृष्णमूर्ति, वेकेंया नायडू, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, अमित शाह और जेपी नड्डा अभी तक अध्यक्ष बने हैं। पार्टी के संविधान के अनुसार

## गुजरात की प्रचंड जीत पर बोले पीएम मोदी

गुजरात में बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद पीएम मोदी ने दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि इस बार चुनाव में नरेंद्र ने पूरी ताकत लगा दी ताकि भूपेंद्र जीत के सारे रेकॉर्ड तोड़ सकें। गुजरात में बीजेपी ने अब तक के सभी रेकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पार्टी को मिली प्रचंड जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली मुख्यालय में बीजेपी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल की तारीफ की। उन्होंने कहा कि इस बार चुनाव में नरेंद्र ने पूरी ताकत लगा दी ताकि भूपेंद्र जीत के सारे रेकॉर्ड तोड़ सकें। गौरतलब है कि गुजरात चुनाव के लिए प्रचार करते हुए पीएम मोदी ने वलसाड में कहा था कि नरेंद्र के लिए भूपेंद्र को जिताना है और सारे रेकॉर्ड तोड़ने हैं।

दिल्ली मुख्यालय में पीएम मोदी ने गुजरात की जनता का शुक्रियाअदा किया। पीएम मोदी ने कहा, मैं जनता जनार्दन के सामने नतमस्तकहूं। बीजेपी बड़े से बड़े और कड़े से कड़े फैसले का दम रखती है। पीएम मोदी ने आगे कहा, चुनावों के दौरान मैंने गुजरात के भाई-बहनों से कहा था कि इस बार नरेंद्र का रेकॉर्ड टूटना चाहिए। मैंने वादा किया था कि भूपेंद्र नरेंद्र का रेकॉर्ड तोड़े इसलिए नरेंद्र जी जान से मेहनत करेगा।'

पीएम मोदी ने कहा, 'गुजरात की जनता ने तो रेकॉर्ड तोड़ने में भी रेकॉर्ड कर दिया। उसने गुजरात की स्थापना से लेकर अब तक सारे रेकॉर्ड तोड़ दिए। गुजरात के इतिहास का सबसे प्रचंड जनादेश बीजेपी को देकर गुजरात के लोगों ने नया इतिहास बना दिया है।' 6 नवंबर को वलसाड में एक रैली के दौरान पीएम मोदी ने कहा था, 'नरेंद्र के लिए हमें भूपेंद्र को बड़ अंतर से जीत दिलाना है। मेरा रेकॉर्ड तोड़ने के लिए मेरी मदद करें। इस बार मैं अपने सारे रेकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं। भूपेंद्र के रेकॉर्ड नरेंद्र से ज्यादा मजबूत होने चाहिए, मैं उसके लिए काम करना चाहता हूं।'

**माधव सिंह सोलंकी का रेकॉर्ड टूटा:** गुजरात विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने रेकॉर्ड 156 सीटों पर जीत दर्ज की है। बीजेपी ने गुजरात के पूर्व सीएम माधव सिंह सोलंकी का रेकॉर्ड भी तोड़ दिया। 1985 में माधव सिंह सोलंकी की अगुवाई में कांग्रेस ने 149 सीटों पर रेकॉर्ड जीत दर्ज की थी। इस रेकॉर्ड को अब बीजेपी ने तोड़ दिया है।

# गुजरात की प्रचंड जीत का श्रेय 'आप' को भी है....

गुजरात की 15वें विधानसभा चुनावों में बीजेपी को सबसे बड़ी जीत मिली है। पहली बार बीजेपी को वोट प्रतिशत 50 के पार गया और बीजेपी ने 156 सीटें हासिल की। चुनावों में जीते तीन निर्दलीय भी सरकार को समर्थन दे चुके हैं। ऐसे में 182 सदस्यों वाली विधानसभा में बीजेपी का संख्या 159 सीटों का हो गया। विपक्ष का संख्या 23 पर है। इसमें कांग्रेस के 17 और आप के पांच और समाजवादी पार्टी का एक विधायक शामिल है।

अहमदाबादः गुजरात चुनावों में शानदार जीत के बाद बीजेपी (BJP) में जश्न के मूड में हैं तो कांग्रेस (Congress) हार के सभी संभावित कारण खोज रही है। आप आदमी पार्टी (आप) जो मिला सही की बात कहकर संतोष कर रही है। प्रदेश में चुनाव परिणाम आए करीब दो हफ्ते बीत चुके हैं। कांग्रेस के नेता आप ने बड़ा नुकसान होने की बात स्वीकार रहे हैं। उनका कहना है कि बीजेपी (BJP) की जीत में आम आदमी पार्टी (Aam aadmi Party) का बड़ा रोल है। इसको लेकर कांग्रेस और आप (Aap) में जुबानी जंग भी चल रही है। खुद कांग्रेस नेता राहुल गांधी (Rahul Gandhi) ने बीजेपी की बड़ी जीत पर कहा था कि आप नहीं होती तो हम चुनाव जीतते। इसके बाद से आप कांग्रेस पर हमलावर है। अब दक्षिण गुजरात की वसंदा सीट से जीते अनंत पटेल (Annat Patel) ने आदिवासी नेता छोटू वसावा (Chhotubhai Vasava) की हार का ठीकरा भी आप पर फोड़ा है। पटेल ने कहा कि आप के चलते छोटू वसावा की हार हुई। राजनीतिक विश्लेषक भी मान रहे हैं कि आप के चलते गुजरात चुनावों में जो त्रिकोण बना। कांग्रेस के वोट आप की तरफ खिसके इससे बीजेपी को प्रचंड जीत मिली, हालांकि बीजेपी की सीटें बढ़ने की बात समझ आती है लेकिन वोट शेयर कैसे बढ़ गया। इसका निष्कर्ष आना बाकी है, लेकिन यह तो सही है आप ने कहीं न कहीं बीजेपी की राह आसान कर दी। इन सीटों के चुनावी नीतीजे कम से कम यही कहते हैं। अब कांग्रेस की चिंता यही है कि बीजेपी से लड़े कि आप से बचे।

**1.** द्वारकाः द्वारका की सीट से पिछले सात बार से जीत रहे पबुभा माणेक फिर से जीते हैं। पबुभा माणेक को 74,018 वोट मिले। वे पांच हजार से अधिक कुछ मतों से आठवीं बार लगातार जीते। तो वहीं कांग्रेस के उम्मीदवार को 68,691 वोट हासिल हुए। इस सीट पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी लक्ष्मणभाई नकुम को 28,381 वोट हासिल हुए। अगर कांग्रेस के आप के प्रत्याशी के वोटों को जोड़ दें तो नतीजा दूसरा हो जाता है।

**2.** झगड़ियाः भरूच जिले की इस सीट पर 1990 से आदिवासी नेता छोटू वसावा कब्जा जमाए हुए थे, लेकिन इन चुनावों में पहली बार यहां पर बीजेपी को जीत मिली और कम खिला। निर्दलीय लड़े छोटू वसावा को 66,433 वोट मिले, जबकि कांग्रेस 15,219 और आप को 19,722 वोट हासिल हुए। इन वोटों को जोड़ दें तो कुल वोटों की संख्या बीजेपी की मिले वोटों से अधिक हो जाती है, क्योंकि बीजेपी के प्रत्याशी रितेशकुमार वसावा ने 89,933 वोट पाकर इस किले को ढहा दिया।

**3.** टंकाराः सौराष्ट्र की टंकारा सीट पर भी आप की एंट्री से कांग्रेस की राह कठिन और बीजेपी की जीत आसान बनी। कांग्रेस ने यहां ललित कगथरा को टिकट दिया था। कगथरा अच्छा लड़े उन्होंने 73018 वोट हासिल किए और बीजेपी के उम्मीदवार से 10 हजार के मतों से हारे। बीजेपी को यहां पर 83,274 वोट मिले। इस सीट पर ललित कगथरा की जीत आप के चलते मुश्किल हुई। पार्टी के प्रत्याशी 17,834 वोट हासिल किए।

**4.** भिलोड़ाः अरवल्ली जिले की इस सीट पर 2017 में कांग्रेस 12,417 वोटों से जीत हासिल की थी,लेकिन इस बार के चुनाव में कांग्रेस को यह सीट भी गंवानी पड़ी। बीजेपी के प्रत्याशी पीसी बरंडा को 90396 वोट मिले, जबकि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को क्रमशः 42831 और 61628 वोट हासिल किए। वोटों के बंटवारे में यह सीट भी कांग्रेस के हाथ से निकल गई।

**5.** जसदणः राजकोट जिले की इस सीट कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों ने लगभग बराबर के वोट हासिल किए। कांग्रेस के उम्मीदवार भोलाभाई गोहेल को 45,795 हजार वोट और आप उम्मीदवार तेजस भाई गजीपरा को 47,636 वोट मिले। तो वहीं बीजेपी के प्रत्याशी कुंवरजी बावलिया महज 39.54 फीसदी मत पाकर भी जीत गए। उन्हें कुल 63,808 हजार वोट मिले।

## कांग्रेस के सामने दोहरी चुनौती

सौराष्ट्र और आदिवासी बेल्ट की सीट पर वोटों के बंटवारे का फायदा बीजेपी को सीधे तौर पर मिला। इसके चलते काफी सीटों पर बीजेपी की राह आसान हुई। जिन सीटों पर कांग्रेस और बीजेपी में कांटे की लड़ाई होती थी। वहां पर जीत का फासला भी बड़ा हो गया। नतीजों के बाद कांग्रेस के नेता राहुल गांधी से लेकर अनंत पटेल आप को कोस रहे हैं तो काफी बीजेपी के नेता और उम्मीदवार ऐसे में जिनके लिए आप का होना फायदे का सौदा रहा।कांग्रेस के सामने अब चुनौती यही है कि वह राज्य में अपनी जमीन कैसे बचाएगी। 17 विधायकों को भी साथ रखना है। बीजेपी से लड़ते हुए आगे बढ़ना है तो आम आदमी पार्टी से बचना भी है। 2023 में जब कुछ जगहों पर नगर पालिकाओं के चुनाव होंगे तो देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस इस दोहरी चुनौती से कैसे निपटती है। फिलहाल इन सीटें को नतीजें कम से कम बीजेपी की बड़ी जीत का श्रेय आप भी दे रहे हैं।

## गुजरात में रंग लाई सीएम बदलने की स्ट्रैटजी, बीजेपी की रेकॉर्ड जीत क्या कहती है

गुजरात में पिछले साल जब बीजेपी ने विजय रूपाणी की जगह भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाया तो कई सवाल उठे। हालांकि विधानसभा चुनाव में बीजेपी की रेकॉर्ड जीत ने सभी आलोचकों को शांत कर दिया। चुनाव में बीजेपी 156 सीटों पर रेकॉर्ड जीत दर्ज की है। उत्तराखंड के बाद अब गुजरात में सत्ता विरोधी लहर को रोकने के लिए चुनाव से पहले मुख्यमंत्री बदलने की बीजेपी की रणनीति रंग लाई है। पिछले साल सितंबर में, बीजेपी ने विजय रूपाणी की जगह पहली बार विधायक बने भूपेंद्र पटेल को गुजरात का मुख्यमंत्री बनाया था। इतना ही नहीं पार्टी ने पूरे गुजरात मंत्रिमंडल को भी बदल दिया था। चुनाव से महज एक साल पहले हुए इस बदलाव को लेकर तब कई सवाल उठे थे। गुजरात विधानसभा चुनाव में बीजेपी 156 सीटों पर रेकॉर्ड जीत दर्ज की है।

बीजेपी के राष्ट्रीय स्तर के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि परिणाम स्पष्ट रूप से संकेत देते हैं कि उत्तराखंड और गुजरात दोनों राज्यों में मुख्यमंत्री बदलने से सत्ता विरोधी लहर को बेअसर करने में मदद मिली। गुजरात में मुख्यमंत्री (पाटीदार) की जाति भी काम आई। विपक्ष मुख्यमंत्री बदलने को लेकर बीजेपी पर अक्सर हमलावर रही है। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ये बदलाव दर्शाते हैं कि बीजेपी का नेतृत्व जमीनी स्तर से मिले फीडबैक के अनुसार निर्णय लेने से पीछे नहीं हटता।

इसी तरह, उत्तराखंड में बीजेपी ने इस साल की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनावों से पहले दो बार मुख्यमंत्री बदले थे। चुनाव में पार्टी को तो जीत मिली, लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद पहाड़ी राज्य में उन्हें मुख्यमंत्री बनाया गया। उक्त बीजेपी नेता ने सवाल उठाया कि हिमाचल प्रदेश में भी यही कवायद क्यों नहीं की गई, जब पार्टी को पिछले साल उपचुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। गौरतलब है कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा खुद हिमाचल प्रदेश के हैं और उन्होंने विधानसभा चुनाव के दौरान वहां जमकर प्रचार भी किए थे। पार्टी के इस नेता ने कहा है कि यह हैरत की बात है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष को उनके ही प्रदेश से मुख्यमंत्री को लेकर सही फीडबैक नहीं मिला।

## सीएम बदलने के पीछे रणनीति

बीजेपी के एक अन्य वरिष्ठ नेता ने कहा कि पिछले दो-तीन साल में मुख्यमंत्रियों को बदलने के इन निर्णयों के पीछे प्रमुख रूप से तीन कारक रहे हैं। इनमें जमीनी स्तर पर काम का असर, संगठन के साथ सामंजस्य और नेता की लोकप्रियता शामिल है। बीजेपी शासित कर्नाटक, मध्य प्रदेश और त्रिपुरा में 2023 में विधानसभा चुनाव होने हैं। बीजेपी ने कर्नाटक और हाल ही में त्रिपुरा में अपने मुख्यमंत्री बदले हैं।

# भाजपा ने मेयर पद के लिए खेला नया दांव, रेखा गुप्ता को बनाया प्रत्याशी

शालीमार बाग से तीन बार की पार्षद रेखा गुप्ता को नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन भाजपा ने दिल्ली मेयर उम्मीदवार के रूप में चुना है। राम नगर वार्ड के कमल बागड़ी डिप्टी मेयर पद के लिए लड़ेंगे चुनाव विकास 6 जनवरी को मेयर चुनाव से पहले आता है।

दिल्ली में एमसीडी चुनाव के बाद अब मेयर चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी के मंसूबों पर पानी फेर दिया है। शालीमार बाग से तीन बार की पार्षद रेखा गुप्ता को नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन भाजपा ने दिल्ली मेयर उम्मीदवार के रूप में चुना है। राम नगर वार्ड के कमल बागड़ी डिप्टी मेयर पद के लिए लड़ेंगे चुनाव विकास 6 जनवरी को मेयर चुनाव से पहले आता है।

250 सदस्यीय नगर निकाय में 104 सीटों पर जीत हासिल करने वाली भाजपा ने मंगलवार को मेयर और डिप्टी मेयर सहित एमसीडी के विभिन्न पदों के लिए अपने उम्मीदवारों को अंतिम रूप दिया। एमसीडी के नतीजे घोषित होने के बाद बीजेपी ने कहा था कि मेयर का पद एक 'ओपन पोस्ट' है। मेयर पद के लिए रेखा गुप्ता और स्थायी समिति सदस्य पद के लिए द्वारका से पार्षद कमलजीत सहरावत को प्रत्याशी घोषित किया गया है. वह पहले दक्षिण दिल्ली नगर निगम के मेयर के रूप में कार्य कर चुकी हैं। 134 सीटों के साथ दिल्ली नगर

निगम (MCD) चुनाव जीतने वाली आम आदमी पार्टी (AAP) ने क्रमशः दिल्ली के मेयर और डिप्टी मेयर के पद के लिए शेली ओबेरॉय और आले मोहम्मद इकबाल को अपना उम्मीदवार घोषित किया था।

दोनों ने चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। हाल ही में आप ने भाजपा को शीर्ष एमसीडी पद के लिए अपना उम्मीदवार खड़ा करने की चुनौती दी थी। एक संवाददाता सम्मेलन में, राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने दावा किया कि भाजपा ने कहा है कि वह महापौर पद के लिए कोई उम्मीदवार नहीं खड़ा करेगी। हमने सुना है कि भाजपा मेयर पद के लिए एक निर्दलीय उम्मीदवार का समर्थन कर रही है। वे किस बात से डरे हुए हैं कि वे अपना उम्मीदवार नहीं उतार रहे हैं?

# राउत ने कहा कि पीएम को 'नए भारत' का जनक कहना उनका अपमान है...

राज्यसभा सदस्य ने दावा किया, ''भाजपा में कोई भी वीर सावरकर (स्वतंत्रता सेनानी) के राष्ट्रपिता होने की बात नहीं करता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने हमेशा सावरकर का विरोध किया, जिन्होंने कठोर सजा काटी थी। इन लोगों ने भारत को पुराने और नये में बांट दिया है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से पूछा कि क्या वह महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस के विचारों से सहमत है, जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'न्यू इंडिया' का पिता बताया है। राउत ने पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में अपने साप्ताहिक स्तंभ रोखठोक में दावा किया है कि यह मोदी का 'अपमान' है, क्योंकि नये भारत में भुखमरी, गरीबी, बेरोजगारी और आतंकवाद की समस्या मुंह बाये खड़ी है।

राज्यसभा सदस्य ने दावा किया, ''भाजपा में कोई भी वीर सावरकर (स्वतंत्रता सेनानी) के राष्ट्रपिता होने की बात नहीं करता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने हमेशा सावरकर का विरोध किया, जिन्होंने कठोर सजा काटी थी। इन लोगों ने भारत को पुराने और नये में बांट दिया है।'' बैंकर एवं गायिका अमृता ने एक साक्षात्कार

के दौरान कहा था, ''हमारे पास दो 'राष्ट्रपिता' हैं। नरेन्द्र मोदी 'न्यू इंडिया' के पिता हैं और महात्मा गांधी पहले के समय के राष्ट्रपिता हैं।'' महात्मा गांधी के पड़पोते तुषार गांधी के साथ ही विपक्षी कांग्रेस ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी।

राउत ने रविवार को कहा कि क्या भाजपा स्वतंत्रता सेनानियों की शहादत से मिली आजादी को स्वीकार नहीं करती है। राउत ने मराठी अखबार में लिखा, ''आज नये भारत में भूख, गरीबी, बेरोजगारी, आतंकवाद की समस्या सिर उठाये हुए है। मोदी को नये भारत का पिता बनाना उनका अपमान है।'' उन्होंने दावा किया कि महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता की उपाधि भारत के लोगों ने दी थी।

# अब प्रदेश के 15 जिलों में नहीं बंटेंगे बिजली बिल मोबाइल पर मिलेंगे

पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीन इंदौर और उज्जैन संभाग के सभी 15 जिलों के शहर-कस्बों और गांवों में एक दिसंबर से बिजली बिल बांटना बंद कर दिए जाएंगे। बिजली कंपनी के दोनों संभागों में आने वाले सभी 40 लाख उपभोक्ताओं को उनके मोबाइल पर ही बिल भेजे जाएंगे। बिजली कंपनी ने सभी वितरण केंद्रों को प्रिंटिंग बंद करने के निर्देश जारी कर दिए हैं। हालांकि, तमाम उपभोक्ताओं के साथ खुद बिजलीकर्मी भी इस व्यवस्था से असंतुष्ट नजर आ रहे हैं।

साल की शुरुआत में महू से बिजली कंपनी ने पेपरलैस बिलिंग को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया था। इसके बाद छह महीने से इंदौर के एक-एक कर तमाम जोनों पर बिजली के बिल छापना और वितरण बंद कर दिया गया। सोमवार को बिजली कंपनी ने अपने जोन व वितरण केंद्र प्रभारियों को सूचना दी कि आखिरी प्रिंटिंग का करार भी 30 नवंबर को खत्म हो जाएगा। इसके साथ ही कोई भी जोन अपने बिल छापने की फाइल कंपनी के मुख्यालय न भेजे।

## जोन पर बढ़ा बोझ

बिजली कंपनी द्वारा पेपरलैस बिल सिस्टम लागू करने से कई उपभोक्ताओं के साथ जोन भी असहज महसूस कर रहे हैं। स्मार्ट फोन नहीं चलाने वाले और तकनीक से अंजान उपभोक्ता बिल नहीं मिलने से परेशान हैं। बिजली जोन के अधिकारियों के अनुसार, ऐसे उपभोक्ता पहले तो बिल भरने में देरी कर रहे हैं, फिर जोन पर आकर बिल का प्रिंट निकलवा रहे हैं। इसके चलते राजस्व संग्रहण में तो दिक्कत आ ही रही है। जोन पर काम भी बढ़ गया है। बिजली कंपनी पेपरलैस की बात तो कर रही है लेकिन जोनों को अपने यहां से बिल का प्रिंटआउट निकालकर देना पड़ रहा है।

## सत्ताधारी दल भी नाराज

इस बीच बिजली बिल बंद किए जाने से सत्ताधारी दल भी नाखुश नजर आ रहा है। भाजपा नेताओं ने भी इस बारे में भोपाल शिकायत भेजी है। दरअसल, अब तक छपकर आ रहे बिजली बिलों पर मुख्यमंत्री के फोटो के साथ सरकारी योजनाओं की जानकारी छपी रहती थी। साथ ही गृहज्योति व अन्य योजनाओं के अंतर्गत 150 यूनिट तक छूट वाले बिजली के बिल पीले रंग के आते व उस पर सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी का ब्योरा रहता था। भाजपा नेताओं ने ग्रामीण क्षेत्र में बिल बंद होने पर नाराजगी जताते हुए फिर से शुरू करने की मांग भी रखी है।

## मोबाइल पर भेजे जाएंगे बिल

पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री व आइटी प्रमुख सुनील पाटौदी का कहना है कि ज्यादातर क्षेत्रों में पहले ही पेपरलैस बिल शुरू हो चुके थे। 30 नवंबर के बाद सभी 40 लाख उपभोक्ताओं को मोबाइल पर ही बिल भेजे जाएंगे।

# 1.32 लाख स्मार्ट मीटर व लगेंगे

## दिसंबर में प्रारंभ होगा कार्य, लेब में टेस्टिंग

शहर में अत्याधुनिक स्मार्ट मीटर लगाने के लिए अगले चरण का कार्य दिसंबर से प्रारंभ किया जा रहा है। 15 दिसंबर से 1 लाख 32 हजार स्मार्ट मीटर और लगाए जाएंगे, ये स्मार्ट मीटर 57 चिन्हित फीडरों से संबंद्ध उपभोक्ताओं के यहां लगेंगे।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने बताया कि स्मार्ट मीटर योजना का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। अगले क्रम में इंदौर शहर में 1 लाख 32 हजार स्मार्ट मीटर और लगाए जाएंगे। ये अत्याधुनिक सुविधाओं व संचार प्रणाली वाले मीटर 57 फीडरों से संबंधित उपभोक्ताओं के यहां निःशुल्क लगाए जाएंगे। श्री तोमर ने बताया कि इसके लिए प्रभावी तैयारी की जा रही है। संबंधित कंपनी और बिजली कंपनी की स्मार्ट मीटर टीम को इस संबंध में निर्देशित किया गया है। श्री तोमर ने बताया कि मीटरों के प्रत्येक लॉट में से चुनिंदा मीटर नेशनल एक्रेडिएशन बोर्ड फार टेस्टिंग एंड कॉलिब्रेशन लेबोरेटरी (ठअइछ) मान्यता प्राप्त बिजली कंपनी की अत्याधुनिक लेब में टेस्ट होंगे।

यह लेब पोलोग्राउंड इंदौर में ही बिजली कंपनी ने तैयार की है। इसी के साथ ही शत-प्रतिशत टेस्टेड मीटर ही उपभोक्ताओं के यहां लगाए जाएंगे। प्रबंध निदेशक श्री तोमर ने बताया कि इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए मुख्य अभियंता श्री एसआर बमनके, अधीक्षण अभियंता स्मार्ट मीटर सेल श्री डीएस चौहान, अधीक्षण अभियंता इंदौर शहर वृत्त श्री मनोज शर्मा, कंट्रोल सेंटर प्रभारी श्री नवीन गुप्ता को दी गई है। प्रबंध निदेशक श्री तोमर ने बताया कि इससे पहले विभिन्न चरणों में इंदौर शहर में लगभग 1.40 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके है। इनका ऊर्जा विभाग, बिजली कंपनी की प्राथमिकताओं और उपभोक्ताओं के लिए हाईटेक सुविधाओं के हिसाब से परिणाम अच्छा रहा है।

## स्मार्ट मीटर से ये होंगे फायदे

निःशुल्क लगाए जाने वाले स्मार्ट मीटर पावर फैक्टर छूट के लिए रिपोर्ट देगा, इसके लिए पात्र उपभोक्ता एक रूपए यूनिट तक छूट प्राप्त कर सकता है। साथ ही स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के एप पर लाइव देखा जा सकेगा, रूफ टॉप सोलर एनर्जी के लिए एक ही मीटर से बिजली लेने-देने दोनों कार्य की गणना स्वतः हो जाएगी।

# ब्रिटिश सिख सांसद ने भारतीय मूल की डॉक्टर के आत्महत्या मामले की स्वतंत्र जांच की मांग की

ब्रिटेन की पहली महिला सिख सांसद ने भारतीय मूल की एक जूनियर डॉक्टर की आत्महत्या और कर्मचारियों द्वारा उसे तंग किए जाने की कई खबरें आने के बाद बर्मिंघम में नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) अस्पताल ट्रस्ट की स्वतंत्र जांच कराने के लिए ब्रिटिश सरकार को पत्र लिखा है। इस अस्पताल को सरकार से वित्त पोषण प्राप्त है। बर्मिंघम एजबैस्टन से संसद सदस्य प्रीत कौर गिल ने ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री स्टीव बार्कले को लिखा पत्र बुधवार को ट्विटर पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स बर्मिंघम एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट (यूएचबी) में कामकाज के तौर-तरीकों की जांच करने की मांग की है।

गिल ने इस मामले की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है, ताकि लोग खुद आगे आकर सबूत देने में सुरक्षित महसूस करें। यूएचबी ब्रिटेन के बड़े एनएचएस ट्रस्ट में से एक है, जो इलाके में कई अस्पतालों का प्रबंधन करता है। यूएचबी ने एक बयान में कहा, ''हमें दिए जा रहे समर्थन का स्वागत करते हैं और हम एनएचएस के हमारे सहकर्मियों के साथ सकारात्मक तथा सार्थक रूप से काम करने के लिए उत्साहित हैं।

# तालिबान ने महिलाओं की विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा पर प्रतिबंध, अमेरिका ने की निंदा

अमेरिका ने अफगानिस्तान में महिलाओं की विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा पर प्रतिबंध लगाने के तालिबान के हालिया फैसले की निंदा की है। गौरतलब है कि तालिबान सरकार ने महिलाओं के अधिकारों व स्वतंत्रता पर नकेल कसते हुए मंगलवार को एक नए फरमान में कहा था कि अफगानिस्तान में निजी व सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में महिला छात्रों को तत्काल प्रभाव से अगली सूचना तक प्रतिबंधित कर दिया गया है। व्हाइट हाउस राष्ट्रीय सुरक्षा परिषदद (एनएससी) की प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने मंगलवार को कहा, ''अमेरिका अफगानिस्तान की महिलाओं को विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा प्राप्त करने से रोकने के लिए तालिबान के फैसले की निंदा करता है।'' उन्होंने कहा, '' यह एक निंदनीय फैसला है और तालिबान नेतृत्व द्वारा अफगानिस्तान में महिलाओं तथा लड़कियों पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने तथा उन्हें उनके मानवाधिकारों व मौलिक स्वतंत्रता का इस्तेमाल करने से रोकने का नवीनतम प्रयास है।'' वॉटसन ने कहा कि अफगानिस्तान के इस

अस्वीकार्य रुख से तालिबान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अलग-थलग पड़ जाएगा और जो वैधता वह हासिल करना चाहता है उससे भी वंचित हो जाएगा। उन्होंने एक बयान में कहा, ''अमेरिका इस मुद्दे पर अपने भागीदारों व सहयोगियों के साथ सम्पर्क में है। हम अफगानिस्तान की महिलाओं तथा लड़कियों का समर्थन करने और अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने के हमारे साझा प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए कदम उठाना जारी रखेंगे।

## तालिबानी फरमान पर बोले सुनक

# बेटियों के पिता के रूप नहीं कर सकता ऐसे विश्व की कल्पना

दो बेटियों के पिता सुनक ने अपनी आलोचना ट्वीट के जरिए जाहिर की है। सुनक ने कहा कि 'बेटियों के पिता के रूप में, मैं ऐसी दुनिया की कल्पना नहीं कर सकता जिसमें उन्हें शिक्षा से वंचित रखा जाए। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने तालिबान को चेतावनी दी है कि अफगानिस्तान में महिलाओं के विश्वविद्यालय जाने पर प्रतिबंध लगाने के कदम को दुनिया देख रही है। काबुल में तालिबान सुरक्षा बल महिलाओं को विश्वविद्यालयों में प्रवेश करने से रोक रहे हैं, समूह ने देश भर के सार्वजनिक और निजी विश्वविद्यालयों को अगली सूचना तक महिला छात्रों तक पहुंच को तुरंत निलंबित करने का निर्देश दिया। निर्णय तालिबान के नेतृत्व वाले प्रशासन के मंत्रिमंडल द्वारा किया गया था, लेकिन इसने कोई कारण नहीं बताया है और अभी तक वैश्विक निंदा पर प्रतिक्रिया नहीं दी है। दो बेटियों के पिता सुनक ने अपनी आलोचना ट्वीट के जरिए जाहिर की है। सुनक ने कहा कि 'बेटियों के पिता के रूप में, मैं ऐसी दुनिया की कल्पना नहीं कर सकता जिसमें उन्हें शिक्षा से वंचित रखा जाए। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान की महिलाओं के पास देश को देने के लिए बहुत कुछ है। उन्हें विश्वविद्यालय में प्रवेश से वंचित करना एक गंभीर कदम है। दुनिया देख रही है। हम तालिबान को उनके कार्यों से आंकेंगे।

तालिबान ने शुरू में एक अधिक उदार शासन का वादा किया था जो महिलाओं और अल्पसंख्यकों के अधिकारों का सम्मान करेगा। लेकिन पिछले साल अगस्त में सत्ता पर कब्जा करने के बाद से, समूह ने इस्लामी - या शरिया - कानून की अपनी व्याख्या को व्यापक रूप से लागू किया है। अफगानिस्तान में तालिबानी हुकूमत को सत्ता संभालते हुए साल भर से ज्यादा का वक्त गुजर चुका है। वहां के हालात लगातार सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। आए दिन अफगानिस्तान में तालिबानी फरमान जारी होते रहते हैं। इसी कड़ी में नए आदेश के तहत अफगानी लड़कियों के विश्वविद्यालय शिक्षा पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगा दिया गया। हालांकि तालिबान औरतों और लड़कियों की आजादी पर हमेशा से रोक लगाता रहा है। लेकिन अब उसके एक और फैसले ने लड़कियों के सपनों को तोड़ने का काम किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उच्च शिक्षा मंत्री के एक पत्र के अनुसार तालिबान ने अफगानिस्तान में युवतियों और महिलाओं के लिए संचालित विश्वविद्यालयों को बंद करने का ऐलान किया है।

# भारतीय पत्रकार राणा अय्यूब के समर्थन में अमेरिकी सीनेटर...

**पिछले दिनों जारी बयान में डेमोक्रेटिक सीनेटर पैट्रिक लेही ने कहा, ''राणा अय्यूब एक पुरस्कार विजेता भारतीय पत्रकार हैं, जिन्होंने भारत में धार्मिक हिंसा, न्यायेतर हत्याओं और सार्वजनिक हित से जुड़े अन्य मामलों पर बहादुरी के साथ रिपोर्टिंग की है।''**

एक प्रमुख अमेरिकी सीनेटर ने भारतीय पत्रकार राणा अय्यूब के प्रति समर्थन व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि अय्यूब का काम उद्देश्यों पर आधारित है और यह भारत और उन आदर्शों के प्रति उनके प्रेम से प्रेरित है, जिसके लिए उनका देश आवाज उठाता है। बृहस्पतिवार को जारी बयान में डेमोक्रेटिक सीनेटर पैट्रिक लेही ने कहा, "राणा अय्यूब एक पुरस्कार विजेता भारतीय पत्रकार हैं, जिन्होंने भारत में धार्मिक हिंसा, न्यायेतर हत्याओं और सार्वजनिक हित से जुड़े अन्य मामलों पर बहादुरी के साथ रिपोर्टिंग की है।"

उन्होंने कहा, "अय्यूब का काम उद्देश्यों पर आधारित है और यह भारत और उन आदर्शों के प्रति उनके प्यार से प्रेरित है, जिसके लिए उनका देश आवाज उठाता है। बावजूद इसके उन्हें ऑनलाइन उत्पीड़न, ट्रोलिंग, हत्या की धमकी और बेबुनियाद सरकारी प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है।" वरमॉन्ट से सांसद लेही ने कहा, "अय्यूब की आवाज दबाने के सरकारी अधिकारियों के भारी दबाव के बावजूद उनके द्वारा सत्ता का दुरुपयोग करने वाले लोगों का पर्दाफाश करना जारी है।"

'कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स' की रिपोर्ट का हवाला देते हुए लेही ने कहा कि वर्ष 2022 में महज अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए दुनियाभर में कम से कम 38 पत्रकारों की हत्या कर दी गई, 294 को जेल में कैद कर दिया गया और 64 अभी भी लापता हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में पत्रकारों को धमकी, उत्पीड़न और कानूनी कार्यवाही का सामना भी करना पड़ा। लेही ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी लोकतंत्र की आधारशिला है और इसकी अनुपस्थिति में एक लोकतांत्रिक सरकार और एक तानाशाही हुकूमत के बीच के मूलभूत अंतर गायब हो जाते हैं। उन्होंने कहा, "सीनेट में मेरे 48 वर्षों के दौरान मुझे अक्सर याद दिलाया गया है कि प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करना और भ्रष्टाचार, अन्याय, भेदभाव तथा दंड से मुक्ति पर प्रकाश डालने वाले पत्रकारों के काम को बढ़ावा देना हममें से प्रत्येक की जिम्मेदारी है।" लेही ने कहा, "हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और पत्रकारों के अधिकारों के लिए खड़ा होना चाहिए, ताकि दुनिया भर में राणा अय्यूब और उनके बहादुर सहयोगी प्रतिशोध के डर के बिना अपना जरूरी काम कर सकें।" 'कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स' के अनुसार, अय्यूब एक भारतीय खोजी पत्रकार हैं जो 'वाशिंगटन पोस्ट' (अखबार) के लिये स्तंभ लिखती हैं।

इसके अलावा ट्विटर पर उन्हें 15 लाख लोग पढ़ते हैं। इसके साथ ही वह सबस्टेक न्यूजलेटर भी सीधे ग्राहकों को भेजती हैं। अक्टूबर 2022 में प्रवर्तन निदेशालय ने धनशोधन रोधी कानून के तहत उनके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था जिसमें आरोप लगाया गया कि उन्होंने सार्वजनिक रूप से जुटाए गए 2.69 करोड़ रुपये का इस्तेमाल अपने लिए किया और विदेशी योगदान कानून का भी उल्लंघन किया। अय्यूब ने कहा है कि उनके द्वारा कोविड-19 सहायता के लिए जुटाई गई धनराशि का उपयोग लोगों की "सख्त जरूरत" में उनकी मदद करने के एकमात्र उद्देश्य के साथ किया गया था।

# ऑस्कर विजेता फिल्म की अभिनेत्री गिरफ्तार...

सरकारी मीडिया के आधिकारिक टेलीग्राम पर प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, सरकार विरोधी प्रदर्शनों का खुलकर समर्थन करने को लेकर मशहूर हस्तियों की गिरफ्तारी की श्रृंखला में यह नयी घोषणा है, जिसमें फुटबॉल खिलाड़ी, अभिनेता और प्रभावशाली लोग शामिल हैं। ईरान के अधिकारियों ने देश की सबसे प्रसिद्ध अभिनेत्रियों में से एक को देश भर में हो रहे प्रदर्शनों के बारे में झूठ फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी 'इरना' की खबर में कहा गया है कि ऑस्कर विजेता फिल्म 'द सेल्समैन' की अभिनेत्री तारानेह अलीदूस्ती को शनिवार को हिरासत में लिया गया। एक हफ्ते पहले उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया था जिसमें विरोध प्रदर्शनों के दौरान कथित रूप से किए गए अपराधों के लिए हाल में मृत्युदंड पाने वाले पहले व्यक्ति के साथ एकजुटता व्यक्त की गई थी।

सरकारी मीडिया के आधिकारिक टेलीग्राम पर प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, सरकार विरोधी प्रदर्शनों का खुलकर समर्थन करने को लेकर मशहूर हस्तियों की गिरफ्तारी की श्रृंखला में यह नयी घोषणा है, जिसमें फुटबॉल खिलाड़ी, अभिनेता और प्रभावशाली लोग शामिल हैं। सरकारी मीडिया के आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर प्रकाशित खबर के अनुसार, अलीदूस्ती को गिरफ्तार कर लिया गया है क्योंकि उन्होंने ''अपने दावों के अनुरूप कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए।''

उसने कहा कि कई अन्य ईरानी हस्तियों को भी भड़काऊ सामग्री प्रकाशित करने के लिए न्यायपालिका ने समन भेजा था और इनमें से कुछ को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, इसमें कोई और विवरण नहीं दिया गया। अपने पोस्ट में, 38 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा था, ''उसका नाम मोहसिन शेखरी था। हर अंतरराष्ट्रीय संगठन जो इस खूनखराबे को देख रहा है और कार्रवाई नहीं कर रहा है, मानवता के लिए एक अपमान है।''

शेखरी को नौ दिसंबर को ईरान की एक अदालत ने तेहरान में एक सड़क को अवरुद्ध करने और देश के सुरक्षा बलों के एक सदस्य पर हथियार से हमला करने के आरोप में मृत्युदंड सुनाया था। नवंबर में दो अन्य प्रसिद्ध ईरानी अभिनेत्रियों हेंगामेह ग़ाजियानी और कातायुन रियाही को अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर प्रदर्शनकारियों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के कारण गिरफ्तार किया था। ईरानी फ़ुटबॉल खिलाड़ी वोरिया गफौरी को भी पिछले महीने 'राष्ट्रीय फ़ुटबॉल टीम का अपमान करने और सरकार के ख़िलाफ़ प्रचार करने' के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, तीनों को रिहा कर दिया गया है।

# लहार... उप तहसील भवन का उदघाटन

लहार क्षेत्र के कस्बा आलमपुर मे नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह ने आज 85 लाख की लागत से निमित्त उप तहसील भवन का उदघाटन किया ,आमजन को सम्बोधित किया वहीं लहार नगर के वार्ड 15 मे स्थित प्रशिक्षण भवन मे आयोजित समारोह मे अंत्योदय राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण उपरांत नेता प्रतिपक्ष ने प्रमाण व ड्रेस वितरण की इस बीच नगरपालिका सीएमओ महेश पुरोहित ,रविंद्र सिंह भी उपस्थित थे।

# हिमाचल की जीत परिवर्तन की लहर के संकेत है और हमारी बात पर जनता की मोहर...

## मध्यप्रदेश विधान सभा मे प्रतिपक्ष नेता डॉक्टर गोविन्द ने कहा हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका से विशेष चर्चा में कहा

मध्यप्रदेश के विधानसभा प्रतिपक्ष नेता डॉक्टर गोविन्द सिंह ने मनोज चतुर्वेदी से चर्चा करते हुए बताया कि हिमाचल की जीत हमारी नीतियों की जीत है । जनता सब समझ रही है और इसी जनता के मन मे आक्रोस बढ़ा है जो बी जे पी के ख़िलाफ़ सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि यह आक्रोश गर्म लोहे की तरह था और हमने उनकी चिंताओं को समझा जिसने परिणामस्वरूप हिमाचल मैं कांग्रेस को जीत दिलाई है। इस चर्चा मैं मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष वाशुदेव शर्मा, एवं समाज सेवी रमाकांत शर्मा उपस्थित थे।

# ग्वालियर मैं और लगेंगे सीसीटीवी कैमरे साथ ग्वालियर को और मिलेंगी 100

## ग्वालियर रेडियो एस पी विनायक शर्मा ने एक विशेष चर्चा में कही

जहां सी सी टी वी कैमरे क्राइम रोकने और अपराधियों को पकड़ने मैं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है ऐसे मैं ग्वालियर मैं सीसीटीवी कैमरे की संख्याओं मैं और ज्यादा बृद्धि की योजना है साथ ही 100 नंबर वैन मैं भी बृद्धि पर विचार कर रहे है। यह बात ग्वालियर एस पी रेडियो विनायक शर्मा ने मनोज चतुर्वेदी से चर्चा मैं कही, साथ ही उन्होंने स्कूलों मैं भी बच्चों को जागरूक करने और 100 सहायता पुलिस वाहनों के बारे मे जानकारी देने के लिए जागरूकता अभियान चलाने की बात कही । उन्होंने कहा कि लगभग 500 से ज्यादा कैमरे लगे हुए है शहर मे जिसमे से लगभग 450 से 470 तक कैमरे कार्य कर रहे है कुछ और के कार्य करने की क्षमताओं मैं और बृद्धि करने की बात कही है।

ज्ञात हो ग्वालियर मैं हुई 1 करोड़ 20 लाख की लूट के अपराधियों की पहचान कराने मैं मैंन भूमिका यही कैमरो ने निभाई थी। ज्ञात ही रेडियो एस पी विनायक शर्मा ग्वालियर चंबल संभाग के 8 जिलों के रेडियो एस पी की जिम्मेदारी निभा रहे है।

# ग्वालियर शहर के विकास और रुकी हुई योजनाओं पर पूरा ध्यान दिया जाएगा

## विकास प्राधिकरण के तहत कार्यो पर ग्वालियर विकास प्राधिकरण सीईओ प्रदीप शर्मा ने यह बात कही

अपनी कार्य शैली के कारण प्रसिद्ध अधिकारी प्रदीप शर्मा ने ग्वालियर विकास प्राधिकरण ( जीडीए) के सी ई ओ का पद ग्रहण करते ही उन्होंने हमारा देश हमारा अभिमान के संपादक मनोज चतुर्वेदी से चर्चा करते हुए बताया कि यह पद पर जिम्मेदारी बहुत है और उस जिम्मेदारी को पूर्ण रूप से निभाना ही मेरा एक मात्र लक्ष्य है। ग्वालियर के विकास के लिए जी डी ए का महत्वपूर्ण जिमनेदारी है। अभी हमने माधव प्लाजा का निर्माण किया था उसको जल्दी ही अस्तित्व मैं ला दिया जाएगा। ऐसी ही कई योजनाओं पर कार्य चल रहा है कुछ पूर्ण होने पर है उस को भी प्राथमिकता से लिया जाएगा। चूंकि मैंने अभी चार्ज लिया है इसलिए मुझे समझने मैं और समय लगेगा उसी के बाद फिर द्वारा आपको बताऊंगा। ज्ञात हो प्रदीप शर्मा पूर्व मैं डबरा एस डी एम रहे थे उसके बाद एक महीने पहले ही ग्वालियर ट्रांसफर हो गया था और ग्वालियर कलेक्टर के ओ आई सी सहित कई जिम्मेदारी संभाल रहे थे। प्रदीप शर्मा की पहचान चुनावो को अच्छे कार्य शैली के साथ कराने के लिए जानी जाती है ।

# अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने किया पुलिस सहायता केंद्र का शुभारंभ

## डबरा से मनोज चतुर्वेदी से चर्चा की जय राज कुबेर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देहात ग्वालि यर

बीते सप्ताह ठाकुर बाबा रोड पर सेवक राम बजाज के साथ हुई 35 लाख रुपए की लूट के बाद मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा जी के संज्ञान मैं पुलिस चौकी की बात रखने पर, तुरंत निर्देशन पर डबरा को मिली पुलिस सहायता केंद्र की सौगात। ज्ञात हो स्थानीय लोगों की अनुशंसा एवं पूर्व मंत्री इमरती देवीएवं डबरा विधायक सुरेश राजें के आग्रह करने पर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर एवं एडीजी डी निवास वर्मा द्वारा लिए गए निर्णय अनुसार शहर के सिटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ठाकुर बाबा रोड स्थित संत कवर राम चौराहे पर मवालियों और बदमाशों के होश ठिकाने लगाने के लिए खोली गई पुलिस सहायता केंद्र चौकी का शुभारंभ आज शाम 4:30 बजे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जय राज कुबेर एवं पूर्व मंत्री इमरती देवी द्वारा फीता काटकर शुभारंभ किया गया है स्थानीय लोगों ने इस सराहनीय कार्य के लिए पुलिस और पूर्व मंत्री इमरती देवी आभार व्यक्त किया है।

इस अवसर पर शहर थाना क्षेत्र प्रभारी विनायक शुक्ला पार्षद जयेंद्र गुर्जर पार्षद हैप्पी सरदार पार्षद नरेश पलिया पूर्व पार्षद शशि दुबे, कारा कवाडी आदि उपस्थित रहे।

# विधायक निधि से सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन

सेकरा जागीर में आ रही कीचड़ पानी की समस्या को लेकर विधायक डबरा सुरेश राजे जी ने अपनी निधि से 1000000 रुपए का सीसी निर्माण कार्य की भूमि पूजन किया। इसमें उपस्थित सरपंच कुल रतन राजोरिया विधायक प्रतिनिधि लीलाधर जाटव पार्षद हीरा सिंह सरदार, पूरन सिंह, राजेंद्र, रूपा सिंह, पोप सिंह, पोषण सिंह ,राजू खान अमर सिंह, नंद किशोर ग्राम वासी उपस्थित रहे

## जलियांवाला कांड के शहीदों का बदला लेने वाले वीर सरदार

# उधम सिंह सदैव प्रत्येक भारतीय के आत्म सम्मान के प्रतीक रहेंगे- डॉ. प्रकाश मिश्र

**मातृभूमि सेवा मिशन द्वारा शहीद उधम सिंह जयंती के उपलक्ष्य में मातृभूमि शिक्षा मंदिर के विद्यार्थियों के मध्य आयोजित कार्यक्रम संपन्न, मातृभूमि सेवा मिशन द्वारा शहीद उधम सिंह जयंती के उपलक्ष्य में मातृभूमि शिक्षा मंदिर के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीयता से ओत प्रोत प्रेरक प्रसंग सुनाए**

भारत की आजादी के इतिहास में कई ऐसे नायक हुए हैं, जिन्होंने देश की आजादी में अहम योगदान दिया- हर क्रांतिकारी की अपनी अहमियत है लेकिन कुछ क्रांतिकारी ऐसे हैं, जो कई मायनों में बेहद खास हैं। ऐसे ही क्रांतिकारी थे सरदार उधम सिंह। देश पर जब अंग्रेजी साम्राज्य का शासन था, उस वक्त में अंग्रेजों के घर में घुसकर एक अंग्रेज अधिकारी को उसके पापों की सजा देने की घटना ऐसी थी, जिसके बारे में जानकर आज भी लोग रोमांचित हो जाते हैं। यह विचार मातृभूमि सेवा मिशन के सस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने शहीद उधम सिंह जयंती के उपलक्ष्य में मिशन द्वारा मातृभूमि शिक्षा मंदिर के विद्यार्थियों के मध्य आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। कार्यक्रम में मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र एवं मातृभूमि शिक्षा मंदिर के विद्यार्थियों ने संयुक्त रूप से शहीद उधम सिंह को श्रद्धांजलि आर्पित की। कार्यक्रम में मातृभूमि शिक्षा मंदिर के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीयता से ओत प्रोत प्रेरक प्रसंग सुनाए।

डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा कि सरदार उधम सिंह देश के उन महान क्रांतिकारियों में शामिल हैं, जो आज की युवा पीढ़ी को काफी प्रभावित करते हैं। इसकी वजह है उनके क्रांतिकारी विचार, जो अपने अधिकारों के लिए लड़ने और उन्हें बलपूर्वक छीनकर लेने में विश्वास रखते थे। जलियांवाला कांड के शहीदों का बदला लेने वाले वीर सरदार उधम सिंह सदैव प्रत्येक भारतीय के आत्मसम्मान के प्रतीक रहेंगे। 13 मार्च 1940 के दिन ही सरदार उधम सिंह ने जलियांवाला बाग नरसंहार के दोषी अंग्रेज अधिकारी माइकल ओ डायर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। साल 1919 में जब पंजाब के अमृतसर में जलियांवाला बाग में निहत्थे लोगों पर गोलियां चलाई गईं थी, उस वक्त माइकल ओ डायर ही पंजाब का गवर्नर जनरल था और उसी के आदेश पर इस नरसंहार को अंजाम दिया गया था। यही वजह रही कि सरदार उधम सिंह ने माइकल ओ डायर की हत्या कर जलियांवाला बाग नरसंहार का बदला लिया। ऐसे वक्त में जब साल 1919 में जलियांवाला नरसंहार हुआ तो उसने बड़ी संख्या में भारतीयों की सोई हुई चेतना और आत्मसम्मान को जगाने का काम किया। उस वक्त के 20-23 साल के युवा जो शायद उस वक्त प्रेम और जीवन के अन्य क्रियाकलापों में व्यस्त थे अचानक से इस घटना के बाद उनके मन क्रांतिकारी विचारों के लिए उपजाऊ जमीन बनकर सामने आए। उसी दौरान भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसे महान क्रांतिकारियों ने अंग्रेजी हुकूमत को सीधी टक्कर देने का फैसला किया। बाद के सालों में सरदार उधम सिंह ने इस काम को आगे बढ़ाया।

डॉ. मिश्र ने कहा कि उधम सिंह के बारे में जो बात सबसे ज्यादा आकर्षित करती है कि इस इंसान ने अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए इतना लंबा इंतजार किया। इस दौरान कई मौके आए होंगे, जब शायद उनका विश्वास डगमगाया और कमजोर हुआ होगा। उन्हें लगा होगा कि वह भी अन्य लोगों की तरह आराम से विदेश में अपनी जिंदगी जी सकते हैं लेकिन सरदार उधम सिंह ने मुश्किल राह चुनी और आखिरकार इस राह पर चलते हुए अपने प्राणों का बलिदान भी दे दिया लेकिन उनके उस फैसले ने भारतीयों को जो प्रेरणा और आत्मसम्मान दिया, उसका कोई मोल नहीं है। यही वजह है कि देश की आजादी की लड़ाई में सरदार उधम सिंह की एक खास जगह है।

कार्यक्रम में शिक्षक गुरप्रीत सिंह, बाबू राम, हरि व्यास एवं मिशन के सदस्यों सहित अनेक धार्मिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम् से हुआ।

# राजस्थान में देश में गरीबों के लिए सबसे अच्छी योजनाएं हैं- राहुल

## राजस्थान सरकार गरीब परिवारों को 500 में एलपीजी सिलेंडर देगी- गहलोत

यहां एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, "इस यात्रा में राजस्थान के नेता हर दिन 25 किलोमीटर मेरे साथ चले हैं। मैं कह रहा हूं कि 25 मत चलिए 15 किलोमीटर ही चलें। हर महीने एक दिन चुन लीजिए। 'भारत जोड़ो यात्रा' पर निकले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राजस्थान सरकार की चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना सहित अन्य योजनाओं की सोमवार को प्रशंसा करते हुए राज्य सरकार को लोगों की परेशानियां जानने के लिए महीने में एक दिन 15 किलोमीटर की यात्रा करने का सुझाव दिया। गांधी ने कहा कि महीने में एक बार राजस्थान की पूरी की पूरी कैबिनेट राजस्थान की सड़कों पर चले।

यहां एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, "इस यात्रा में राजस्थान के नेता हर दिन 25 किलोमीटर मेरे साथ चले हैं। मैं कह रहा हूं कि 25 मत चलिए 15 किलोमीटर ही चलें। हर महीने एक दिन चुन लीजिए। आपके 30 मंत्री हैं, 33 जिले हैं। एक मंत्री को एक जिला दीजिए 15 किलोमीटर चलाइए जनता के बीच डालिए। कांग्रेस नेता के अनुसार,"अगर पूरी राजस्थान की सरकार महीने में एक बार चल ले तो लोगों की कठिनाई सीधे उन तक पहुंच जाएगी।" गांधी ने मुस्कुराते हुए कहा, "यह मेरा सुझाव है अगर वे करना चाहें। मुझे लगता है कि इससे कांग्रेस पार्टी का, राजस्थान का और हम सब का फायदा होगा। " उन्होंने अशोक गहलोत सरकार की चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना सहित अन्य योजनाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि गरीबों के लिये शायद देश में सबसे बेहतर योजनाएं राजस्थान में हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि राजस्थान सरकार की चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना पूरे देश को रास्ता दिखा सकती है।

उन्होंने कहा,"महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में यात्रा के दौरान लोग उनसे मिलते थे.. कहते थे ... हमको 'किडनी का ट्रांसप्लांट' (गुर्दा प्रत्यारोपण) करवाना है, पैसा नहीं है.. स्टंट लगवाना है, पैसा नहीं है.. मैं पूछता था कितना पैसा लगेगा .. (तो कहते थे) 50 लाख रुपये लगेंगे...। हमारे पास नहीं है। हम किसान हैं कहां से आयेगा.. सब जगह यही होता था .. अजीब सी बात है.. राजस्थान में यह नहीं हो रहा है।" उन्होंने कहा, "कल पहली बार दो लोगों से मिला .. एक बच्चे का 'कोक्लियर इंप्लांट' (सुनाई देने में मददगार) हुआ था और एक व्यक्ति जिसका 'किडनी ट्रांसप्लांट' हुआ था.. मैंने पूछा कितना पैसा लगा.. उन्होंने कहा कि मुफ्त में हुआ ... तो चिरंजीवी योजना ने लाखों लोगों के दिल से डर मिटाया है। तो इसकी प्रशंसा करनी पड़ेगी और यह योजना पूरे देश को रास्ता दिखा सकती है।"

राज्य सरकार द्वारा 1700 अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 10,000 अंग्रेजी अध्यापक नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने मंच पर बैठे मुख्यमंत्री गहलोत की ओर मुखातिब होते हुए कहा, यह भी काम आपने बड़ा अच्छा किया है। साथ ही उन्होंने कहा,"यह कम है। राजस्थान के हर बच्चे को अंग्रेजी में पढ़ने का अवसर मिलना चाहिए।"

गांधी ने कहा, " तीसरा काम जो मुझे बहुत अच्छा लगा आपने महिलाओं को सेनेटरी नैपकिन देने का है। आपने उनको जो पहले कष्ट होता था उसे आपने मिटाया।" उन्होंने कहा, यहां जो पुरुष हैं, उन्हें यह छोटी सी बात लगती है मगर इस बात को महिलाएं समझेंगी कि यह छोटी नहीं बहुत बड़ी बात है। इसके लिए भी मैं आपको धन्यवाद करता हूं। कांग्रेस नेता ने कहा कि शहरी मनरेगा योजना से भी राजस्थान के युवाओं को जबरदस्त फायदा होता है। उन्होंने पुरानी पेंशन योजना (ओपीसी) बहाल करने के गहलोत सरकार के फैसले को भी सराहा। उन्होंने गहलोत से कहा, आपने विकास का काम बहुत अच्छा किया है। मंच पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित पार्टी के तमाम बड़े नेता मौजूद थे।

गहलोत ने कहा कि सरकार इस बारे में लाभान्वितों की श्रेणी का अध्ययन करवाकर इसे नए वित्तवर्ष यानी एक अप्रैल से लागू करेगी। गहलोत ने ये घोषणा यहां भारत जोड़ो यात्रा के तहत एक जनसभा को संबोधित करते हुए की। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार महंगाई की मार झेल रहे गरीब परिवारों को रसोई गैस का सिलेंडर 500 रुपये में उपलब्ध करवाएगी। गहलोत ने कहा कि सरकार इस बारे में लाभान्वितों की श्रेणी का अध्ययन करवाकर इसे नए वित्तवर्ष यानी एक अप्रैल से लागू करेगी। गहलोत ने ये घोषणा यहां भारत जोड़ो यात्रा के तहत एक जनसभा को संबोधित करते हुए की। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग व केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसे सभी संगठन आजकल खुद डर रहे हैं कि ''पता नहीं ऊपर से क्या आदेश आ जाए।'' गहलोत ने कहा, ''मैं इस मौके पर यह घोषणा करूंगा कि ऐसे लोग जो गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) से हैं, गरीब हैं, उज्जवला योजना से जुड़े हैं ... उस श्रेणी का अध्ययन करवाएंगे उसके बाद, एक अप्रैल के बाद साल में 12 सिलेंडर .. 1040 रुपये वाला सिलेंडर 500 रुपये में देंगे। ये मैं आपसे वादा करना चाहता हूं।''

उन्होंने कहा, ''महंगाई के वक्त में राहुल गांधी जी ने हमें कहा है कि आप क्या कमी कर सकते हैं, हमें कई सुझाव मिले हैं लोगों से, जिनका अध्ययन कर रहे हैं। मैं अगले महीने बजट पेश करूंगा, इसलिए इस मौके पर मैं एक ही बात कहना चाहूंगा बाकी घोषणाएं मैं बजट में करूंगा।'' गहलोत ने आरोप लगाया कि उज्जवला योजना के नाम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों के साथ नाटक किया।

# मॉडल्स से पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास की योजनाओं की मिल रही जानकारी...

**महात्मा गांधी नरेगा में प्रदेश के कई कीर्तिमान -राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में स्टॉल संख्या 5 पर मॉडल के जरिए प्रस्तुत है खेल मैदान, आंगनवाड़ी केंद्र, चारागाह विकास सहित ग्रामीण विकास की झांकी**

महात्मा गांधी नरेगा योजना किस तरह गांव में रोजगार उपलब्ध करवाकर ग्रामीण जन का आर्थिक सम्बलन कर रही है और स्थायी परिसम्मतियों के निर्माण से गांव में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है, इसे दर्शाते हुए एक मॉडल जयपुर के जवाहरकला केन्द्र में जारी राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में पहुंचने वाले लोग और विशेषकर विद्यार्थी इसे देखकर ग्रामीण विकास के विभिन्न पक्षों की जानकारी ले रहे हैं। राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 दिसम्बर से प्रारम्भ हुई इस राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में स्टॉल संख्या 5 में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज की अन्य योजनाओं और विकास कार्यों के साथ मनरेगा के सम्बन्ध में फिल्म, मॉडल और स्टेण्डीज के माध्यम से जानकारी प्रदान की जा रही है।

विभाग द्वारा तैयार मॉडल में ग्राम पंचायत में नरेगा योजनांतर्गत होने वाले विकास कार्यों को दर्शाया गया है। इसमें बताया गया है कि योजना के तहत नवीन ग्राम पंचायत, खेल मैदान, आंगनवाड़ी केंद्र, श्मशान घाट, चारागाह विकास, ग्रेवल सड़क, सीसी सड़क, पुलिया निर्माण, खाद्य गोदाम, मॉडल तालाब आदि कई प्रकार के ग्राम की मूलभूत आवश्यकता से सम्बन्धित विकास कार्यों को पूर्ण कर ग्राम विकास की नई दिशा तय की जा रही है। प्रदेश में मनरेगा में पिछले 4 वर्ष में 13 लाख 58 हजार कार्य पूर्ण किए गए हैं, जिनपर 31 हजार करोड़ से अधिक रुपए की राशि खर्च हुई है।

राजस्थान में मनरेगा पिछले तीन वित्तीय वर्ष से लगातार मानव दिवस सृजन एवं 100 कार्य दिवस पूर्ण करने वाले परिवारों के मामले में देशभर में अव्वल है। पंजशाला के नवाचारों के रूप में 52 हजार 534 से अधिक पशु शाला, 13 हजार 600 से अधिक पोषणशाला, 1570 से अधिक पौधशाला, 350 से अधिक कार्यशाला एवं 35 निर्माणशाला का निर्माण नरेगा के अन्तर्गत प्रदेश में किया गया है। प्रदर्शनी में अमृत सरोवर, खेल मैदान विकास, नर्सरी निर्माण, मॉडल तालाब एवं सम्पर्क सड़क के कार्यों का चित्रात्मक प्रदर्शन किया गया है। साथ ही जलग्रहण क्षेत्र विकास मॉडल, पंचायती राज के कार्य और राजीविका के महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों एवं उपलब्धियों का भी प्रदर्शन इस स्टॉल पर किया जा रहा है।

# राज्य स्तरीय प्रदर्शनी महिला एवं बाल विकास विभाग की स्टॉल पर दी जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी

राज्य सरकार के कार्यकाल के चार साल सफलतापूर्वक पूर्ण होने के अवसर पर जयपुर के जवाहर कला केंद्र में 17 दिसंबर से आयोजित राज्यस्तरीय प्रदर्शनी में महिला एवं बाल विकास विभाग की स्टॉल पर बड़ी संख्या आमजनों ने आई एम शक्ति उड़ान योजना, इंदिरा गांधी मातृत्व पोषण योजना सहित विभिन्न योजनाओं और नवाचारों की जानकारी में रुचि ली।

महिला एवं बाल विकास विभाग की स्टॉल पर उड़ान योजना के तहत किशोरियों एवं महिलाओं को प्रतिमाह निःशुल्क वितरित किए जा रहे 12 सैनिटरी नैपकिन के बारे जानकारी दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि बजट घोषणा 2020-21 की पालना में शुरू की गई इंदिरा गांधी मातृत्व पोषण योजना राज्य के टीएसपी क्षेत्र के पांच जिलों में सफलता प्राप्त करने के बाद मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा वर्ष 2022-23 में इस योजना का विस्तार करते हुए इसे राज्य के सभी जिलों में लागू करने की बजट घोषणा की गई। अब 1 अप्रैल 2022 से यह योजना संपूर्ण प्रदेश में

लागू है। इसका फायदा ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए इससे जुड़ी तमाम जानकारियां विभाग की स्टॉल पर दी जा रही है। इसके साथ ही समेकित बाल विकास सेवाएं निदेशालय की ओर से पोषाहार कार्यक्रम के तहत बच्चों को दिए जाने वाले पोषाहार और बच्चों के ईसीसीई शिक्षा कार्यक्रम की जानकारी भी स्टॉल पर दी जा रही है।

गृहमंत्री डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा जी के बड़े भाई डॉक्टर श्रीमन नारायण मिश्रा (बरिष्ठ संरक्षक हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका) ने दतिया जिले के गांब बसई सहित चार गाँवो के सीसी निर्माण सड़को और विकास कार्यों का किया निरीक्षण। वहीं ग्रामीणों की समस्योंओ को भी सुना।

**टीएल बैठक सम्पन्न :** सभी शासकीय अस्पतालों में डॉक्टर्स की उपस्थिति निर्धारित समय पर सुनिश्चित करने तथा अस्पताल की व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरूस्त बनाने के संबंध में कलेक्टर ने दिये दिशा-निर्देश

# लापरवाही और उदासीनता पाये जाने पर होगी सख्त कार्यवाही

कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी की अध्यक्षता में आज यहां समय-सीमा के पत्रों (टीएल) के निराकरण की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों के निराकरण की विभागवार समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनों का प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में निराकरण किया जाए। बैठक में उन्होंने जिले की सभी शासकीय अस्पतालों में डॉक्टर्स की उपस्थिति निर्धारित समय पर सुनिश्चित करने तथा अस्पताल की व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरूस्त बनाने के संबंध में विशेष दिशा-निर्देश दिये। बैठक में उन्होंने कहा कि शासकीय अस्पतालों की व्यवस्थाओं को चुस्त दुरूस्त बनाया जाये। साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाये। मरीजों तथा उनके परिजनों के लिये स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की सभी अस्पतालों में रखी जाये। उन्होंने विगत दिवस जिला चिकित्सालय के भ्रमण का उल्लेख करते हुए बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे डॉक्टरों की उपस्थिति निर्धारित समय पर सुनिश्चित की जाये। साथ ही यह तय किया जाये कि उपस्थिति पत्रक और कार्य उपयोगिता के आधार पर ही चिकित्सकों का वेतन आहरित हो। जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों को अथवा अन्य अस्पतालों के चिकित्सकों को चिकित्सकीय कार्य के अलावा अन्य और कोई भी कार्य नहीं सौंपा जाये। मरीजों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होना चाहिये। अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिले, इस दिशा में सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रसुता महिलाओं सहित अन्य मरीजों को शासकीय योजनाओं का लाभ हर हाल में तुरंत ही मिलना चाहिये। योजना का लाभ मिलने में देरी नहीं हो, इसके लिये रिकार्ड और दस्तावेजों के संधारण का काम समय पर हो। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन अपने अधिनस्थ अस्पतालों का नियमित रूप से निरीक्षण करें और व्यवस्थाओं को बेहतर से बेहतर बनायें। लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने बैठक में बगैर अनुमति के अनुपस्थित रहने पर गौतमपुरा के मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के निराकरण में उचित कार्यवाही नहीं करने पर जिला शिक्षा अधिकारी को शोकाज नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

बैठक में बताया गया कि अगामी 14 दिसंबर को खरगोन में मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के अंतर्गत संभागीय स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में इस कार्यक्रम में इंदौर जिले के दो हजार हितग्राहियों को हितलाभ के प्रमाण पत्र वितरित किये जाएंगे। इसी तरह इंदौर जिले में इसे मिलाकर लगभग ढाई लाख हितग्राहियों को हितलाभ के प्रमाण पत्र वितरित होंगे। इसके लिये इंदौर जिले में भी पंचायत तथा वार्डवार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

## मैं कलेक्टर इन्दौर बोल रहा हूं

**बैठक में सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान शिक्षा विभाग संबंधी एक शिकायत के निराकरण के संबंध में कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने स्वयं आवेदक श्री जसवंत से चर्चा कर जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने फोन करके कहा कि मैं कलेक्टर इंदौर बोल रहा हूं। उन्होंने आवेदक से स्कूल में शिक्षक के अभाव में पढ़ाई नहीं होने के संबंध में दर्ज शिकायत के संबंध में पूछा। कलेक्टर ने पूरी समस्या तस्दीक की और पूरी जानकारी हितग्राही से प्राप्त की। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिये कि जिले के महू विकासखण्ड के ग्राम सिलोटिया के उक्त स्कूल में अतिथि शिक्षक लगाकर पढ़ाई की समस्या को अतिशीघ्र दूर किया जाये।**

### शिकायत का संतुष्टिपूर्वक निराकरण

जिला शिक्षा अधिकारी श्री मंगलेश व्यास ने बताया कि शिकायतकर्ता जसवंत की शिकायत का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कर दिया गया है। स्कूल में अध्यापन कार्य व्यवस्थित करने के लिये अतिथि शिक्षक की व्यवस्था कर दी गई है, जो गणित विषय पढ़ा रहे हैं। बताया गया कि शासकीय माध्यमिक विद्यालय सिलोटिया में कक्षा 1 से 8 तक में कुल 87 बच्चे दर्ज हैं। इसमें कक्षा 1 से 5 तक 48 तथा कक्षा 6 से 8 में 39 बच्चे दर्ज हैं। स्कूल में कुल 4 शिक्षक हैं। एक अतिथि शिक्षक की व्यवस्था भी की गई है। निर्धारित मापदण्ड के अनुसार पर्याप्त संख्या में शिक्षक हैं। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अभय बेड़ेकर, श्री अजयदेव शर्मा, श्री राजेश राठौर, श्री आर.एस. मण्डलोई तथा सुश्री सपना लोवंशी, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती वंदना शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

# भारत के लिए समस्या बना वक्फ बोर्ड...

देश जब आजाद हुआ वह समय वक्फ बोर्ड की 1130 प्रॉपर्टी थी। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया यह प्रॉपर्टी बढ़ती गई। मस्जिदें बढ़ती गई मजारे बढ़ती गई ईदगाह बढ़ते गए और कब्रिस्तान बढ़ते गए यह सभी प्रॉपर्टी वक्फ बोर्ड के अंतर्गत आती है इसके अलावा जो लोग भारत छोड़कर पाकिस्तान गए उनकी प्रॉपर्टी अगर उनके परिवार के कोई सदस्य लेना चाहे जो भारत में रहते हो तो उनको ट्रांसफर कर दी गई यानी भारत दो देश बन गया एक भारत और दूसरा पाकिस्तान। पाकिस्तान में जो लोग रहे वह सब मुसलमान रहे उनके पास प्रॉपर्टी थी उन्होंने पाकिस्तान छोड़कर भारत आए हिंदुओं की जमीन अभी अपने पास ले ली किंतु भारत के जो मुसलमान भारत छोड़कर पाकिस्तान में गए उनकी प्रॉपर्टी भारत के हिंदुओं को नहीं मिलीऔर भारत की आधी से ज्यादा प्रॉपर्टी मुसलमानों के पास चली गई क्योंकि उनके परिवार के लोग भारत छोड़कर पाकिस्तान में जाकर बस गए।

राजनीतिक तौर पर इस विषय का मूल्यांकन किया जाए तो इसमें सबसे बड़ा हाथ जवाहरलाल नेहरू का था। जवाहरलाल नेहरू नहीं चाहते थे कि भारत में हिंदुओं का कब्जा मुसलमानों की प्रॉपर्टी पर हो। इसलिए उन्होंने ऐसा रास्ता चुना जिससे हिंदुस्तान और पाकिस्तान दोनों में मुसलमानों के पास प्रॉपर्टी ज्यादा से ज्यादा हो सके इसके बाद इंदिरा गांधी ने भी इसी रास्ते का अनुसरण किया और बांग्लादेश बनने के उपरांत वहां से आए लोगों को भारत में जगह तो दी लेकिन बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं को जगह नहीं मिल पाई बाद में वह मुसलमान बनने को मजबूर हुए मालदा एक ऐसी जगह है जहां आज भी बंगाली मुसलमान बनने को मजबूर है इसका कारण यह है कि मालदा और

**विशेष चर्चा : संजय विनायक जोशी, पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री, भारतीय जनता पार्टी के साथ**

मुर्शिदाबाद दोनों बंगाल के जिले बांग्लादेश के बॉर्डर पर पड़ते हैं और बांग्लादेशी बड़े आसानी से घुसपैठ कर भारत में आ जाते हैं और अपना परिवार बना लेते हैं।

अब बात करते हैं वक्फ बोर्ड की तो वह फोर्ड की प्रॉपर्टी जिस तरह से दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की कर रही है वह काबिले गौर है कहीं पर भी मजार बन जाती है कहीं पर भी 4 लोग खड़े होकर की ईदगाह बना लेते हैं और जहां उनके शव दफनाए जाते हैं वह कब्रिस्तान कहलाता है थोड़े दायरे में होने वाला यह कार्य धीरे धीरे बढ़ता जाता है और अपने आसपास की जमीन समेट लेता है उसके बाद वह उस पर अपना दावा ठोक देता है भारतीय संविधान में ऐसा कहीं नहीं है कि वक्फ बोर्ड के इस दावे को ठुकराया जा सके इसलिए वक्फ की प्रॉपर्टी बढ़ती चली जा रही जिस पर अब रोकना खतरे की घंटी माना जा रहा है।

भारतवर्ष में वक्फ बोर्ड की प्रॉपर्टी दिन दूना रात चौगुना तरक्की कर रही है पिछले 13 वर्षों में यह प्रॉपर्टी दोगुना हो गई है कैसे हुई इस बात पर कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं है अमूमन इन प्रॉपर्टी में मस्जिद, मजार, कब्रिस्तान व मदरसे आदि आते हैं लेकिन भारत में इतनी भारी संख्या में इनकी बढ़ोतरी हुई है जिसके कारण अब सोचने को मजबूर होना पड़ा कि आखिर यह हो क्या रहा है।इस समय सेना और रेलवे के बाद जिसके पास सबसे ज्यादा संपत्ति है वह वक्फ बोर्ड है मौजूदा समय में वक्फ बोर्ड के पास 8 लाख 54 हजार 509 संपत्तियां हैं जो 8 लाख एकड़ में फैली हुई है।

फिलहाल भारत सरकार को सचेत हो जाना चाहिए और इस मामले में ठोस और आवश्यक कदम उठाए जाने की जरूरत है क्योंकि आए दिन जिस तरह से जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं और बस प्रॉपर्टी का विस्तार किया जा रहा है उससे यह प्रतीत होता है कि आने वाले समय में भारत की दो तिहाई जमीन सिर्फ वक्फ बोर्ड की होगी और अगर ऐसा हुआ तो यह एक बड़े खतरे की घंटी होगी इसलिए अब समय आ गया है कि वह बोर्ड को भंग किया जाए और उसकी सारी प्रॉपर्टी जप्त की जाए जिस तरह से हिंदुओं के मंदिर सरकार के अधीन है उसी तरह वह प्रॉपर्टी भी सरकार के अधीन होनी चाहिए।

# स्वामी श्रद्धानंद मातृभाषा हिन्दी को शिक्षा का माध्यम बनाने वाले प्रथम व्यक्ति थे - डॉ. मिश्र

**मातृभूमि सेवा मिशन द्वारा स्वामी श्रद्धानंद जी के 96वें बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में मातृभूमि शिक्षा मंदिर के विद्यार्थियों ने स्वामी श्रद्धानंद की शिक्षाओं को आत्मसात करने का संकल्प लिया**

## मातृभूमि सेवा मिशन द्वारा आयोजित स्वामी श्रद्धानंद जी के 96वें बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में वैदिक यज्ञ कार्यक्रम संपन्न...

स्वामी श्रद्धानंद आर्यसमाज के महान संन्यासी थे जिन्होंने स्वामी दयानन्द सरस्वती की शिक्षाओं का प्रसार किया। वे भारत के उन महान राष्ट्रभक्त सन्यासियों में अग्रणी थे, जिन्होंने अपना जीवन स्वाधीनता, स्वराज्य, शिक्षा तथा वैदिक धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार सहित अनेक शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना की और हिन्दू समाज व भारत को संगठित करने तथा 1920 के दशक में शुद्धि आन्दोलन चलाने में महती भूमिका अदा की। यह विचार मातृभूमि सेवा मिशन के सस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने स्वामी श्रद्धानंद जी के 96वें बलिदान दिवस के अवसर पर मिशन द्वारा आयोजित वैदिक यज्ञ, युवा संवाद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में व्यक्त किए। कार्यक्रम में मातृभूमि शिक्षा मंदिर के विद्यार्थियों ने वैदिक यज्ञ में मंत्रोंच्चारण कर विश्व मंगल की कामना करते हुए स्वामी श्रद्धानंद को श्रद्धांजलि आर्पित की। कार्यक्रम में मातृभूमि शिक्षा मंदिर के विद्यार्थियों ने स्वामी श्रद्धानंद की शिक्षाओं को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद ने सामाजिक समरसता सौहार्द एकता समान शिक्षा व शोषण विहीन समाज की संरचना कर स्वस्थ एवं उद्दात जीवन का दर्शन प्रतिपादित किया। स्वामी श्रद्धानंद ने स्वामी दयानंद से प्रेरणा प्राप्त कर राष्ट्र एवं वैदिक धर्म में चेतना व जागरूकता लाने का कार्य किया था। उन्होंने शुद्धि आंदोलन चलाए और भारत में सामाजिक शिक्षा व धर्म के क्षेत्रों में योगदान दिया। डॉ. भीमराव आम्बेडकर ने सन 1922 में कहा था कि श्रद्धानंद अछूतों के महानतम और सबसे सच्चे हितैषी हैं। मुंशी राम से महात्मा मुंशीराम और महात्मा मुंशीराम से स्वामी श्रद्धानंद तक का उनका सफर बहुत ही प्रेरणादायक है।

डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद मातृभाषा हिन्दी को शिक्षा का माध्यम बनाने वाले प्रथम व्यक्ति थे। उन्होंने बड़े बड़े शिक्षा शास्त्रीयों के दिल से निकाल दिया की हिन्दी के माधयम से विज्ञान की उच्च शिक्षा नहीं हो सकती। स्वामी श्रद्धानंद के मार्गदर्शन में गुरुकुल के अनेक स्नातकों द्वारा विज्ञान, दर्शन तथा इतिहास विषयों के मौलिक ग्रंथों की रचना की गई तथा परिभाषिक शब्दों को निर्माण किया गया। स्वामी श्रद्धानंद शिक्षा को केवल पुरुषों तक ही सीमित करने के पक्षपाती नहीं थे, वह चाहते थे कि भारतीय जनसंख्या का अर्धअंग भी विकसित हो जाए इसलिए उन्होंने आर्य कन्या पाठशालाओं की स्थापना हेतु भीपूरा पूरा ध्यान दिया जिसके कारण गुरुकुलों और महाविद्यालयों का जाल पूरे देश में फैल गया और उनके ही प्रयास हिन्दी को राष्ट्र भाषा का महत्वपूर्ण पद मिला।

आभार ज्ञापन कार्यक्रम के संयोजक एवं रामपाल आय ने किया। कार्यक्रम में शिक्षक बाबू राम, हरि व्यास, गुरप्रीत सिंह एवं मिशन के सदस्यों सहित अनेक धार्मिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन शांतिपाठ से हुआ।

## नगर पालिका की सहायक संस्था श्रीमती भगवती महिला एवं बाल विकास शिक्षा प्रसार समिति लहार द्वारा

# नुक्कड़ नाटक का आयोजन सम्पन्न

नगर पालिका परिषद लहार में स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के अंतर्गत नगर पालिका अध्यक्ष महोदया श्रीमती मिथलेश नौरोजी, नगर पालिका उपाध्यक्ष महोदय श्री नरेश सिंह चौहान जी के आदेशानुसार एव मुख्य नगर पालिका अधिकारी महोदय श्री महैश पुरोहित जी के मार्गदर्शन मे शहर के विभिन्न स्थानों एवम् स्कूलों लोहिया चौक,बस स्टैंड, पचपेड़ा तिराहा, वार्ड 15 पृथ्वीपुरा रोड, वार्ड 14 जनकपुरा, मनीष विद्यापीठ स्कूल, मॉ मंगला देवी स्कूल, ग्रीन वर्ल्ड स्कूल, इत्यादि स्थानों पर नगर पालिका की सहायक संस्था श्रीमती भगवती महिला एवं बाल विकास शिक्षा प्रसार समिति लहार द्वारा नुक्कड़ नाटक कराए गए नुक्कड़ नाटक के अंतर्गत आम नागरिकों को स्वच्छता के विभिन्न हिस्सों से अवगत कराया साथ बताया कि गीला-सुखा कचरा अलग करके देना अत्यंत आवश्यक है जिससे की कचरे को आसानी से प्रसंस्कृत किया जा सके, साथ ही सेप्टिक टैंक की सफाई हर तीन साल में कराना क्यों आवश्यक है और भूमिगत जल पर इसका क्या प्रभाव होगा इसके अतिरिक्त नगरवासियों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यह भी संदेश दिया की नगर पालिका क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक पूर्णता प्रतिबंधित है और इसके उपयोग से होने वाले घातक परिणामों से अवगत कराया और इसका उपयोग करते पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति पर अर्थदंड आरोपित किया जाएगा इस कार्यक्रम मे संस्था के सचिव श्री रिंकू सिंह, सदस्य श्री नरेंद्र कुशवाहा, श्री जॉनसन, श्री सिराज खान, श्री नन्दू एवं निकाय के कर्मचारी श्री राहुल जरतौलिया, श्री भूपेन्द्र कुमार सम्मिलित रहे

# अद्भुत थे अटल जी और अद्भुत है ग्वालियर- मुख्यमंत्री श्री चौहान

**अद्भुत, अकल्पनीय एवं अविश्वसनीय नजारों के बीच अटल जी के जन्मदिवस पर भव्यता के साथ मना ग्वालियर गौरव दिवस**

**भव्यता के साथ बनेगा अटल समारक, जमीन आवंटित, ग्वालियर को दिव्य, भव्य, समृद्ध एवं आधुनिक शहर बनाने का रोड़मैप तैयार**

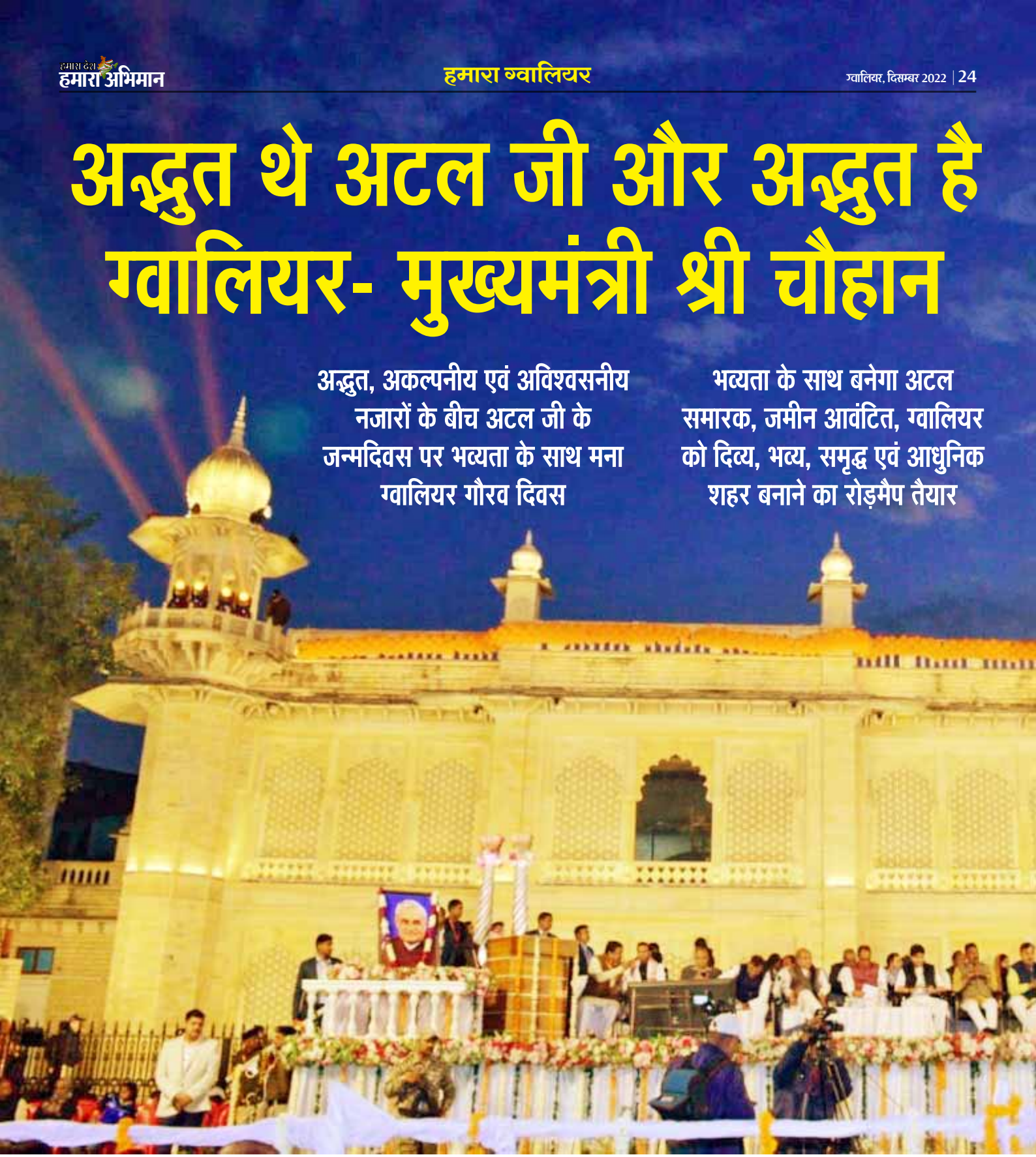

शहर के हृदय स्थल महाराज बाड़ा पर सतरंगी रोशनी में नहाईं सात देशों के वास्तुशिल्प से निर्मित ऐतिहासिक इमारतों के साए में अद्भुत, अकल्पनीय एवं अविश्वसनीय नजारों के बीच ग्वालियर के लाड़ले सपूत भारत रत्न एवं पूर्व पंधानमंत्री श्रद्धेय अटल जी के जन्मदिवस पर आनंद, उल्लास एवं भव्यता के साथ "ग्वालियर गौरव दिवस" मनाया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देशभक्ति के प्रतीक एवं अपने आप में तमाम खूबियों को समेटे अटल जी अद्भुत थे। उसी तरह संगीत एवं कला की नगरी ग्वालियर भी अद्भुत है। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर ग्वालियर को दिव्य, भव्य, समृद्ध एवं आधुनिक शहर बनायेंगे। ग्वालियर के विकास का रोडमैप तैयार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यह भी कहा कि श्रद्धेय अटलजी की स्मृति में ग्वालियर में भव्य स्मारक बनाया जायेगा। स्मारक के लिये सरकार ने जमीन आवंटित कर दी है।

अटल जी के जन्मदिवस 25 दिसम्बर की सांध्यबेला में महाराज बाड़े पर आयोजित हुए ग्वालियर गौरव दिवस के आयोजन में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर व केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी इस आयोजन के साक्षी बने। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान सहित अन्य अतिथियों ने ग्वालियर का नाम रोशन करने वाली पाँच विभूतियों को ग्वालियर गौरव सम्मान से विभूषित किया । इनमें संगीत के क्षेत्र में विश्व प्रसिद्ध सरोद वादक उस्ताद अमजद अली खान, विज्ञान के क्षेत्र में पृथ्वी मिसाइल के जनक एवं सुप्रसिद्ध रक्षा वैज्ञानिक डॉ. व्ही के साराश्वत, चिकित्सा के क्षेत्र में देश के जाने-माने हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जमाल यूसुफ, खेल के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय महिला हॉकी खिलाड़ी सुश्री इशिका चौधरी एवं ग्वालियर-चंबल अंचल में शिक्षा का उजियारा फैला रहे शिक्षाविद् श्री ओ पी दीक्षित शामिल हैं। इस अवसर पर वीर रस के सुविख्यात कवि डॉ. हरिओम पवार को अटल सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम मे उस्ताद अमजद अली खान एवं उनके सुपुत्र जनाब अमान अली बंगस व अयान अली बंगस का सरोद वादन एवं भजन साम्राज्ञी सुश्री अनुराधा पोडवाल व सारेगामा फेम कलाकारों की प्रस्तुतियाँ हुईं और अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन भी हुआ। आरंभ में मुख्यमंत्री श्री चौहान सहित अन्य सभी अतिथियों ने भारत रत्न श्रद्धेय अटल जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मध्यप्रदेश गान एवं ग्वालियर गौरव गान की प्रस्तुति भी इस अवसर पर हुई।

## अटलजी के नाम पर गौरव दिवस मनाने के लिए जताया आभार

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अटल जी कहा करते थे देश हमारे लिये जमीन का टुकड़ा नहीं, जीता-जागता इंसान है। अटलजी अजात शत्रु थे। उन्होंने भारत को परमाणु महाशक्ति बनाया और दुनिया का दंभ तोड़ दिया। अटल जी अद्वितीय नेता थे। ऐसे महान सपूत के नाम पर ग्वालियर गौरव दिवस मनाए जाने पर मैं ग्वालियर की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्वालियर की खूबियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐतिहासिक ग्वालियर नगरी, ऋषि गालव, संगीत सम्राट तानसेन, संत गंगादास व ढोलीबुआ महाराज, कला पोषक राजा मानसिंह तोमर, अटलजी और विकास के पुरोधा माधव महाराज की धरा है। यहाँ का किला व दाताबंदी छोड़ गुरूद्वारा सहित तमाम ऐतिहासिक धरोहरें विश्व प्रसिद्ध हैं। ग्वालियर के व्यंजन भी सारे देश में जाने जाते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यह भी कहा कि अटल जी ने साहसपूर्वक संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी में भाषण देकर हिंदी भाषा का मान बढ़ाया था। मध्यप्रदेश सरकार ने भी हिंदी में मेडीकल व इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू की है।

## अटलजी ने जो विकास यात्रा शुरू की उसे प्रधानमंत्री पूरा कर रहे हैं

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री रहते हुए भारत रत्न श्रद्धेय अटलजी ने जो विकास यात्रा शुरू की थी, वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी उसे पूरा कर रहे हैं। अटलजी द्वारा बनाए गए रोडमैप पर चलकर प्रदेश सरकार भी विकास कार्यों को अंजाम दे रही है।

**पूरी भव्यता के साथ बनेगा अटल स्मारक** : मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ग्वालियर में दिव्य व भव्य अटल स्मारक के निर्माण के लिये सरकार ने जमीन आवंटित कर दी है। जल्द ही इसका निर्माण शुरू होगा। अटल स्मारक में अटल जी के जीवन व कार्यों को प्रदर्शित किया जायेगा। साथ ही ई-लाइब्रेरी, अटल जी की कविताएँ व उनके संसदीय जीवन के प्रदर्शन के साथ-साथ सम्पूर्ण परिसर को इस प्रकार से विकसित किया जायेगा जिससे यह स्मारक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित हो।

# अटल जी ने सुशासन व सुचिता के साथ विकास को अंजाम दिया - श्री तोमर

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने इस अवसर पर कहा कि ग्वालियर के लाड़ले सपूत अटल जी त्याग व तपस्या की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने जीवन का एक – एक पल और शरीर के एक – एक कण को देश के लिए समर्पित किया। साथ ही सुशासन व सुचिता के साथ विकास पथ पर आगे बढ़े। श्री तोमर ने कहा अटल जी ने गाँव, गरीब व किसानों की चिंता कर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत गाँवों को पक्की सड़कों से जोड़ा। साथ ही फसल बीमा योजना शुरू की। अटल जी ने भारत माता का भाल ऊँचा करने के लिये पोखरण में परमाणु विस्फोट किया। अटल जी ने संसद और संसद के बाहर जो भी कहा वह देश के लिये अनुकरणीय बन गया। उनके द्वारा बताए गए रास्ते आज भी हम सबके लिये मार्गदर्शक का काम करते हैं। अटल जी ऐसे सपूत थे, जिन्होंने पूरे देश की जनता के हृदय पर राज किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी अटल जी के चिंतन को आगे बढ़ा रहे हैं।

## विकास हम करेंगे आप सब स्वच्छता में ग्वालियर को अव्वल बनाएं

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इस अवसर पर बड़ी संख्या में मौजूद शहरवासियों का आह्वान किया कि ग्वालियर को हम इंदौर व भोपाल से भी अच्छा शहर बनायेंगे। विकास कार्यों को सरकार अंजाम देगी। आप सब ग्वालियर को स्वच्छता में नंबर वन शहर बनाएँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इसका संकल्प भी इस अवसर पर दिलाया।

## अटल जी पहले भी अटल थे और आज भी हमारे दिलों में अटल हैं- केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि ऐसे बहुत कम लोग होते हैं जो अपने व्यक्तित्व व कृतित्व से हरेक के दिल में अमिट छाप छोड़ पाते हैं। अटल जी ऐसी ही विलक्षण विभूति थे जो सभी के दिल में बस गए। अटल जी पहले भी अटल थे और आज भी हम सबके दिलों में अटल हैं। अटल जी ने राजनीति की नई परिभाषा स्थापित की और साबित किया कि राजनीति जनसेवा का माध्यम है। उनकी स्मृति में पूरे देश में सुशासन दिवस मनाया जाता है। श्री सिंधिया ने इस अवसर पर आह्वान किया कि हम सभी अटल जी के बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लेकर ग्वालियर व मध्यप्रदेश के विकास में अपना योगदान दें।

## मुख्यमंत्री ने मँगाए अटल जी के रूचि वाले व्यंजन

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्वालियर गौरव दिवस पर दिए गए अपने उदबोधन में अटल जी की रूचि वाले व्यंजनों का उल्लेख किया। साथ ही उदबोधन के बाद उन व्यंजनों का अन्य अतिथियों के साथ स्वाद लिया, जिन्हें अटल जी बड़े चाव के साथ खाया करते थे। इनमें दौलतगंज की चाची के मंगोड़े, बहादुरा के लड्डू व एसएस कचौड़ी वाले की कचौड़ी सहित अन्य व्यंजन शामिल हैं।

## ग्वालियर के गौरवशाली अतीत पर आधारित पुस्तिका का विमोचन और डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सहित अन्य अतिथियों ने ग्वालियर गौरव दिवस कार्यक्रम में ग्वालियर के गौरवशाली अतीत पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया। इस अवसर पर गौरव के वैभवशाली इतिहास एवं भावी विकास के आयामों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री भी बड़ी स्क्रीन पर दिखाई गई।

## उस्ताद अमजद अली खान का सरोद वादन और अनुराधा पोडवाल के गीतों का लिया आनंद

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सहित अन्य अतिथियों ने ग्वालियर गौरव दिवस के मौके पर उस्ताद अमजद अली खान के सरोद वादन एवं पार्श्व गायिका व भजन साम्राज्ञी सुश्री अनुराधा पोडवाल द्वारा प्रस्तुत गीतों का भी आनंद लिया। उस्ताद अमजद अली खान ने महात्मा गाँधी के प्रसिद्ध भजन "वैष्णव जन सब तेरे कहिए" और

"रघुपति राघव राजा राम" की मधुर धुन निकालकर सभी को आनंदित कर दिया। इसी तरह सुश्री अनुराधा पोडवाल ने "मन मेरा मंदिर शिव ही पूजा" सहित अन्य भजन व गीत प्रस्तुत कर समा बांध दिया।

## समारोह में यह भी थे मंचासीन

जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह, खजुराहो सांसद एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री वी डी शर्मा, सांसद ग्वालियर श्री विवेक नारायण शेजवलकर, पूर्व मंत्री श्री जयभान सिंह पवैया व श्री अनूप मिश्रा, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव, लघु उद्योग निगम की अध्यक्ष श्रीमती इमरती देवी, बीज एवं फॉर्म विकास निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल, पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र बरूआ, संत कृपाल सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष शहर श्री अभय चौधरी व ग्रामीण श्री कौशल शर्मा एवं श्री केशव सिंह भदौरिया सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मंचासीन थे।

इस अवसर पर संभाग आयुक्त श्री दीपक सिंह, एडीजी पुलिस श्री डी श्रीनिवास वर्मा, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन श्री श्याम बिहारी ओझा ने किया।

# रामायण में जुड़े स्थान

**1 तमसा नदी** : अयोध्या से 20 किमी दूर है तमसा नदी, यहां पर उन्होंने नाव से नदी पार की|

**2 श्रृंगवेरपुर तीर्थ** : प्रयागराज से 20-22 किलोमीटर दूर वे श्रृंगवेरपुर पहुंचे, जो निषादराज गुह का राज्य था, यहीं पर गंगा के तट पर उन्होंने केवट से गंगा पार करने को कहा था, श्रृंगवेरपुर को वर्तमान में सिंगरौर कहा जाता है|

**3 कुरई गांव** : सिंगरौर में गंगा पार कर श्रीराम कुरई में रुके थे|

**4 प्रयाग** : कुरई से आगे चलकर श्रीराम अपने भाई लक्ष्मण और पत्नी सहित प्रयाग पहुंचे थे, कुछ महीने पहले तक प्रयाग को इलाहाबाद कहा जाता था|

**5 चित्रकूट** : प्रभु श्रीराम ने प्रयाग संगम के समीप यमुना नदी को पार किया और फिर पहुंच गए चित्रकूट, चित्रकूट वह स्थान है जहां राम को मनाने के लिए भरत अपनी सेना के साथ पहुंचते है, तब जब दशरथ का देहांत हो जाता है, भारत यहां से राम की चरण पादुका ले जाकर उनकी चरण पादुका रखकर राज्य करते है|

**6 सतना** : चित्रकूट के पास ही सतना (मध्यप्रदेश) स्थित अत्रि ऋषि का आश्रम था, हालांकि अनुसूइया पति महर्षि अत्रि चित्रकूट के तपोवन में रहा करते थे, लेकिन सतना में 'रामवन' नामक स्थान पर भी श्रीराम रुके थे, जहां ऋषि अत्रि का एक ओर आश्रम था|

**7 पंचवटी नासिक** : दण्डकारण्य में मुनियों के आश्रमों में रहने के बाद श्रीराम अगस्त्य मुनि के आश्रम गए, यह आश्रम नासिक के पंचवटी क्षेत्र में है जो गोदावरी नदी के किनारे बसा है, यहीं पर लक्ष्मण ने शूर्पणखा की नाक काटी थी, राम-लक्ष्मण ने खर व दूषण के साथ युद्ध किया था। गिद्धराज जटायु से श्रीराम की मैत्री भी यहीं हुई थी, वाल्मीकि रामायण, अरण्यकांड में पंचवटी का मनोहर वर्णन मिलता है|

**8 ऋष्यमूक पर्वत** : मलय पर्वत और चंदन वनों को पार करते हुए वे ऋष्यमूक पर्वत की ओर बढ़े, यहां उन्होंने हनुमान और सुग्रीव से भेंट की, सीता के आभूषणों को देखा और श्रीराम ने बाली का वध किया, ऋष्यमूक पर्वत वाल्मीकि रामायण में वर्णित वानरों की राजधानी किष्किंधा के निकट स्थित था, ऋष्यमूक पर्वत तथा किष्किंधा नगर कर्नाटक के हम्पी, जिला बेल्लारी में स्थित है, पास की पहाड़ी को 'मतंग पर्वत' माना जाता है, इसी पर्वत पर मतंग ऋषि का आश्रम था जो हनुमानजी के गुरु थे|

**9 रामेश्वरम** : रामेश्वरम समुद्र तट एक शांत समुद्र तट है और यहां का छिछला पानी तैरने और सन बेदिंग के लिए आदर्श है, रामेश्वरम प्रसिद्ध हिन्दू तीर्थ केंद्र है, महाकाव्य रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम ने लंका पर चढ़ाई करने के पहले यहां भगवान शिव की पूजा की थी, रामेश्वरम का शिवलिंग श्रीराम द्वारा स्थापित शिवलिंग है|

**10 सर्वतीर्थ** : नासिक क्षेत्र में शूर्पणखा, मारीच और खर व दूषण के वध के बाद ही रावण ने सीता का हरण किया और जटायु का भी वध किया था, जिसकी स्मृति नासिक से 56 किमी दूर ताकेड गांव में 'सर्वतीर्थ' नामक स्थान पर आज भी संरक्षित है, जटायु की मृत्यु सर्वतीर्थ नाम के स्थान पर हुई, जो नासिक जिले के इगतपुरी तहसील के ताकेड गांव में मौजूद है, इस स्थान को सर्वतीर्थ इसलिए कहा गया, क्योंकि यहीं पर मरणासन्न जटायु ने सीता माता के बारे में बताया, रामजी ने यहां जटायु का अंतिम संस्कार करके पिता और जटायु का श्राद्ध-तर्पण किया था, इसी तीर्थ पर लक्ष्मण रेखा थी|

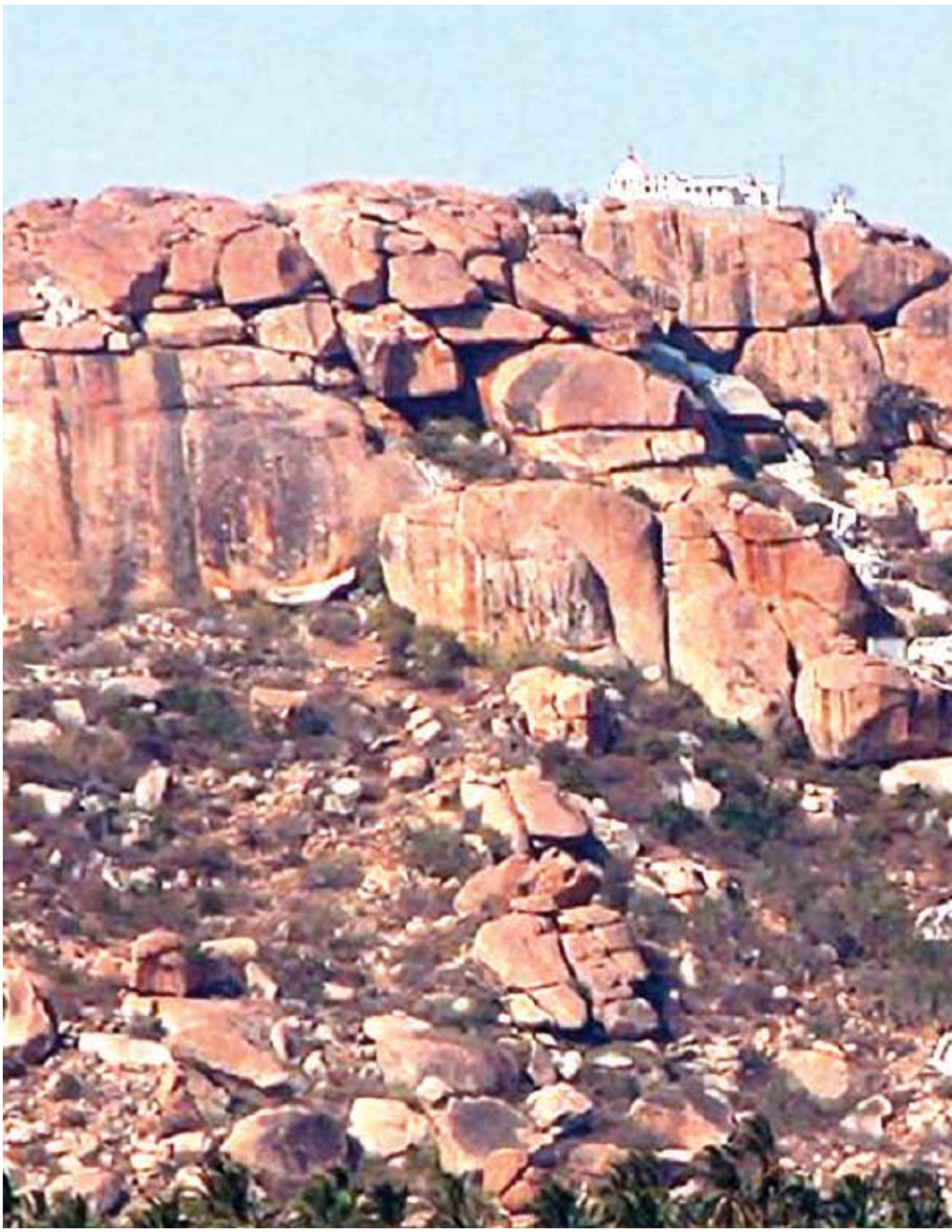

**11 पर्णशाला** : पर्णशाला आंध्रप्रदेश में खम्माम जिले के भद्राचलम में स्थित है, रामालय से लगभग 1 घंटे की दूरी पर स्थित पर्णशाला को 'पनशाला' या 'पनसाला' भी कहते है, पर्णशाला गोदावरी नदी के तट पर स्थित है, मान्यता है कि यही वह स्थान है, जहां से सीताजी का हरण हुआ था, हालांकि कुछ मानते है कि इस स्थान पर रावण ने अपना विमान उतारा था, इस स्थल से ही रावण ने सीता को पुष्पक विमान में बिठाया था यानी सीताजी ने धरती यहां छोड़ी थी, इसी से वास्तविक हरण का स्थल यह माना जाता है, यहां पर राम-सीता का प्राचीन मंदिर है|

**12 शबरी का आश्रम** : तुंगभद्रा और कावेरी नदी को पार करते हुए राम और लक्ष्मण चले सीता की खोज में, जटायु और कबंध से मिलने के पश्चात वे ऋष्यमूक पर्वत पहुंचे, रास्ते में वे पम्पा नदी के पास शबरी आश्रम भी गए, जो आजकल केरल में स्थित है, शबरी जाति से भीलनी थीं और उनका नाम था श्रमणा, 'पम्पा' तुंगभद्रा नदी का पुराना नाम है, इसी नदी के किनारे पर हम्पी बसा हुआ है। पौराणिक ग्रंथ 'रामायण' में हम्पी का उल्लेख वानर राज्य किष्किंधा की राजधानी के तौर पर किया गया है, केरल का प्रसिद्ध 'सबरिमलय मंदिर' तीर्थ इसी नदी के तट पर स्थित है|

**विशेष चर्चा : संजय विनायक जोशी, पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री, भारतीय जनता पार्टी के साथ**

**13 दंडकारण्य** : चित्रकूट से निकलकर श्रीराम घने वन में पहुंच गए, असल में यहीं था उनका वनवास, इस वन को उस काल में दंडकारण्य कहा जाता था, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों को मिलाकर दंडकाराण्य था, दंडकारण्य में छत्तीसगढ़, ओडिशा एवं आंध्रप्रदेश राज्यों के अधिकतर हिस्से शामिल है| दरअसल, उड़ीसा की महानदी के इस पास से गोदावरी तक दंडकारण्य का क्षेत्र फैला हुआ था, इसी दंडकारण्य का ही हिस्सा है आंध्रप्रदेश का एक शहर भद्राचलम, गोदावरी नदी के तट पर बसा यह शहर सीता-रामचंद्र मंदिर के लिए प्रसिद्ध है, यह मंदिर भद्रगिरि पर्वत पर है कहा जाता है कि श्रीराम ने अपने वनवास के दौरान कुछ दिन इस भद्रगिरि पर्वत पर ही बिताए थे, स्थानीय मान्यता के मुताबिक दंडकारण्य के आकाश में ही रावण और जटायु का युद्ध हुआ था और जटायु के कुछ अंग दंडकारण्य में आ गिरे थे, ऐसा माना जाता है कि दुनियाभर में सिर्फ यहीं पर जटायु का एकमात्र मंदिर है|

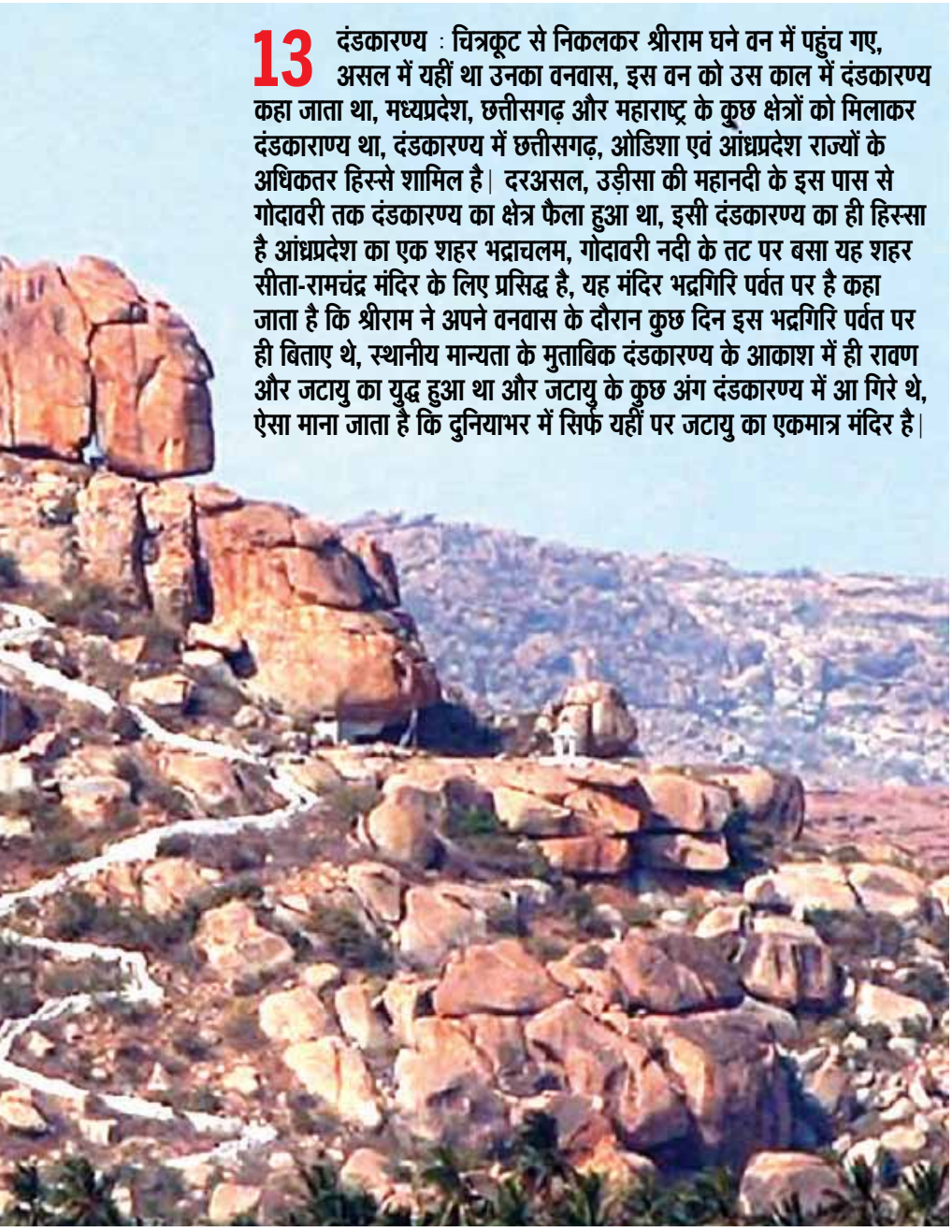

**14 'नुवारा एलिया' पर्वत श्रृंखला** : वाल्मीकिय-रामायण अनुसार श्रीलंका के मध्य में रावण का महल था, 'नुवारा एलिया' पहाड़ियों से लगभग 90 किलोमीटर दूर बांद्रवेला की तरफ मध्य लंका की ऊंची पहाड़ियों के बीचोबीच सुरंगों तथा गुफाओं के भंवरजाल मिलते है, यहां ऐसे कई पुरातात्विक अवशेष मिलते है जिनकी कार्बन डेटिंग से इनका काल निकाला गया है| श्रीलंका में नुआरा एलिया पहाड़ियों के आसपास स्थित #रावण फॉल, रावण गुफाएं, अशोक वाटिका, खंडहर हो चुके विभीषण के महल आदि की पुरातात्विक जांच से इनके रामायण काल के होने की पुष्टि होती है, आजकल भी इन स्थानों की भौगोलिक विशेषताएं, जीव, वनस्पति तथा स्मारक आदि बिलकुल वैसे ही हैं जैसे कि रामायण में वर्णित किए गए है|

**15 कोडीकरई** : हनुमान और सुग्रीव से मिलने के बाद श्रीराम ने वानर सेना का गठन किया और लंका की ओर चल पड़े, तमिलनाडु की एक लंबी तटरेखा है, जो लगभग 1,000 किमी तक विस्तारित है, कोडीकरई समुद्र तट वेलांकनी के दक्षिण में स्थित है, जो पूर्व में बंगाल की खाड़ी और दक्षिण में पाल्क स्ट्रेट से घिरा हुआ है, यहां श्रीराम की सेना ने पड़ाव डाला और श्रीराम ने अपनी सेना को कोडीकरई में एकत्रित कर विचार विमर्ष किया, लेकिन राम की सेना ने उस स्थान के सर्वेक्षण के बाद जाना कि यहां से समुद्र को पार नहीं किया जा सकता और यह स्थान पुल बनाने के लिए उचित भी नहीं है, तब श्रीराम की सेना ने रामेश्वरम की ओर कूच किया|

**16 तुंगभद्रा** : सर्वतीर्थ और पर्णशाला के बाद श्रीराम-लक्ष्मण सीता की खोज में तुंगभद्रा तथा कावेरी नदियों के क्षेत्र में पहुंच गए, तुंगभद्रा एवं कावेरी नदी क्षेत्रों के अनेक स्थलों पर वे सीता की खोज में गए। इसका नाम धनुषकोडी इसलिए है कि यहां से श्रीलंका तक वानर सेना के माध्यम से नल और नील ने जो पुल (रामसेतु) बनाया था उसका आकार मार्ग धनुष के समान ही है, इन पूरे इलाकों को मन्नार समुद्री क्षेत्र के अंतर्गत माना जाता है, धनुषकोडी ही भारत और श्रीलंका के बीच एकमात्र स्थलीय सीमा है, जहां समुद्र नदी की गहराई जितना है जिसमें कहीं-कहीं भूमि नजर आती है|

**14 धनुषकोडी** : वाल्मीकि के अनुसार तीन दिन की खोजबीन के बाद श्रीराम ने रामेश्वरम के आगे समुद्र में वह स्थान ढूंढ़ निकाला, जहां से आसानी से श्रीलंका पहुंचा जा सकता हो, उन्होंने नल और नील की मदद से उक्त स्थान से लंका तक का पुनर्निर्माण करने का फैसला लिया, धनुषकोडी भारत के तमिलनाडु राज्य के पूर्वी तट पर रामेश्वरम द्वीप के दक्षिणी किनारे पर स्थित एक गांव है, धनुषकोडी पंबन के दक्षिण-पूर्व में स्थित है, धनुषकोडी श्रीलंका में तलैमन्नार से करीब 18 मील पश्चिम में है|

# 1 जनवरी से बदलेंगे बैंक लॉकर से जुड़े नियम, क्या होगा ग्राहकों पर असर...

आपने बैंक लॉकर लिया हुआ है या लेने की योजना बना रहे हैं तो यह खबर आपके काम की है। अलगे साल की पहली तारीख यानी एक जनवरी 2023 से लॉकर से जुड़े कई नियम बदलने वाले हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के संशोधित अधिसूचना के अनुसार बैंक लॉकर के मामले में मनमानी नहीं कर सकेंगे और ग्राहक को नुकसान होने की स्थिति में अपनी जिम्मेदारी से मुकर नहीं सकेंगे। एसबीआई और पीएनबी समेत अन्य बैंकों ने ग्राहकों को एसएमएस के जरिये नए नियमों की जानकारी देनी शुरू कर दी है। बैंक एक 1 जनवरी 2023 तक मौजूदा लॉकर ग्राहकों के साथ अपने लॉकर करार (एग्रीमेंट) का नवीनीकरण करेंगे। उल्लेखनीय है कि बैंक लॉकर करार नीति के तहत किसी ग्राहक को लॉकर आवंटित करते समय बैंक उस ग्राहक के साथ करार करता है, जिसके बाद लॉकर की सुविधा प्रदान की जाती है। विधिवत मुहर लगे कागज पर दोनों पक्षों द्वारा हस्ताक्षरित लॉकर समझौते की एक प्रति लॉकर किराएदार को उसके अधिकारों और जिम्मेदारियों को जानने के लिए दी जाती है। जबकि, करार की मूल प्रति बैंक की उस शाखा के पास रहता है जहां लॉकर की सुविधा ग्राहक को दी गई होती है। आरबीआई ने कहा कि बैंकों को खाली लॉकरों की सूची और लॉकर की प्रतीक्षा सूची संख्या दिखानी होगी। साथ ही, बैंक के पास अधिकतम तीन साल की अवधि के लिए लॉकर का किराया एक बार में लेने का अधिकार होगा है। उदाहरण के लिए, यदि लॉकर का किराया 1,500 रुपये है, तो बैंक को अन्य रखरखाव शुल्कों को छोड़कर आप से 4,500 रुपये से अधिक शुल्क नहीं ले सकते हैं।

## अनुचित शर्त नहीं जुड़ेगी

रिजर्व बैंक के संशोधित निर्देश अधिसूचना के अनुसार बैंक यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके लॉकर करार में कोई अनुचित नियम या शर्तें शामिल नहीं हैं। आरबीआई ने ग्राहकों के हितों की सुरक्षा के लिए ऐसा किया है क्योंकि कई बार बैंक शर्तों का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारियों से मुकर जाते हैं। इसके अलावा बैंक के हितों की रक्षा के लिए अनुबंध की शर्तें आवश्यकता से अधिक कठिन नहीं होंगी।

## शुल्क में भी बदलाव

एसबीआई के मुताबिक बैंक लॉकर का शुल्क क्षेत्र और लॉकर के आकार के आधार पर 500 रुपये से लेकर तीन हजार रुपये तक है। बड़े शहर और महानगरों में बैंक छोटे, मध्यम, बड़े और अतिरिक्त बड़े आकार के लॉकरों के लिए दो हजार रुपये, चार हजार रुपये, आठ हजार रुपये और 12,000 रुपये सालाना शुल्क लेते हैं। वहीं अर्ध-शहरी और ग्रामीण स्थानों में बैंक छोटे, मध्यम, बड़े और अतिरिक्त बड़े आकार के लॉकरों के लिए 1,500 रुपये, तीन हजार, छह हजार रुपये और नौ हजार रुपये शुल्क लेता है।

## ...तो बैंक होंगे जिम्मेदार

सामान्य तौर पर, बैंक अक्सर यह कहते हुए चोरी के मामलों से बच निकलते हैं कि लॉकर के अंदर रखे किसी भी सामान के लिए बैंक जिम्मेदार नहीं हैं। जैसा कि बैंक जवाबदेही से इनकार करते हैं, ग्राहक कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए बाध्य होते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक यानी RBI के नए स्टैंडर्ड के मुताबिक, अगर बैंक की लापरवाही की वजह से लॉकर के किसी सामान का कोई नुकसान होता है, तो बैंक को ग्राहकों को इसकी भरपाई करनी होगी। आरबीआई के नोटिफिकेशन में कहा गया है कि यह बैंकों की जिम्मेदारी है कि वह अपने यहां सुरक्षा को देखते हुए सभी कदम उठाएं. नोटिफिकेशन के मुताबिक, यह सुनिश्चित करना बैंकों की जिम्मेदारी है कि बैंक में किसी कमी या लापरवाही की वजह से आग, चोरी, डकैती जैसे मामले नहीं हो।

## एसएमएस और ईमेल से सूचना देना अनिवार्य

अनाधिकृत तौर पर लॉकर खोले जाने की स्थिति में, दिन खत्म होने से पहले बैंकों को ग्राहकों के पंजीकृत मोबाइल ई-मेल पर उसकी तारीख, समय और कुछ जरूरी कदम की जानकारी देनी अनिवार्य होगी। आरबीआई ने दिशानिर्देश में यह भी कहा है कि लॉकर की नई व्यवस्था की जानकारी हर ग्राहक को एसएमएस के माध्यम से भी दी जानी अनिवार्य है जिससे ग्राहक पहले से जागरूक रहें। इसके अलावा जब भी आप लॉकर का उपयोग करेंगे, आपको बैंक के जरिये ई-मेल और एसएमएस के माध्यम से सतर्क किया जाएगा।

## यह बदलाव भी हुए

- नए नियमों के मुताबिक, अगर लॉकर का मालिक किसी को नॉमिनी बनाता है तो बैंकों को उसे सामान निकालने की मंजूरी देनी होगी।
- अगर किसी प्राकृतिक आपदा जैसे भूकंप, बाढ़, तूफान आदि से लॉकर के सामान को नुकसान पहुंचता है, तो बैंक की उसके लिए भरपाई करने की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

# नगरीय निकायों के जन-प्रतिनिधियों के मानदेय और भत्ते होंगे दोगुना : सीएम

## मुख्यमंत्री अधो-संरचना विकास योजना से सभी शहरों में होंगे 5 हजार करोड़ रूपये के कार्य

**भोपाल** । मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जन-प्रतिनिधि, जनता की सेवा कर जनता का सम्मान अर्जित करें। प्रदेश के सभी जिलों से आए नगरीय निकायों के नव-निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों के एक दिवसीय प्रशिक्षण-सत्र में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अपने दीर्घकालीन अनुभव के आधार पर सार्वजनिक जीवन में सफलता के टिप्स दिये। उन्होंने कहा कि विनम्र तथा अहंकाररहित रहते हुए उत्साह से निरंतर सक्रिय रहना आवश्यक है। जन-सामान्य की जन-प्रतिनिधियों से बहुत अपेक्षाएँ हैं। अतः धैर्य रखते हुए लोगों की समस्याएँ सुनना और उनके समाधान की हरसंभव कोशिश करना और जनता से संवाद में बने रहना आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नगरीय निकायों के महापौर, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभापति और पार्षद का मानदेय एवं भत्ता दोगुना करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहाकि नव-निर्वाचित जन-प्रतिनिधि जागरूक और जिज्ञासु रहें। शासकीय योजनाओं को जानें-समझें और नियम प्रक्रिया के अनुसार ही कार्य करें। जो कहें, वह करें, पर ऐसा कोई कार्य न करें और न ही ऐसे शब्दों का उपयोग करें जिससे आपकी प्रतिष्ठा प्रभावित हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हर गरीब को रहने के लिए स्थान चाहिए। उसके लिए राज्य शासन हरसंभव प्रयास कर रहा है। प्रदेश में 31 दिसम्बर 2020 तक जो गरीब जहाँ रह रहे थे, उन्हें वहाँ का पट्टा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में नगरीय निकायों के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों के प्रशिक्षण-सत्र को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि नगरीय निकायों के नगरों को स्वच्छ, सुंदर और नागरिक सुविधाओं की दृष्टि से बेहतर बनाने सभी के सहयोग के साथ कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि नगरीय निकाय नई कार्य-संस्कृति विकसित करें। मुख्यमंत्री से लेकर पार्षद तक सभी पदों की एक श्रंखला है। हमें अनियमितताएँ रोक कर आम जनता के कल्याण को प्राथमिकता देना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि नगरीय निकायों द्वारा कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। अच्छी एजेंसी और श्रेष्ठ कार्य करने वाले ठेकेदारों को ही निर्माण कार्यों का जिम्मा दिया जाए। नगरों में अधो-संरचना विकास के कार्यों को समय-सीमा में पूरा किया जाए। नल कनेक्शन से लेकर राशन के वितरण और अन्य नागरिक सुविधाओं को समय पर प्रदान करने को प्राथमिकता दी जाए। जनता के कल्याण से जुड़ी योजनाओं के अच्छे क्रियान्वयन में नगरीय निकाय सक्रिय भूमिका निभाएँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्ट्रीट वेण्डर के कल्याण से लेकर शहरी आजीविका मिशन से हितग्राहियों को सहायता दिलवाने की लगभग 38 प्रकार की योजनाएँ लागू हैं। इनका लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलवाने के लिए नगरीय निकायों के पदाधिकारी सजग और सक्रिय रहें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हाल ही में मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान के शिविर लगाये गये थे। शहरी क्षेत्र में भी वार्डों में यह शिविर लगे। राशन कार्ड बनाने से लेकर उज्ज्वला योजना और पेंशन राशि दिलवाने के कार्यों को सुनिश्चित किया जाए। इनके लाभ से कोई वंचित न रहे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आग्रह किया कि निर्वाचित पदाधिकारी वार्ड-वार्ड भ्रमण कर वंचित हितग्राहियों की जानकारी प्राप्त कर उन्हें लाभान्वित करवाने का कार्य करें। हितग्राहियों से प्रपत्र भरवाने, गड़बड़ करने वाले व्यक्तियों को नियंत्रित करने का कार्य होता रहेगा, तो निर्वाचित पदाधिकारी जनता के हृदय में स्थान बना लेंगे।

### पार्षद से लेकर मुख्यमंत्री तक संयुक्त दायित्व महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि नगरीय निकायों के निर्वाचित पदाधिकारी मेरे हाथ-पाँव और आँख-कान भी है। पार्षद से लेकर मुख्यमंत्री तक सभी का संयुक्त दायित्व महत्वपूर्ण है। निकायों के कार्य तभी बेहतर होंगे जब हम सब मिल कर कार्य करेंगे। शहरों के विकास में नागरिकों का पूर्ण सहयोग लिया जाए। इंदौर नगर यदि 6 बार देश का स्वच्छतम नगर बन सकता है, तो अन्य नगरीय निकाय भी इस दिशा में प्रयास कर सकते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि नगरीय निकायों को शीतकाल में रैनबसेरा की व्यवस्था को भी पुख्ता रखना है। इनमें आकर रहने वाले लोगों को भोजन और विश्राम के साथ गर्म कपड़ों और अलाव की व्यवस्था भी उपलब्ध करवाई जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा और पर्यावरण के विकास में नगरीय निकायों की महत्वपूर्ण भूमिका है। अपने शहर में एक स्थान निश्चित कर पौध-रोपण का कार्य किया जाए। नागरिकों को जन्म-दिवस, विवाह वर्षगाँठ पर और दिवंगत परिजन की याद में पौध-रोपण के लिए प्रेरित किया जाए। साथ ही अपने शहर को सुरक्षित बनाने का कार्य भी करें। वातावरण ऐसा हो कि बेटियाँ रात्रि के समय भी घर से निकल सकें। बेटियों का सम्मान सुनिश्चित किया जाए।

# चीनी लोन ऐप से लोगों को ठगने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई : सीतारमण

राज्यसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि सरकार डिजिटल उधारी देने वाले विभिन्न चीनी एप द्वारा आम आदमी को उत्पीड़न व धोखाधड़ी से बचाने के लिए ठोस कार्रवाई कर रही है। उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सदस्य नदीमुल हक ने डिजिटल उधारी देने वाले एप द्वारा आम आदमी के साथ किए जाने धोखाधड़ी का मुद्दा उठा।

सीतारमण जब हक द्वारा उठाए गए मुद्दे का जवाब दे रही थीं तभी कांग्रेस के एक सदस्य ने सरकार पर तंज किया कि उसके पास चीनी एप के मुद्दे पर चर्चा करने का समय है लेकिन चीनी अतिक्रमण जैसे संवेदनशील मुद्दे पर बहस का समय नहीं है। इस पर सीतारमण ने विपक्षी दल पर आम आदमी की चिंताओं के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। इसे लेकर सदन में कुछ देर हंगामा भी हुआ।

हक ने डिजिटल उधारी एप का मुद्दा उठाते हुए कहा कि आसानी से ऋण देने का झांसा दे रहे ऐसे करीब 1,100 एप में से लगभग 600 एप अवैध हैं और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दिशानिर्देशों के दायरे से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि इन अवैध एप में बड़ी संख्या चीनी एप की है। इसके जवाब में वित्त मंत्री ने कहा कि चीनी एप के मुद्दे पर भारतीय रिजर्व बैंक कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि अन्य संबंधित मंत्रालय भी मिलकर इस पर काम कर रहे हैं

ताकि आम आदमी के साथ धोखाधड़ी ना हो।

उन्होंने कहा, 'पिछले छह- सात महीने में मैंने खुद आरबीआई के प्रतिनिधियों और मेरे मंत्रालय के सचिवों के साथ बैठकें की हैं। आरबीआई की तरफ से, हमारी तरफ से और कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय की ओर से सामूहिक तौर पर कार्रवाई आरंभ की गई है।' उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के ध्यान में भी धोखाधड़ी करने वाले ऐसे एप को ध्यान में लाया गया है। उन्होंने कहा कि उन पर कार्रवाई के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी बीच, कांग्रेस सदस्य रणदीप सुरजेवाला ने तंज किया कि चीनी एप पर चर्चा करने का समय है लेकिन चीनी अतिक्रमण जैसे संवेदनशील मुद्दे पर बहस करने का समय नहीं है। इस पर सीतारमण ने कहा, ''इस प्रकार के सवाल उठाकर कांग्रेस क्या साबित करना चाहती है कि आम आदमी की परेशानी उनके लिए कोई परेशानी नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''यह आम आदमी की समस्या है, जिस पर हमने कार्रवाई की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छोटे से छोटे व्यक्ति को लेकर चिंतित है कि कहीं उनके साथ धोखाधड़ी ना हो। कांग्रेस ने आम आदमी की चिंताओं के साथ धोखा किया है।'' गौरतलब है कि कांग्रेस सहित कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्य अरुणाचल प्रदेश के तवांग में चीनी अतिक्रमण के मुद्दे पर सदन में चर्चा की मांग कर रहे हैं। सुरजेवाला ने चर्चा के लिए नियम 267 के तहत नोटिस भी दिया था जिसे आसन की ओर से अस्वीकार कर दिया गया। इसके बाद हुए हंगामे के कारण शून्यकाल के दौरान कार्यवाही करीब 20 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी।

# सड़क परिवहन मंत्री ने पेश किया ढांचागत क्षेत्र के लिए पहला 'श्योरिटी बॉन्ड' बीमा

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ढांचागत क्षेत्र में तरलता बढ़ाने के लिए सोमवार को देश का पहला श्योरिटी बॉन्ड (गारंटी बॉन्ड) बीमा उत्पाद जारी किया। इससे बैंक गारंटी पर ढांचागत डेवलपरों की निर्भरता कम होगी। श्योरिटी बॉन्ड कॉरपोरेट और वित्तीय गारंटी से अलग होते हैं। इसमेंकिसी बीमित परियोजना को पूरा करने या प्रदर्शन का दायित्व निहित होता है जबकि कॉरपोरेट बॉन्ड ऋण चुकाने से संबंधित वित्तीय दायित्व से संबंधित होते हैं। इस मौके पर गडकरी ने कहा कि इस बीमा उत्पाद से ठेकेदारों के एक खास समूह की जरूरतें पूरी हो पाएंगी जो आज के उतार-चढ़ाव से भरे माहौल में काम कर रहे हैं।

उन्होंने बीमा उद्योग को आश्वस्त करते हुए कहा कि यह उनके लिए एक सुरक्षित कारोबार होने वाला है। देश के पहले गारंटी बॉन्ड बीमा उत्पाद को बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस की तरफ से जारी किया गया है। इसे ढांचागत उद्योग और सरकार की तरफ से आ रही मांग को देखते हुए विकसित किया गया है। श्योरिटी बॉन्ड बीमा ढांचागत परियोजनाओं के लिए एक गारंटी व्यवस्था के तौर पर काम करेगा। इससे ढांचागत परियोजना के ठेकेदार और ठेका देने वाले संस्थान दोनों को संरक्षण मिलेगा।

श्योरिटी बॉन्ड बीमा में ढांचागत परियोजना आवंटित

करने वाली कंपनी को यह भरोसा मिलेगा कि अगर ठेकेदार अनुबंध की शर्तों का पालन करने में नाकाम रहता है तो उसे नुकसान नहीं होगा। इस बॉन्ड के एवज में दावा किए जाने पर आवंटनकर्ता कंपनी को नुकसान की भरपाई की जाएगी। गडकरी ने बीमा उद्योग से ठेकेदार फर्मों की रेटिंग तैयार करने का अनुरोध करते हुए कहा कि इससे परियोजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े जोखिम को कम करने में मदद मिलेगी।

# प्रेमिका को पिटने वाले प्रेमी के खिलाफ हुई कार्रवाई

# घर पर चला बुलडोजर

मध्यप्रदेश के रीवा में अपनी प्रेमिका को बेरहमी से पीटने वाले युवक को पुलिस ने उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से गिरफ्तार किया है। सिर्फ यही नहीं प्रेमिका को पीटना युवक को काफी भारी पड़ गया है। पुलिस ने इस मामले में सख्ती दिखाते हुए आरोपी युवक के घर पर बुलडोजर चलवाया है। मध्य प्रदेश के रीवा में अपनी प्रेमिका के साथ मारपीट करने वाले युवक का वीडियो वायरल होने के बाद वो पुलिस की गिरफ्त में आ चुका है। वहीं अब पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक के घर पर बुलडोजर कार्रवाई की है, जिसके बाद युवक का घर नेस्तनाबूद हो गया है।

जानकारी के मुताबिक पुलिस ने आरोपी पंकज त्रिपाठी पर कई धाराओं में मामला दर्ज किया है जिसमें अपहरण और मारपीट की मुख्य धाराएं शामिल की गई है। वहीं जिस युवक ने मारपीट के इस वीडियो को वायरल किया है उसके खिलाफ भी पुलिस ने सख्त एक्शन लिया है। युवक के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ है।

जानकारी के मुताबिक ये वीडियो रीवा जिले के मऊगंज का है। यहां एक प्रेमी द्वारा प्रेमिका की बड़ी बेरहमी से पिटाई करने का वीडियो वायरल हुआ, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, 24 दिसंबर को एक वीडियो में एक लड़का अपनी प्रेमिका को बड़ी बेरहमी से थप्पड़ और लात-घुसे मारता नजर आ रहा है। लड़के ने अपनी प्रेमिका को इस हद तक पीटा कि वह अधमरी हो गई। वीडियो में लड़के द्वारा प्रेमिका को मारे जाने की घटना से देखने वालों की रूह तक कांप गई मगर मारते हुए लड़के का दिल नहीं पसीजा।

**सड़क किनारे अधमरी पड़ी रही युवती:** अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) नवीन दुबे ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने अपने प्रेमी को कथित तौर पर शादी करने के लिए कहा था। प्रेमिका की बात सुनकर प्रेमी भड़क गया और उसने उसे रोड पर बड़ी बेरहमी से पीटा। इस दौरान प्रेमिका बेहोश हो गई और काफी देर तक रोड किनारे पड़ी रही। जिसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सुचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर पीड़िता को अस्पताल पहुंचाया।

**थाना प्रभारी को किया गया निलंबित :** घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर पीड़िता को अस्पताल पहुंचाया। इस मामले में धारा 151 के तहत कार्रवाई की गई थी। इस कार्रवाई को खाना पूर्ति कहा गया। इस घटना का वीडियो जैसे ही वायरल हुआ इस मामले ने तूल पकड़ा। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी पंकज त्रिपाणी के खिलाफ कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पंकज के खिलाफ धारा 294, 323, 366, 506, 37 आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं इस मामले में थाना प्रभारी श्वेता मौर्य पर गाज गिरी है। आरोप है कि मामले की गंभीरता को ना समझते हुए श्वेता मौर्य ने तत्काल कार्रवाई नहीं की और मामले को हल्के में लिया। उन्हें निलंबित कर लाइन हाजिर किया गया है।

# शादी के लिए बना रहा था दबाव, युवती ने की थी खुदकुशी

एक युवती को फांसी लगाने के लिए मजबूर करने वाले युवक को निशातपुरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। युवक लगातार एक युवती पर शादी के लिए दबाव बना रहा था। जिससे तंग आकर युवती ने 7 मार्च को घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। निशातपुरा पुलिस के मुताबिक रुसल्ली, करोंद निवासी 25 वर्षीय समरा खान ने इसी साल 07 मार्च को घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी।

जांच में सामने आया था कि गंदा नाला भोईपुरा तलैया निवासी 30 वर्षीय दाउद मृतिका को धमकी देकर बार-बार प्रताड़ित कर रहा था कि यदि तूने कहीं और शादी की तो तुझे बर्बाद कर दूंगा। जांच के बाद पुलिस ने 15 दिसंबर को दाउद के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज किया था। रविवार को पुलिस ने आरोपी दाउद को गिरफ्तार कर लिया है।

## रायसेन का रहने वाला था

पिपलानी इलाके में रविवार दोपहर एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। युवक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पिपलानी पुलिस के मुताबिक 20 वर्षीय रिब्बू कटारिया मूलतः बाड़ी बरेली, रायसेन का रहने वाला था। करीब 15 दिन पहले ही आनंद नगर से उसने 100 क्वार्टर झुग्गी में कमरा किराए पर लिया था। वह मिस्त्री का काम करता था। रविवार को रिब्बू पत्नी को 60 क्वार्टर उसके मायके लेकर पहुंचा था और उसे वहीं छोड़कर घर लौट आया। कुछ देर बाद पत्नी घर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद था। पड़ोसियों की मदद से पत्नी ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर रिब्बू फांसी के फंदे पर लटका था।

## पॉक्सो की धारा में फरार 2 आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने पकड़ा

भिंड में कोतवाली थाना पुलिस ने बीती रात 3 बदमाशों को दबोचा। इनमें दो बदमाश पॉक्सो एक्ट की धाराओं में वर्ष 2019 फरार चल रहे थे। वहीं, तीसरा आरोपी शराब तस्करी की धाराओं में फरार था। तीनों आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की और न्यायालय में पेश करते हुए जेल भेज दिया। नवागत कोतवाली थाना प्रभारी रविंद्र शर्मा के मुताबिक वर्ष 2019 में नाबालिग से रेप के मामले में शमशेर पुत्र शहजाद अंसारी और शादाब अंसारी आरोपी बने थे। इसके बाद दोनों ही आरोपी लगातार कोर्ट से फरार चल रहे थे, जिनकी तलाश पुलिस को लंबे समय से बनी थी।

# प्रदेश में जनता का राज चलेगा, गड़बड़ करने वाला नहीं बचेगा : मुख्यमंत्री

**कमाने वाला खायेगा, लूटने वाला जेल जायेगा, मुख्यमंत्री ने बैतूल के सीएमएचओ और खनिज अधिकारी को किया निलंबित, बिजली विभाग के दो जेई को भी निलंबित किया, धर्मांतरण का कुचक्र मध्यप्रदेश की धरती पर नहीं चलने दूंगा, शासकीय योजनाओं में गड़बड़ी करने वालों को नौकरी करने लायक नहीं छोडूंगा, दंबग, दलाल और बदमाशों के लिये वज्र से भी कठोर हूँ... जनता को कोई दिक्कत हुई तो मामा उसे नहीं छोड़ेगा...**

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि नया जमाना आ रहा है। अब प्रदेश में जनता का राज चलेगा, गड़बड़ करने वाला कोई भी व्यक्ति नहीं बचेगा। कमाने वाला खायेगा और लूटने वाला जेल जायेगा। मुख्यमंत्री, मंत्री, कमिश्नर, कलेक्टर जनता के पास जाकर उनका कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान में गाँव, पंचायत, वार्ड में शिविर लगा कर जनता को विभिन्न योजनाओं का लाभ और उनके अधिकार प्रदान किये जायेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज बैतूल जिले के ग्राम कुंडबकाजन में मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान में चिन्हित हितग्राहियों को स्वीकृति-पत्र वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने जनता के कार्यों में गड़बड़ी करने वाले 4 अधिकारियों - बैतूल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, खनिज अधिकारी और बिजली विभाग के 2 उप यंत्रियों को मंच से ही निलंबित करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान में हर पंचायत हर वार्ड में शिविर लगाए जाकर शासन की विभिन्न योजनाओं में स्वीकृति-पत्र वितरित किये जा रहे हैं। ग्रामीणों को उनके गाँव पहुँच कर लाभ दिया जा रहा है। अब उन्हें अपने कार्यों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी शासकीय योजना में किसी को एक पैसा भी मत देना। यदि कोई मांगता है, तो सीधे सी.एम. हाउस शिकायत करना। जो भी गड़बड़ी करेगा उसे नौकरी करने लायक नहीं छोडूंगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने क्षेत्रवासियों की मांग पर ग्राम बकाजन से भोजपुर मार्ग पर पुल निर्माण, भोजपुर-चिचोली मार्ग को चौड़ा करने और ग्राम पाटरैयत में 80 करोड़ की लागत से 132 के.व्ही. विद्युत सब स्टेशन बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि ग्राम की वर्तमान वोल्टेज समस्या के निराकरण के लिये ग्राम चिंचोली से भीमपुर तक 22 कि.मी. लम्बी 33 कि.मी. की विद्युत लाइन डाली जा रही है। इसका कार्य आगामी 15 दिसम्बर तक पूरा कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विद्युत समस्या संबंधी शिकायत मिलने पर संबंधित दो उप यंत्रियों को मंच से ही निलंबित करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिले में स्वास्थ्य और खनिज से संबंधित शिकायतें भी मुझे मिली हैं। इन शिकायतों के आधार पर बैतूल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और खनिज अधिकारी को भी निलंबित किया जाता है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पेसा एक्ट प्रदेश के 89 जनजाति विकासखण्डों में लागू होगा। यह किसी के खिलाफ नहीं है, सबके हक का है। ग्राम सभा में गैर जनजातीय बंधु भी शामिल होंगे और फैसला लेंगे। पेसा एक्ट गरीबों की जमीन, जंगल, जल, सुरक्षा के अधिकार, महिलाओं के सशक्तिकरण के अधिकार दे रहा है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पेसा एक्ट के लागू हो जाने के बाद अब हर साल ग्राम की ग्राम सभा में

पटवारी और फारेस्ट गार्ड नक्शा, खसरे की नकल, बी-1 की कापी लेकर आयेंगे और ग्रामवासियों को पढ़ कर सुनायेंगे। गड़बड़ी पाई गई तो ग्राम सभा सुधार करेगी। गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। ग्राम सभा में एक तिहाई सदस्य बहनें होंगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अब किस सरकारी कार्य, योजना के लिये जमीन देना है, यह ग्राम सभा तय करेगी। ग्राम की भूमि का बिना ग्राम सभा की अनुमति के भू-अर्जन नहीं किया जा सकेगा। किसी जनजातीय भाई की जमीन पर कोई व्यक्ति बहला-फुसला कर, शादी के माध्यम से अथवा धर्मांतरण द्वारा कब्जा नहीं कर पायेगा। मैं धर्मांतरण का चक्र मध्यप्रदेश की धरती पर नहीं चलने दूँगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गाँव की गिट्टी, पत्थर, रेती आदि की खदानों की नीलामी होनी है या नहीं यह ग्राम सभा तय करेगी। खदान पहले जनजातीय सोसायटी को, फिर ग्राम की बहन को और फिर पुरूष को प्राथमिकता के आधार पर दी जायेगी। गाँव के तालाबों का प्रबंधन, उनमें मछली पालन, सिंघाड़ा उत्पादन आदि का अधिकार ग्राम सभा का होगा और प्राप्त आमदनी पर ग्रामवासियों का हक होगा। सौ एकड़ तक के सिंचाई तालाब और बाँधों का प्रबंधन ग्राम सभा के पास होगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अब इमारती लकड़ी की बिक्री से प्राप्त होने वाली राशि का 20 प्रतिशत वन समितियों के खाते में जायेगा। हर्र, बहेड़ा, आँवला, गोंद, करंज आदि वनोपज संग्रह और बेचने का अधिकार ग्राम सभा को होगा। वह इनके मूल्य भी निर्धारित कर सकेगी। वनोपज की आमदनी भी ग्राम सभा के पास आयेगी। जनजातीय भाइयों को अब तेन्दूपत्ता तोड़ने और बेचने का अधिकार होगा। उन्हें इसका प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। साथ ही आमदनी भी उनके खाते में जायेगी। आगामी 15 दिसम्बर तक ग्राम सभा तय कर ले कि वह इस वर्ष तेन्दूपत्ता संग्रहण करेगी अथवा नहीं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ग्राम पंचायत में एक वर्ष में जो पैसा आता है उससे क्या किया जाये, यह ग्राम सभा तय करेगी। यदि गाँव के मजदूरों को कोई दूसरे स्थान पर ले जाता है तो उसे ग्राम सभा से इसकी अनुमति लेना होगी। बाहरी व्यक्ति गाँव में आता है तो उसे भी ग्राम सभा की अनुमति लेनी होगी। मनरेगा के कार्यों की मॉनिटरिंग ग्राम सभा करेगी। कार्य का मस्टर रोल भी ग्राम सभा में रखा जायेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गाँव में नई दारू दुकान खुले या नहीं, इसका फैसला ग्राम सभा करेगी। यदि दारू की दुकान, अस्पताल, स्कूल, धार्मिक स्थल के पास है तो ग्राम सभा उसे बंद करने अथवा दूसरी जगह ले जाने की अनुशंसा कर सकेगी। ग्राम सभा किसी दिन को ड्राय-डे घोषित करने के लिये कलेक्टर को अनुशंसा कर सकेगी। अवैध शराब का विक्रय सख्ती से रोका जायेगा। कोई निजी साहूकार, ब्याज देने वाला व्यक्ति लायसेंस लेकर और सरकार द्वारा तय ब्याज दर पर ही ग्रामीणों को ऋण दे सकेगा। अवैध रूप से दिये गये ऋण शून्य हो जायेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गाँव के छोटे-छोटे झगड़ों के निराकरण के लिये ग्राम शांति एवं विवाद निवारण समिति गठित की जायेगी, जो उनका निपटारा करेगी। जिन मामलों में एफआईआर दर्ज होती है, उसकी जानकारी पुलिस द्वारा ग्राम सभा को देना होगी। बाजारों, मेलों, त्योहारों का प्रबंधन ग्राम सभा कर सकेगी। आँगनवाड़ी, छात्रावास, स्कूल, आश्रम शालाएँ, अस्पताल के प्रबंधन का अधिकार भी ग्राम सभाओं के पास होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों को स्वीकृति-पत्र सहित अनेक योजनाओं में हित लाभ भी वितरित किये।

# छोटे किसानों के लिये किसान सम्मान निधि वरदान : पटेल

## किसान और गाँवों को बनायेंगे आत्म-निर्भर एग्री-एक्सपो इंडिया का किया शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्म-निर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने के लिये हम वचनबद्ध हैं। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में किसान और गाँवों को आत्म-निर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने विट्ठल मार्केट भोपाल में एग्री-एक्सपो इंडिया का शुभारंभ करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना लघु एवं सीमांत किसानों के लिये वरदान है। एग्री-एक्सपो इंडिया में श्री कमल सिंह आंजना, श्री महेश चौधरी, श्री गोविंद गोदारा और महाप्रबंधक नाबार्ड श्री एस.के. ताल्लुकदार सहित बड़ी संख्या में किसान शामिल थे। कृषि मंत्री श्री पटेल ने कहा है कि देश की अर्थ-व्यवस्था कृषि आधारित है। आबादी का 70 प्रतिशत भाग कृषि एवं कृषि आधारित संसाधनों पर निर्भर करता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान के मार्गदर्शन में हम किसान और गाँव को आत्म-निर्भर बनाने के लिये निरंतर कार्य कर रहे हैं। देश में कृषकों की समृद्धि के लिये प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में निरंतर कल्याणकारी निर्णय लिये जा रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री ग्राम-सड़क योजना का क्रियान्वयन कर गाँव को मुख्य सड़कों से जोड़ने का अभूतपूर्व कार्य किया गया। किसानों को सशक्त बनाने के लिये किसान क्रेडिट-कार्ड योजना लागू की गई।

कृषि मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की संकल्पना अनुसार किसानों की आय को दोगुना करने के लिये निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार द्वारा एक लाख करोड़ रूपये के कृषि अधो-संरचना फण्ड (आईएएफ) की स्थापना कर एक नई क्रांति का सूत्रपात किया गया है। कृषि उत्पाद समूहों (एफपीओ) का प्रदेश में गठन किया जा रहा है। राज्य में 10 हजार एफपीओ बनाये जा रहे हैं। प्रत्येक विकासखण्ड में दो-दो एफपीओ का गठन कर लिया गया है। प्रसन्नता की बात है कि मध्यप्रदेश इसके क्रियान्वयन में अव्वल नम्बर है। राज्य कृषि के क्षेत्र में नवाचारों में भी देश में पहले नम्बर पर है।

कृषि मंत्री श्री पटेल ने कहा कि किसानों के सशक्तिकरण के लिये प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना संचालित की जा रही है। छोटे किसानों को दोनों योजनाओं में कुल मिला कर 10-10 हजार रूपये की राशि प्रतिवर्ष दी जा रही है। उन्होंने कहा कि छोटे किसानों के लिये यह राशि आर्थिक संबल का काम कर रही है।

कृषि मंत्री श्री पटेल ने कृषि विभाग और युवा उड़ान फाउण्डेशन के कृषि-एक्सपो में शामिल सभी किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और कृषि संबद्ध समस्त स्टेक होल्डर्स को बधाई और शुभकामनाएँ दी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भोपाल में 3 दिवसीय कृषि-एक्सपो से किसानों को निश्चित ही लाभ मिलेगा, जो खेती-किसानी के उन्नयन और किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण में मील का पत्थर साबित होगा।

# समय से पहले ही खत्म हुआ संसद का शीतकालीन सत्र

## पहले 29 दिसंबर तक प्रस्तावित थी कार्यवाही

**लोकसभा ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 3.25 लाख करोड़ रुपये की अनुदान की अनुपूरक मांगों और 2019-20 के लिए अनुदान की अतिरिक्त मांगों को मंजूरी दी। इस पर 10 घंटे 53 मिनट चर्चा हुई। सत्र के दौरान 9 सरकारी विधेयक पेश किये गए और सात विधेयक को सदन ने पारित किया।**

संसद का शीतकालीन सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया है। हालांकि, संसद का शीतकालीन सत्र पहले 29 दिसंबर तक प्रस्तावित था। लेकिन आज 23 दिसंबर शुक्रवार को ही संसद का शीतकालीन सत्र स्थगित कर दिया गया। दोनों सदनों में इस शीतकालीन सत्र के दौरान कई बड़े काम हुए हैं। हालांकि, हो-हल्ला की भी स्थिति उत्पन्न हुई थी। लोकसभा की बात करें तो इसकी कार्य उत्पादकता लगभग 97% रही। लोकसभा की 13 बैठकों में 68 घंटे 42 मिनट तक कामकाज हुआ है। वहीं, राज्यसभा में 102% कामकाज हुआ। अपने संबोधन में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान उच्च सदन में 63 घंटे 20 मिनट का कामकाज निर्धारित हुआ था जबकि यह 64 घंटे 50 मिनट तक चला है। दोनों ही सदनों में महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा की गई और कई को पारित किया गया।

हालांकि, संसद के शीतकालीन सत्र में चीन के मुद्दे को लेकर विपक्ष जबरदस्त तरीके से सरकार पर हमलावर रहा। तवांग में 9 दिसंबर को चीन के साथ हुई थी। झड़प को लेकर विपक्ष लगातार चर्चा की मांग कर रहा था। हालांकि, चर्चा नहीं हो सकी। दूसरी ओर संसद के दोनों सदनों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के मुद्दे पर साफ तौर पर कहा था कि चीनी सेना एलएसी पर एकतरफा स्थिति को बदलने की कोशिश कर रही थी। भारतीय सेना ने उन्हें खदेड़ भेजा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने निचले सदन में कहा कि 17वीं लोकसभा का 10वां सत्र समाप्त हो रहा है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सत्र में नव निर्वाचित सदस्य के रूप में समाजवादी पार्टी की डिंपल यादव ने शपथ ली।

इस दौरान लोकसभा ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 3.25 लाख करोड़ रुपये की अनुदान की अनुपूरक मांगों और 2019-20 के लिए अनुदान की अतिरिक्त मांगों को मंजूरी दी। इस पर 10 घंटे 53 मिनट चर्चा हुई। सत्र के दौरान 9 सरकारी विधेयक पेश किये गए और सात विधेयक को सदन ने पारित किया। इसके अलावा, सदस्यों ने शून्यकाल के दौरान लोक महत्व के 374 विषय उठाये। साथ ही नियम 377 के तहत सदस्यों ने 298 मुद्दे उठाये। सत्र में स्थायी समितियों के 36 प्रतिवेदन रखे गए और मंत्रियों ने महत्वपूर्ण विषयों पर 23 वक्तव्य रखे। अध्यक्ष ने कहा कि शीतकालीन सत्र के दौरान 56 तारांकित प्रश्नों के उत्तर दिये गए। लोकसभा में तमिलनाडु की दो जनजातियों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) सूची में डालने के प्रावधान वाले 'संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2022' को मंजूरी दी गई। इसमें तमिलनाडु की नारीकोरवन और कुरुविक्करन पहाड़ी जनजातियों को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने का प्रावधान है। 'संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश (तीसरा संशोधन) विधेयक, 2022'को भी सदन ने मंजूरी दे दी, जिसमें हिमाचल प्रदेश के हाटी समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) की श्रेणी में शामिल करने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, सदन ने 'संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश (पांचवां संशोधन) विधेयक, 2022' को मंजूरी दी जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित 12 समुदायों को जनजातीय सूची में शामिल करने का प्रावधान है। साथ ही,'संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश (चौथा संशोधन) विधेयक, 2022' को मंजूरी मिली जिसमें कर्नाटक की दो आदिवासी जातियों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) की श्रेणी में लाने का प्रावधान है। निचले सदन ने समुद्री मार्ग पर जहाजों को लूटने वाले दस्युओं पर शिकंजा कसने और महासागरों के माध्यम से व्यापार को प्रभावी एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से प्रस्तुत 'समुद्री जलदस्युता रोधी विधेयक 2022' को भी मंजूरी दी।

### राज्यसभा के कामकाज

सदन में कई महत्वपूर्ण विधेयकों को चर्चा कर पारित किया गया और कई जरूरी मामलों पर सदन में चर्चा हुई। सत्र के दौरान धनखड़ ने बतौर सभापति पहली बार सदन की कार्यवाही का संचालन किया। राज्यसभा में तमिलनाडु तथा कुछ अन्य राज्यों की विभिन्न जातियों को अनुसूचित जनजाति में डालने संबंधी विधेयकों, समुद्री मार्ग पर जहाजों को लूटने वाले दस्युओं पर शिकंजा कसने और महासागरों के माध्यम से व्यापार को प्रभावी एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से प्रस्तुत 'समुद्री जलदस्युता रोधी विधेयक 2022' को भी मंजूरी दी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प के मुद्दे पर तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने कोविड महामारी के संबंध में बयान दिया। सत्र के दौरान उच्च सदन ने वर्तमान वित्त वर्ष के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों को चर्चा कर लोकसभा को लौटा दिया।

## वैश्विक पर्यटन स्थल बनेगा अयोध्या

# सीएम योगी ने कहा- डबल इंजन की सरकार करेगी विकास...

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को एक विश्व स्तरीय सुविधाओं से युक्त धार्मिक, वैदिक और आध्यात्मिक नगर के रूप में स्थापित करने का संकल्प दोहराते हुए रविवार को कहा कि भाजपा की ''डबल इंजन'' की सरकार भगवान राम की जन्म स्थली को वैश्विक पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित करेगी। मुख्यमंत्री ने अयोध्या में 1057 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 46 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

उसके बाद प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अयोध्या के विकास के लिए राज्य और केंद्र सरकार ने 30,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार इस नगर के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार न सिर्फ अयोध्या के धार्मिक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को बढ़ावा देगी बल्कि यहां के निवासियों के कल्याण के लिए मूलभूत सुविधाओं का विकास भी करेगी। उन्होंने कहा कि अब भगवान राम की जन्म स्थली एक वैश्विक पर्यटन स्थल बनेगी और यह नए भारत के नए उत्तर प्रदेश की तस्वीर को दुनिया के सामने रखेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से तो आगे बढ़ेंगे ही, भौतिक विकास के भी नित नये प्रतिमान स्थापित करेंगे। इस उद्देश्य से आज हम सब यहां उपस्थित हुये हैं। आज भारत दुनिया की एक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है।'' आदित्यनाथ ने इस मौके पर सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सहायता राशियों के चेक के अलावा चाबियां और प्रमाण पत्र भी वितरित किए। उन्होंने कहा कि अयोध्या मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन जन्मभूमि है और 500 वर्षों का इंतजार समाप्त करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण का कार्य हो रहा है।

भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में जल्द ही शांति खुशहाली सौहार्द और जनकल्याण की योजनाएं बनाने वाले शीर्ष 20 देशों की सूची में शामिल होगा। मुख्यमंत्री ने प्रबुद्ध जनों से मुखातिब होते हुए कहा कि हम सभी को वर्ष 2047 तक अपनी इच्छा का भारत बनाने के लिए अयोध्या, उत्तर प्रदेश और भारत के लिए अपनी रणनीति की परिकल्पना करनी होगी। अयोध्या के विकास का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस स्मार्ट सिटी मिशन के तहत अयोध्या की सड़कों को चौड़ा किया जा रहा है।

### योगी का अखिलेश-शिवपाल पर तंज

## सपा की सरकार की तरह नहीं कि चाचा-भतीजा वसूली के लिए निकल जाएं'

योगी आदित्यनाथ ने साफ तौर पर कहा कि पिछले 5 सालों में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने बिना किसी भेदभाव के सभी तक शासन के काम को पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान भाजपा सरकार ने मुफ्त में टेस्टिंग से लेकर टीके तक की व्यवस्था की।

उत्तर प्रदेश के रामपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं। आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार के कामकाज को गिनाया और साथ ही साथ समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछले 5 साल में सबसे अधिक उपचुनाव अगर किसी ने झेले हैं तो उनमें से रामपुर एक है। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव होना रामपुर के विकास को बाधित करने जैसा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बार-बार चुनाव से मुक्ति पाइए और भाजपा प्रत्याशी को रामपुर से विजई बनाइए और यहां के विकास को रफ्तार दिलाइए। उन्होंने कहा कि एक वक्त था जब रामपुर की अपनी अलग पहचान थी। लेकिन वह कौन लोग हैं जिन्होंने रामपुर के इस पहचान को समाप्त किया।

योगी आदित्यनाथ ने साफ तौर पर कहा कि पिछले 5 सालों में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने बिना किसी भेदभाव के सभी तक शासन के काम को पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान भाजपा सरकार ने मुफ्त में टेस्टिंग से लेकर टीके तक की व्यवस्था की। लेकिन समाजवादी पार्टी के लोग भ्रम फैला रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के डबल इंजन सरकार ने बिना चेहरा देखे राशन का डबल डोज भी लोगों को देने का काम किया है। कोई यह नहीं कह सकता कि योजनाओं में कोई भेदभाव हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने हर व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन लाने का काम किया है।

# उत्तर भारत में बढ़ रहा ठंड का कहर

## शीत लहर का अलर्ट जारी, कोहरे की चादर में लिपटे अधिकतर राज्य

उत्तर भारत के कई राज्यों में शीत लहर का अलर्ट जारी हो गया है। दिल्ली में 25 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ये सामान्य तापमान से तीन डिग्री कम है। इस दिन मध्यम कोहरा भी छाया रहा। उत्तर भारत ठंड से ठिठुरने लगा है। ठंड का सितम यहां जारी है। अब दिल्ली समेत उत्तर भारत के अधिकतर राज्यों में कोहरा छाने के कारण तापमान तेजी से नीचे गिरने लगा है। इसी बीच सूरज भी आसमान से ताकांझाकी करने में लगा है। सूरज की रोशनी भी उत्तर भारतियों को नहीं मिल रही है जिस कारण तापमान अधिक गिरता जा रहा है।

उत्तर भारत के अधिकतर राज्यों में पारा लगातार नीचे गिर रहा है। जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में तापमान 5.8 डिग्री दर्ज किया गया है। इस सीजन का ये सबसे कम तापमान दर्ज हुआ है। इसकी के साथ इस मौसम की सबसे सर्द रात भी दर्ज की गई है।

उत्तर भारत के अन्य राज्य जैसे हरियाणा, पंजाब, दिल्ली आदि में भी ठंड का प्रकोप जारी है। वहीं मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि 26 दिसंबर को हिमालय के हिस्सों में हल्की बारिश होने की सभावना है। यहां हल्की बर्फबारी भी हो सकती है। वहीं इस दौरान उत्तर भारत के कई राज्यों जैसे पंजाब, हरियाणा, उत्तरी राजस्थान में घना कोहरा छाया रह सकता है। इस कारण मैदानी इलाकों में शीत लहर का सामना करना पड़ सकता है।

### पंजाब में छाएगा कोहरा

वहीं मौसम विभाग ने पंजाब में कोहरा छाए रहने की संभावना व्यक्त की है। अगले पांच दिनों तक पंजाब में घना कोहरा

छाया रह सकता है। घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी में भी गिरावट हो सकती है। ऐसे में वाहन चालकों से अपील की गई है कि गाड़ी चलाने में सावधानी बरतें। राज्य के कई शहरों में तापमान में भी भारी गिरावट हो सकती है। यहां तापमान 4-5 डिग्री पर पहुंच सकता है।

### कश्मीर में ठंड बढ़ी

कश्मीर में न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से कई डिग्री नीचे गिर गया है। कई जगहों पर मौसम की सबसे सर्द रात 24 दिसंबर को दर्ज की गई। मौसम विभाग के कार्यालय ने बताया कि इस साल घाटी में क्रिसमस शुष्क, लेकिन ठंडा रहा। हालांकि, अगले हफ्ते बारिश की संभावना है। अधिकारियों के मुताबिक, शनिवार की रात न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से कई डिग्री नीचे चला गया और गुलमर्ग को छोड़कर पूरी घाटी में सामान्य से नीचे रहा। अधिकारी ने कहा कि कड़ाके की ठंड की वजह से कई इलाकों में पानी की आपूर्ति करने वाले पाइप जम गए हैं, और साथ ही डल झील का अंदरूनी हिस्सा भी जम गया है। अधिकारियों ने कहा कि श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 5.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

# सर्दियों में इन टिप्स को करें फॉलो और रहें बिलकुल तरोताजा...

**सर्दियों में तुरंत बिस्तर छोड़ने की इच्छा नहीं होती। भूख बढ़ जाती है और शारीरिक मेहनत कम हो जाती है। लेकिन छोटी-छोटी बातों के साथ सुबह की शुरुआत की जाए तो यह मौसम आपके स्वास्थ्य व सौंदर्य के लिए वरदान साबित होगा।**

## बिस्तर छोड़ने के पहले व्यायाम

जैसे ही आप बिस्तर से उठते हैं अपने शरीर को तानिए और ढीला छोड़िए। फिर से तानिए और ढीला छोड़िए। चार-पांच बार इस क्रिया को दोहराइए। ऐसा करने से शरीर में गर्मी के तापक्रम में वृद्धि होगी। यदि आपके पास समय है तो एक ही स्थान पर खड़े होकर कुछ देर जॉगिंग कीजिए। ऐसा करने से भी शरीर में चुस्ती-फुर्ती आएगी और आपके अगले काम फटाफट होंगे।

## उबटन स्नान और ताजगी

स्नान में साबुन को अधिक महत्व न दीजिए। कोई-सा भी उबटन लगाइए। बांहों, पैरों, घुटनों, पीठ एवं गर्दन को उबटन से रगड़िए, उसके बाद नहाइए। फिर खुरदरे तौलिए से बदन पोंछिए। इस तरह के स्नान से ताजगी, चुस्ती और गर्मी महसूस होगी।

## डटकर खाइए

इन दिनों भूख अधिक लगती है और भूखे पेट सर्दी अधिक लगती है। सुबह पौष्टिक नाश्ता भरपूर कीजिए। खाने में भरपूर ऊर्जा प्रदान करने वाला भोजन कीजिए। इसमें प्रोटीन, पनीर, दूध, अनाज, आलू, ताजे फल और हरी सब्जियों का सेवन कीजिए। गरमागरम सूप लेना भी इन दिनों अच्छा रहता है।

## गर्म कपड़े भरपूर पहनें लेकिन...

मौसम के अनुसार कपड़ों का चयन कीजिए। शोख रंगों को अपनाइए। सर्दी से बचाव का बढ़िया तरीका है एक ही भारी-भरकम गर्म लबादे के बजाए पतली तह वाले कई गर्म कपड़े पहनिए। अंदर के वस्त्र कॉटन के ही हों तो बेहतर होगा। दस्ताने और मौजे पहनने से कतराइए नहीं इनसे आपको आराम भी मिलेगा और त्वचा की सुरक्षा भी होगी। गर्म कपड़े ठंड के अनुसार पहनें लेकिन कभी-कभी शरीर को ठंड लगने भी दीजिए। मौसम का मजा लेना भी जरूरी है।

**पैदल चलिए** : यदि आप कामकाजी हैं व ऑफिस आपके घर से ज्यादा दूर नहीं है तो संभव हो सके तो आप पैदल ही जाइए। इससे रक्त संचार बढ़ेगा, जो सर्दी को कम करेगा। इस मौसम में लिफ्ट का प्रयोग कम से कम कीजिए। दिन में दो-चार बार सीढ़ियां अवश्य चढ़िए। इससे शरीर का व्यायाम भी होगा और गर्मी भी आएगी। यदि आपका काम पैदल चलने का अधिक नहीं है तो जब भी समय मिले घर में ही तेज चाल से कुछ देर चलिए। पैदल चलना शरीर को गर्मी पहुंचाता है।

## हाथ-पैरों को बचाएं

एड़ियां व होंठों को फटने से बचाएं। पैरों की मालिश करके सर्दी से बचाएं। घर में स्लीपर के साथ मोजे पहने रहें। बिवाई नहीं पड़ेगी। होंठों पर वैसलीन व चैपस्टिक लगाती रहें, इससे ये सूखेंगे नहीं।

## शोख कलर पहनिए

शोख कपड़ों के साथ-साथ मेकअप भी शोख रंगों से कीजिए। ब्राउन या लाल रंग के विभिन्न शेड लिपस्टिक के इन दिनों खूब फबेंगे। यदि आप आंखों का मेकअप करती हैं तो स्लेटी, भूरे, सुनहरे और तेज रंग के आई शेडो का इस्तेमाल करें।

## कमरे का तापक्रम

बहुत अधिक गरम या एयर कंडीशनरयुक्त रूम में न सोएं। इससे आप सर्दी से तो बच जाएंगे, पर सुबह उठने पर आप अपने आपको तरोताजा महसूस करने की अपेक्षा सुस्ती से घिरा पाएंगे।

## मॉइश्चराइजर बेहतरीन साथी

इन दिनों सर्द हवाओं के साथ-साथ धूप का व्यापक प्रभाव भी त्वचा पर पड़ता है। अतः कोल्ड क्रीम के साथ मॉइश्चराइजर का भी प्रयोग करें। त्वचा की नमी बनाए रखने के लिए पेट्रोलियम, लेनोलिन, मिनरल ऑइल, ग्लिसरीन आदि का भी प्रयोग करें। ये नमी प्रदान करने वाले तत्व त्वचा की रक्षा भी करेंगे। प्रतिदिन चेहरे की सफाई क्लींजिग मिल्क से करें। विंटर केयर लोशन कोल्ड क्रीम व मॉइश्चराइजर दोनों की कमी पूरा करता है। किसी अच्छी कंपनी का लोशन इन दिनों के लिए चुन लें। आपकी त्वचा पर मौसम का अतिरिक्त प्रभाव नहीं पड़ेगा।

# एलोवेरा फेस पैक

## सर्दियों में आपकी स्किन का ख्याल रखेगा

एलोवेरा स्किन की कई तरह की प्रॉब्लम्स को नेचुरल तरीके से दूर कर सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको एलोवेरा की मदद से बनने वाले कुछ ऐसे फेस पैक के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप विंटर में आसानी से बनाकर अपनी स्किन का ख्याल रख सकते हैं।

जब ठंड का मौसम होता है तो स्किन को अतिरिक्त केयर की जरूरत होती है ताकि स्किन अधिक स्मूद नजर आए। इस मौसम में स्किन का ख्याल रखने के लिए एलोवेरा का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। दरअसल, एलोवेरा स्किन की कई तरह की प्रॉब्लम्स को नेचुरल तरीके से दूर कर सकता है।

### एलोवेरा जेल और टी ट्री ऑयल से बनाएं फेस पैक

अगर आपकी स्किन बहुत अधिक ऑयली है या फिर एक्ने प्रोन है तो ऐसे में आप इस फेस पैक को बना सकती हैं।
आवश्यक सामग्री- 2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल, 1 बड़ा चम्मच रोज वाटर, 2-3 बूंद टी ट्री ऑयल, इस्तेमाल करने का तरीका, सबसे पहले आप एलोवेरा के पत्ते को तोड़कर उसका जेल निकाल लें।, अब आप इस जेल में रोज वाटर और 2-3 बूंद टी ट्री ऑयल मिलाएं।, अब आप इसे पैक को अपने चेहरे पर 15-20 मिनट के लिए लगाएं और फिर इसे धो लें।, आप सप्ताह में एक से दो बार इस फेस पैक को लगा सकते हैं।

### एलोवेरा और विटामिन ई से बनाएं फेस पैक

अगर आपकी स्किन को विंटर में डीप नरिश्मेंट देना चाहती हैं तो ऐसे में एलोवेरा जेल को विटामिन ई ऑयल कैप्सूल को मिक्स करें।
आवश्यक सामग्री-2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल, एक विटामिन ई कैप्सूल
इस्तेमाल करने का तरीका-
• सबसे पहले एलोवेरा के पत्ते को तोड़कर उसका जेल निकाल लें।
• इसके बाद आप बाउल में विटामिन ई कैप्सूल का ऑयल मिक्स करें।
• अब आप अपने चेहरे को वॉश करें और इस पैक को लगाएं। • करीबन दस मिनट बाद आप अपने चेहरे को पानी की मदद से वॉश करें।

### एलोवेरा और शहद से बनाएं फेस पैक

अगर विंटर में आप अपनी रूखी स्किन से परेशान रहते हैं तो ऐसे में एलोवेरा और शहद की मदद से फेस पैक बना सकते हैं-
आवश्यक सामग्री- दो बड़े चम्मच एलोवेरा जेल, एक चम्मच शहद, एक चम्मच रोज वाटर

### फेस पैक बनाने का तरीका

• फेस पैक बनाने के लिए आप सबसे पहले एलोवेरा का पत्ता तोड़कर उसका जेल निकाल लें।
• अब आप इस जेल में शहद व रोज वाटर मिक्स करें। • इसके बाद आप अपने फेस को क्लीन करके इस पैक को चेहरे पर लगाएं और बेहद हल्के हाथों से मसाज करें।
• करीबन 10 मिनट बाद गुनगुने पानी की मदद से फेस वॉश करें।

## क्यों होते है पेट में कीड़े

छोटे बच्चे अक्सर मिट्टी या गंदे हाथ मुंह में डाल लेते हैं या फिर गंदे कपड़े पहनने और शरीर की सही सफाई न करने से उनके पेट में कीड़े हो सकते हैं। बड़ों में यह समस्या दूषित भोजन या पानी के कारण होती है। पेट के कीड़े आंतों में जाकर खून चूसते हैं जिससे संक्रमण गंभीर हो सकता है। पेट में कीड़े होने की समस्या आमतौर पर बच्चों को अधिक होती है, लेकिन यह समस्या बड़ों को भी हो सकती है। चूकि पेट में कीड़े होने पर हमेशा लक्षण नहीं दिखते हैं, इसलिए समय पर इसका पता लगाना मुश्किल हो जाता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि पेट के कीड़ों की समस्या का पता यदि शुरुआत स्तर पर ही लग जाए तो कुछ घरेलू उपाय के जरिए इसे दूर किया जा सकता है।

### पेट में कीड़े क्यों होते हैं?

चिकित्सकों के अनुसार, छोटे बच्चे अक्सर मिट्टी या गंदे हाथ मुंह में डाल लेते हैं या फिर गंदे कपड़े पहनने और शरीर की सही सफाई न करने से उनके पेट में कीड़े हो सकते हैं। बड़ों में यह समस्या दूषित भोजन या पानी के कारण होती है। पेट के कीड़े आंतों में जाकर खून चूसते हैं जिससे संक्रमण गंभीर हो सकता है। पेट के कीड़े होने पर बच्चे जो भी खाते-पीते है वह शरीर में नहीं लगता है।

### पेट के कीड़ों का घरेलू उपचार

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, पेट में कीड़े होने पर आप कुछ घरेलू तरीके अपनाकर इससे छुटकारा पा सकते हैं।
▪ पेट के कीड़ों से बचने के लिए सबसे जरूरी है हाइजीन का ध्यान रखना। खाने पहले और बच्चों को कुछ खिलाने से पहले अपने हाथ अच्छी तरह से धो लें। बच्चे को मुंह में हाथ डालने से रोके और बार-बार हाथ धुलाते रहें।
▪ बड़ों को सड़क किनारे मिलने वाला खुला भोजन और कटे फल नहीं खाने चाहिए। घर में भी खाना हमेशा ढंककर रखें।
▪ बच्चों को आप आधा चम्मच प्याज का रस भी 2-3 दिन तक पिला सकते हैं, इससे भी कीड़े खत्म हो जाते हैं।

# विश्व कप में करीब 10 महीने बाकी, उससे पहले 18 वनडे खेलेगा भारत

**वनडे टीम के नियमति खिलाड़ी शिखर धवन पहले ही कह चुके हैं कि बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी शुरू हो जाएगी। भारत को आगे कुल मिलाकर 18 वनडे खेलने हैं।**

टीम इंडिया ने अगले साल अपने घर में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी शुरू कर दी है। अगले साल अक्तूबर-नवंबर में वर्ल्ड कप प्रस्तावित है। हालांकि, इसका शेड्यूल जारी नहीं हुआ है। हालांकि, शिखर धवन पहले ही कह चुके हैं कि बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी शुरू हो जाएगी। भारत को आगे कुल मिलाकर 18 वनडे खेलने हैं। इसके अलावा टीम को नौ टी20 और आठ टेस्ट भी खेलने हैं।

अगले साल एशिया कप भी प्रस्तावित है, जो कि वनडे फॉर्मेट में खेला जाएगा। टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल से बाहर होने के बाद टीम इंडिया में बदलाव की मांग की जा रही थी। हालांकि, बीसीसीआई अगले साल वर्ल्ड कप को देखते हुए वनडे फॉर्मेट में रोहित शर्मा को ही बतौर कप्तान बनाए रखने का फैसला ले सकता है। वहीं, ज्यादातर सीनियर खिलाड़ी भी अगले साल विश्व कप में खेलते दिखेंगे। इनमें रोहित-धवन के अलावा विराट कोहली भी शामिल हैं। इनका यह आखिरी वनडे विश्व कप हो सकता है।

हाल ही में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली थी, लेकिन 1-0 से हार का सामना करना पड़ा था। दो मैच बारिश से धुल गए थे। इस सीरीज में टीम इंडिया की बैटिंग तो अच्छी रही, लेकिन गेंदबाजों ने खराब प्रदर्शन किया था। वर्ल्ड कप को देखते हुए टीम इंडिया को इसमें सुधार करना होगा।

भारतीय टीम को आगामी विश्व कप तक तीन-तीन वनडे की छह सीरीज खेलनी है। इसमें बांग्लादेश, श्रीलंका, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज

शामिल है। साथ ही टीम को एशिया कप में भी हिस्सा लेना है। भारत मेजबान होने के नाते पहले ही वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर चुका है। इसके अलावा इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान की टीम भी क्वालिफाई कर चुकी है। वेस्टइंडीज, श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका को क्वालिफायर खेलना पड़ सकता है। इसके अलावा आयरलैंड, जिम्बाब्वे और नीदरलैंड की टीम भी क्वालिफायर खेलेगी।

## राउंड रॉबिन फॉर्मेट में होगा 2023 वनडे वर्ल्ड कप

2023 का वनडे वर्ल्ड कप राउंड रॉबिन फॉर्मेट में खेला जाएगा। यानी 2019 में हुए वर्ल्ड कप की तरह सभी 10 टीमें एक दूसरे के खिलाफ मैच खेलेंगी। एक टीम कुल नौ मैच खेलेगी ।

## अगले साल वर्ल्ड कप से पहले भारत के तय मैच

| खिलाफ | मैच | कब |
|---|---|---|
| बांग्लादेश | 3 वनडे, 2 टेस्ट | दिसंबर 2022 |
| श्रीलंका | 3 वनडे, 3 टी20 | जनवरी 2023 |
| न्यूजीलैंड | 3 वनडे, 3 टी20 | जनवरी-फरवरी 2023 |
| ऑस्ट्रेलिया | 3 वनडे, 4 टेस्ट | मार्च 2023 |
| वेस्टइंडीज | 3 वनडे, 2 टेस्ट, 3 टी20 | जुलाई 2023 |
| एशिया कप | अभी तय नहीं | सितंबर 2023 |
| ऑस्ट्रेलिया | 3 वनडे | सितंबर 2023 |
| वनडे वर्ल्ड कप | | अक्तूबर-नवंबर 2023 |

### एशिया कप को लेकर रमीजा राजा ने फिर दी धमकी...

# मेजबानी छीनी तो टूर्नामेंट से हटेंगे

अगले साल पाकिस्तान में होने वाले एशिया कप को लेकर पीसीबी के चेयरमैन रमीज राजा के बयान रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। रमीज राजा मेजबानी और भारत के खेलने पर लगातार कुछ न कुछ बोल रहे हैं। अब उन्होंने कहा कि अगर उनसे मेजबानी छीनी जाती है तो पाकिस्तान की टीम टूर्नामेंट में नहीं खेलेगी। एक हफ्ते पहले उन्होंने कहा था कि अगर भारत एशिया कप के लिए हमारे यहां नहीं आता है तो हम वनडे विश्व कप के लिए उनके यहां नहीं जाएंगे।

रमीज राजा ने रावलपिंडी में पाकिस्तान-इंग्लैंड टेस्ट से इतर कहा, 'ऐसा नहीं है कि हमारे पास मेजबानी के अधिकार नहीं हैं और हम इसकी मेजबानी करने की अपील कर रहे हैं। हमने निष्पक्ष अधिकार जीते हैं। अगर भारत नहीं आता है, तो वे नहीं आएं। अगर पाकिस्तान से एशिया कप छीन लिया जाता है, तो शायद हम बाहर हो जाएंगे।' रमीज राजा ने कहा, ''हमने दिखाया है कि हम बड़ी टीमों की मेजबानी कर सकते हैं। मैं द्विपक्षीय क्रिकेट से संबंधित मुद्दों को समझ सकता हूं, लेकिन एशिया कप एक बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट है। एशियाई देशों के लिए लगभग विश्व कप जितना बड़ा है। अगर मेजबानी हमसे वापस ही लेनी थी तो हमें क्यों दी गई? फिर भारत के पाकिस्तान दौरे के लेकर तरह-तरह के बयान क्यों दिए गए? मैं स्वीकार करता हूं कि भारत नहीं आएगा क्योंकि सरकार उन्हें आने की अनुमति नहीं देगी, लेकिन इस आधार पर मेजबानी तो नहीं छीनी जा सकती।''

दरअसल, एशिया कप 2023 पहले पाकिस्तान में होना था। हालांकि, एशियन क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन जय शाह ने कहा था कि इसे न्यूट्रल जगह पर कराया जाएगा। उन्होंने कहा था कि इसे यूएई भी शिफ्ट किया जा सकता है। जय शाह ने कहा- एशिया कप 2023 न्यूट्रल वेन्यू पर खेला जाएगा। भारत सरकार हमारी टीम के पाकिस्तान जाने की अनुमति पर फैसला करती है, इसलिए हम उस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन 2023 एशिया कप के लिए यह तय किया गया है कि टूर्नामेंट एक न्यूट्रल वेन्यू पर आयोजित किया जाएगा। जय शाह के इस बयान के बाद पाकिस्तान में खलबली मच गई थी। भारतीय टीम पिछली बार 2008 में पाकिस्तान गई थी। वहीं, पाकिस्तानी टीम 2016 में भारत की जमीन पर टी20 विश्व कप में खेलने आई थी। तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण पाकिस्तान के 2012-13 में सफेद गेंद की सीरीज के लिए भारत का दौरा करने के बाद से दोनों देशों के बीच कोई द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं हुआ है।

# कैलोरी बर्न करने में मददगार है बादाम सेवन से और क्या लाभ हैं

अगर आप भी वजन कम करने की कोशिशों में लगे हुए हैं तो बादाम का सेवन करना आपके लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। वर्षों से इस नट का सेवन कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ के लिए किया जाता रहा है। इस बीच एक हालिया अध्ययन में पाया गया है कि बादाम खाना कैलोरी बर्न करने में भी फायदेमंद हो सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं ने हाल ही में किए अध्ययन में पाया कि रोजाना मुट्ठी भर बादाम खाना वजन को बढ़ने से रोकने में मदद करता है। बादाम भूख को कंट्रोल करने में लाभकारी पाया गया है। इसके नियमित सेवन से शरीर को और भी कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं। शोधकर्ताओं की टीम ने पाया कि बादाम खाने से भूख को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को बढ़ावा मिलता है, जो वजन को कंट्रोल करने में आपके लिए सहायक है। वजन को कम करने के अलावा बादाम के सेवन को मस्तिष्क को स्वस्थ रखने वाले प्रभावी नट के तौर पर भी करना लाभकारी हो सकता है।

## अध्ययन में क्या पता चला?

शोधकर्ताओं की टीम ने पाया कि बादाम का सेवन करने वालों में सी-पेप्टाइड प्रतिक्रियाओं का बेहतर स्तर देखा गया। सी-पेप्टाइड प्रतिक्रियाएं इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार कर सकती हैं और मधुमेह और हृदय रोग के विकास के जोखिम को कम करती हैं। ऐसे लोगों में अग्नाशयी पॉलीपेप्टाइड का भी उच्च स्तर देखा गया, ये दोनों वजन घटाने में सहायक हो सकते हैं। बादाम का सेवन से वजन को कंट्रोल करने में आपको मदद मिल सकती है।

## ब्लड शुगर रहता है कंट्रोल

ज्यादातर नट्स को ब्लड शुगर के स्तर को कम करने वाला माना जाता है। नट्स कार्ब्स में कम होते हैं लेकिन ये स्वस्थ वसा, प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होते हैं। मधुमेह वाले लोगों के लिए बादाम खाना बेहतर विकल्प हो सकता है। बादाम में मैग्नीशियम की भी उच्च मात्रा पाई जाती है, इसे रक्त शर्करा के स्तर को कंट्रोल करने वाले तत्वों में से माना जाता है। डायबिटीज रोगियों के लिए यह बेहतर विकल्प हो सकता है।

## रक्तचाप रहता है नियंत्रित

बादाम में मौजूद मैग्नीशियम प्रभावी तरीके से रक्तचाप के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है। उच्च रक्तचाप, दिल के दौरे, स्ट्रोक और किडनी फेलियर के लिए रक्तचाप बढ़ने को एक कारण के तौर पर जाना जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि आहार में मैग्नीशियम वाली चीजों की मात्रा को बढ़ाकर ब्लड प्रेशर को कम किया जा सकता है। सभी लोगों को रक्तचाप को नियंत्रित करने वाले उपाय करते रहना चाहिए।

# सर्दियों में शरीर को गर्म रखेंगी ये चीजें

देश के कई राज्यों में तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम में यह बदलाव आपको बीमार कर सकती है। यही कारण है कि सभी लोगों को शरीर को गर्म रखने वाले उपाय करते रहने की सलाह दी जाती है। शरीर को गर्म रखने के लिए सामान्यतौर पर लोग सर्दियों में अधिक चाय पीने लगते हैं, हालांकि यह एसीडिटी का कारण बन सकती है। ऐसे में हमें उन विकल्पों के बारे में विचार करना चाहिए जो शरीर को आंतरिक रूप से गर्म रखने में आपके लिए मदद कर सकें। आहार विशेषज्ञों ने बताया कि इसके लिए किचन में मौजूद कुछ चीजें विशेष लाभकारी हो सकती हैं।

## हल्दी के हो सकते हैं कई लाभ

हल्दी को उन प्रभावशाली मसालों में से एक माना जाता है जिसका सेवन शरीर के लिए कई प्रकार से फायदेमंद हो सकता है। हल्दी, एंटी-इंफ्लामेटरी, एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होती है जो संक्रमण के जोखिम से बचाने के साथ शरीर को गर्म और आरामदायक रखने में आपके लिए लाभकारी हो सकती है। सर्दियों के मौसम में रोजाना रात में हल्दी को दूध में उबालकर इसका सेवन कर सकते हैं। इसे अच्छी नींद पाने में भी सहायक माना जाता है।

## अदरक के फायदे

हम सभी के किचन में मौजूद अदरक भी बहुत प्रभावी औषधियों में से एक है, जो शरीर को अंदर से गर्म बनाए रखने में मदद करतr है। इसके अतिरिक्त, यह शरीर की शक्ति और पाचन को मजबूती देने के साथ खांसी और सर्दी को ठीक करने में भी फायदेमंद है। अदरक का सेवन करना सिरदर्द और थकान को भी कम करता है। अध्ययनों में पाया गया है कि खांसी में अदरक का सेवन आपकी जटिलताओं को कम करने में मददगार है।

## दालचीनी से होने वाले फायदे

दालचीनी, मेटाबॉलिज्म को बेहतर रखने वाली प्रभावी औषधि है जिसे डायबिटीज के रोगियों के लिए काफी फायदेमंद औषधि के तौर पर जाना जाता है। शरीर में गर्मी पैदा करने के साथ सर्दी के मौसम के कारण होने वाले जुकाम-खांसी को कम करने में भी इसके लाभ हैं।

# पाचन ठीक तो सेहत बेहतर

## आहार में प्रीबायोटिक्स वाली इन चीजों को जरूर करें शामिल

हमारा शरीर कितना स्वस्थ है, इसका अंदाजा पाचन स्वास्थ्य से बेहतर तरीके से लगाया जा सकता है। भोजन के पाचन से लेकर इससे पोषक तत्वों के अवशोषण तक के लिए पाचन अंगों का ठीक तरीके से काम करते रहना और इनका स्वस्थ रहना बहुत आवश्यक माना जाता है। डॉक्टर्स कहते हैं, पाचन को ठीक रखकर कई प्रकार की गंभीर बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। इसके लिए स्वस्थ आहार का चयन करना बहुत आवश्यक है। आहार में प्रीबायोटिक्स वाली चीजों को शामिल करके आंत के गुड बैक्टीरिया को बढ़ावा देने और पाचन विकारों के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। आमतौर पर प्रीबायोटिक्स का नाम लेते ही सबसे पहला ख्याल दही का आता है, पर दही के अलावा भी कई ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जिससे शरीर के लिए आवश्यक प्रीबायोटिक्स की आसानी से प्राप्ति हो सकती है।

प्रोबायोटिक्स, आंतों में गुड बैक्टीरिया को बनाए रखने में मदद करते हैं जिससे भोजन का ठीक तरीके से पाचन हो पाता है और पोषक तत्वों का अवशोषण भी बढ़ता है। आइए जानते हैं कि प्रोबायोटिक्स के लिए दही के अलावा किन चीजों को आहार का हिस्सा बनाया जा सकता है?

### कच्चा पनीर भी है प्रोबायोटिक्स का एक उत्कृष्ट स्रोत

कच्चा पनीर प्रोबायोटिक्स का एक उत्कृष्ट स्रोत है, हालांकि इसे पकाने से इस प्रकार के लाभ कम हो जाते हैं। पनीर को कच्चा खाने की आदत शरीर को प्रोटीन और कैल्शियम की भी पूर्ति करने में सहायक है।अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि नियमित रूप से कच्चा पनीर खाना शरीर के लिए आवश्यक प्रोटीन की आवश्यकताओं की आसानी से पूर्ति करने में सहायक हो सकता है। यह आंतों के लिए भी काफी फायदेमंद है।

### प्रोबायोटिक्स की मात्रा डार्क चॉकलेट में

डार्क चॉकलेट के सेवन से कई प्रकार के लाभ मिलते हैं, ज्यादातर अध्ययनों में इसे तनाव को कम करने और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में लाभकारी बताया गया है, पर क्या आप जानते हैं कि इसमें प्रोबायोटिक्स की भी मात्रा होती है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड माइक्रोबायोलॉजी (2010) के एक अध्ययन में पाया गया है कि डार्क चॉकलेट में मौजूद प्रोबायोटिक्स, दही की तुलना में पेट और छोटी आंतों पर बेहतर तरीके से काम करते हैं।

### सेब में भी होती है प्रोबायोटिक्स

ठीक ही कहा गया है, 'रोजाना एक सेब का सेवन आपको डॉक्टर से दूर रखता है। सेब को डाइट्री फाइबर और प्रोबायोटिक्स का समृद्ध माना जाता है। सेब का सेवन शरीर को विटामिन्स और खनिजों की पूर्ति करने के साथ आंतों को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक प्रोबायोटिक्स भी प्रदान करता है। यही कारण है कि पाचन के लिए सेब को बेहतर फलों में से एक माना जाता है। नियमित रूप से सेब खाने की आदत बनाना शरीर के लिए बहुत लाभकारी है।

### अलसी के बीज के लाभ

अलसी के बीज प्रीबायोटिक्स का एक अन्य महत्वपूर्ण स्रोत हैं। फ्लैक्स सीड्स में फाइबर और प्रीबायोटिक्स की मात्रा होती है जो आंत के बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं। यह भोजन को पचाने और पोषक तत्वों को अवशोषित करने में मददगार है। अलसी का कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ के लिए वर्षों से घरेलू उपाय के तौर पर भी प्रयोग किया जाता रहा है।

# वाराणसी का महाश्मशान ...मणिकर्णिका जहां पर जलती चिताओं के बीच होता है नृत्य

मणिकर्णिका घाट को अंतिम संस्कार के लिए बहुत ही पवित्र माना जाता है। यहां चिता की आग हमेशा जलती रहती है अर्थात यहां हर समय किसी ना किसी का अंतिम संस्कार हो रहा होता है। कहते है भगवान शिव ने इस घाट को वरदान दिया है कि इस घाट पर जिनका अंतिम संस्कार होगा उन्हें असीम अनंत शांति की प्राप्ति होगी।

वैसे तो बनारस के सभी 84 गंगा घाट अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण है। सबका अपना एक अलग ही इतिहास है अलग ही महत्ता है सभी की अपनी विशेषतायें है। किसी घाट की सुबह प्रसिद्ध है तो किसी की शाम, किसी गंगा घाट की आरती लोगो को भाती है तो किसी गंगा घाट का स्नान लोगो आनंददायी लगता है। कुछ घाट ऐसे है जहां केवल दाह संस्कार किये जाते है। उन्ही घाटों में से एक है 'मणिकर्णिका घाट

## शिव का वरदान है यह घाट

इस घाट को अंतिम संस्कार के लिए बहुत ही पवित्र माना जाता है। यहां चिता की आग हमेशा जलती रहती है अर्थात यहां हर समय किसी ना किसी का अंतिम संस्कार हो रहा होता है। कहते है भगवान शिव ने इस घाट को वरदान दिया है कि इस घाट पर जिनका अंतिम संस्कार होगा उन्हें असीम अनंत शांति की प्राप्ति होगी।

## मणिकर्णिका नाम कैसे पड़ा

इस घाट के नाम के पीछे भी एक पौराणिक कथा प्रचलित है कहते है एक बार माँ पार्वती ने भगवान शिव से काशी भ्रमण की इच्छा व्यक्त की काशी भ्रमण के दौरान शिव जी ने स्नान के लिए एक कुंड खोदा, उस कुंड में स्नान के समय पार्वती जी के कान की बाली का एक मणि टूट कर गिर गया तभी से इस कुंड का नाम मणिकर्णिका पड़ गया।

## स्नान वर्जित है इस घाट पर

गंगा के सभी घाटों में स्नान किया जा सकता है लेकिन मणिकर्णिका में स्नान वर्जित है। लेकिन कार्तिक मास की बैकुण्ठ चतुर्दशी को यहाँ स्नान करने से सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है। मणिकर्णिका घाट पर वैशाख स्नान करने से भी मोक्ष की प्राप्ति होती है।

## चिताओं के बीच करते है नृत्य...

जीवन की इस नश्वरता का इस श्मशान में त्यौहार भी मनाया जाता है। साल में एक बार जलती चिताओं के बीच महोत्सव भी मनाया जाता है। काशी की सभी नगरवधुएं इसमें हिस्सा लेती है और नृत्य करती है। ऐसा करके वो भगवान नटराज को साक्षी मानकर यह कामना करती है की अगले जन्म में उन्हें नगरवधू बनने का कलंक न झेलना पड़े। यह परम्परा अकबर काल में राजा सवाई मान सिंह के से समय से शुरू होकर अब तक चली आ रही है।

## महाश्मशान है यह घाट

हिन्दू धर्म में शाम के समय अंतिम संस्कार नहीं किये जाते किन्तु मणिकर्णिका घाट की विशेषता है कि यहां 24 घंटे अंतिम संस्कार होते रहते है।इसीलिए महाश्मशान भी कहते है। आमेर के राजा सवाई मान सिंह ने इस घाट का निर्माण 1585 में कराया था। तभी से यहां रोज 200 -300 तक अंतिम संस्कार होते है। कहते है कि भगवान विष्णु ने भी इसी घाट पर भगवान् शिव की आराधना की थी और वरदान माँगा कि काशी को कभी भी नष्ट नहीं किया जाये। सृष्टि के विनाश के समय भी काशी अविनाशी रहे।

## माता सती का हुआ था अंतिम संस्कार

इस घाट की एक और मान्यता है माता सती का अंतिम संस्कार भी इसी घाट पर भगवान शिव द्वारा किया गया था इसीलिए इसे महाश्मशान भी कहते है।

## चिता की राख से होली

इस घाट पर फाल्गुन एकादशी को चिता की राख से होली खेलने की परम्परा है। मान्यता है की इसी दिन भगवान शिव ने माता पार्वती का गौना कराया था।प्रतीकात्मक रूप से जब माता पार्वती की डोली यहां से गुजरती है तो उनका स्वागत नाच गाने और रंगो से किया जाता है और चिता की राख से होली खेली जाती है। इस दिन यहां सभी अघोरी जमा होते है।

# अन्नपूर्णा जयंती, जानें इस दिन क्या करें क्या नहीं

अन्नपूर्णा जयंती मार्गशीर्ष मास की पूर्णिमा पर अपने भक्तों को सुख-सौभाग्य प्रदान करने वाली देवी अन्नपूर्णा की पूजा हर्ष और उल्लास के साथ की जाती है। ऐसा माना जाता है कि एक बार प्राचीन काल में, जब पृथ्वी पर अन्न की कमी हो गई थी, तब माता पार्वती (गौरी) ने अन्न की देवी के रूप में 'माँ अन्नपूर्णा' का अवतार लिया था, ताकि पृथ्वी के लोगों को भोजन प्रदान किया जा सके और अपने आनंद से समस्त मानव जाति की रक्षा करना। जिस दिन मां अन्नपूर्णा का जन्म हुआ था, वह हिंदी कैलेंडर में मार्गशीर्ष मास की पूर्णिमा थी। इसी कारण मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन 'अन्नपूर्णा जयंती' मनाई जाती है। अन्नपूर्णा देवी की इस दिन पूरी श्रद्धा और विधि-विधान से पूजा की जाती है क्योंकि उन्हें भक्तों के लिए देवी गौरी के सर्वश्रेष्ठ अवतारों में से एक माना जाता है। इस दिन मां अन्नपूर्णा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने से सुख-समृद्धि प्राप्ति होने की मान्यता है।

## अन्नपूर्णा जयंती 2022 मुहूर्त

पूर्णिमा तिथि आरंभः 7 दिसंबर, प्रातः 08:01 मिनट से। पूर्णिमा तिथि समाप्तः 8 दिसंबर प्रातः 9.37 पर। अन्नपूर्णा जयंती 8 दिसंबर 2022 को मनाई जाएगी।

## अन्नपूर्णा जयंती पर क्या करें

अन्नपूर्णा जयंती के दिन तामसिक भोजन का सेवन न करें। इस दिन गरीबों और ब्राह्मणों को भोजन कराना चाहिए। इस दिन जरूरतमंदों की मदद भी करनी चाहिए। अनपूर्णा जयंती के दिन अन्न का अपमान न करें। इस दिन गाय को खाना खिलाएं। इस दिन सामर्थ अनुसार जरूरतमंदों को दान करें।

## पूजा विधि

ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान आदि से निवृत होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद रसोई की अच्छे से सफाई कर गंगा जल से शुद्ध करें। इसके बाद लाल कपड़े पर मां अन्नपूर्णा की तस्वीर रखें। इसके बाद मां को टीका लगाएं और पुष्प अर्पित करें। इसके बाद चूल्हें पर रोली, हल्दी और अक्षत लगाएं। इसके बाद मां अन्नपूर्णा की धूप और दीप लगाकर पूजा करें। अब मां पार्वती और भगवान शिव की भी पूजा करें। पूजा के बाद चूल्हे पर चावल की खीर बनाएं। सबसे पहले माता को भोग लगाएं और इसके बाद प्रसाद के रूप में सबको बांटें।

## अन्नापूर्णा जयंती महत्व

पौराणिक कथा के मुताबिक मार्गशीर्ष मास की पूर्णिमा के दिन माता पार्वती मां अन्नपूर्णा के रूप में धरती पर प्रकट हुई थी। मान्यता है कि इस दिन मां अन्नपूर्णा की पूजा करने से घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती है। इसके साथ ही आर्थिक समृद्धि भी आती है। पूजा पाठ के बाद दान करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

# क्या होता है खरमास और कब-कब लगता है? इस दौरान क्या करना शुभ और लाभकारी

16 दिसंबर को सूर्य के धनु राशि में प्रवेश करने के साथ ही खरमास का आरम्भ हो जाएगा। ज्योतिषीय दृष्टि से देखा जाए तो साल में दो बार खरमास आता है। जब -जब सूर्य बृहस्पति की राशि धनु और मीन में प्रवेश करते हैं,तब-तब खरमास लगता है।

संसार के प्रत्यक्ष देवता भगवान सूर्यदेव दिसंबर माह के मध्य धनु राशि में प्रवेश करते हैं। 16 दिसंबर को सूर्य के धनु राशि में प्रवेश करने के साथ ही खरमास का आरम्भ हो जाएगा। ज्योतिषीय दृष्टि से देखा जाए तो साल में दो बार खरमास आता है। जब -जब सूर्य बृहस्पति की राशि धनु और मीन में प्रवेश करते हैं,तब-तब खरमास लगता है। खरमास में सूर्य अपने तेज को देवगुरु बृहस्पति के घर पहुंचते ही कम कर लेते हैं,ऐसी परिस्थिति में पृथ्वी पर सूर्य का तेज कम हो जाता है। सूर्य के कमजोर होने के कारण एक माह के लिए मंगलिक कार्यों पर विराम लगा दिया जाता है। जब सूर्य गुरु की राशियों में होता है,तब सूर्य के तेज से गुरु की राशि धनु और मीन निर्बल हो जाती है। ऐसी स्थिति में शुभ कार्यों के अपूर्ण होने की आशंका रहती है,इसलिए इस दौरान प्रभु का स्मरण करना बहुत पुण्यदायी माना जाता है। खरमास की अवधि में विवाह,मुंडन संस्कार,यज्ञोपवीत,गृहप्रवेश या नींवं का मुहूर्त आदि शुभ कार्य नहीं किए जाते। सुख-समृद्धि एवं पुण्यों में वृद्धि के लिए खरमास में कुछ धार्मिक कार्य बताए गए हैं।

## खरमास के दौरान करें ये काम

खरमास में 'गोवर्धनधरवन्देगोपालं गोपरूपिणम् गोकुलोत्सवमीशानं गोविन्दं गोपिकाप्रियम्' मंत्र का जप करना चाहिए। मान्यता है कि पीले वस्त्र धारण करके इस मंत्र का जप करना बहुत लाभदायी माना जाता है। खरमास में नियमित रूप से ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान आदि करें,इसके बाद भगवान विष्णु का केसर युक्त दूध से अभिषेक करें। इतना ही नहीं,तुलसी की माला से 11 बार भगवान विष्णु के मंत्र 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः'का जप करने से अनंत पुण्यों की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि खरमास में भगवान विष्णु की पूजा करने से समस्त पापों का नाश होता है साथ ही घर में यश-वैभव का आगमन होता है।

मान्यता है कि खरमास के दिनों में सूर्यदेव की पूजा-उपासना करने से जातक की कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है और व्यक्ति के जीवन में सुख और समृद्धि का आगमन होता है। इस महीने में आदित्य हृदय स्त्रोत का पाठ करना बहुत फलदाई माना जाता है।

खरमास में व्यक्ति को दान-पुण्य करने से पुण्यों में वृद्धि होती है एवं जीवन में आए संकट दूर होने लगते हैं। परमेश्वर श्री विष्णु के पसीने से तिल,कुश,कपास की उत्पत्ति हुई है इसलिए इन्हें बड़ा ही पवित्र माना गया है। खरमास में तिलदान करने से दुःस्वप्नों का नाश व विभिन्न रोगों से मुक्ति मिल जाती है।

खरमास में हर रोज तुलसी पूजन करना चाहिए और घी का दीपक जलाना चाहिए। साथ ही 11 परिक्रमा करें और ओम नमःभगवते वासुदेवाय नमःका जप करें। ऐसा करने से यश व वैभव की प्राप्ति होती है। खरमास में तुलसी पूजा करने से सभी ग्रह-नक्षत्र शुभ फल देते हैं,जिससे जीवन में सुख-शांति बनी रहती है और हर कार्य आसानी से बनने लगते हैं। खरमास में शिव उपासना एवं पवित्र नदियों में स्नान कर दान करना बहुत पुण्यकारक माना गया है। श्री रामचरितमानस एवं गीता का पाठ करना चाहिए ऐसा करने से हमारे पुण्य में वृद्धि होती हैं।

## हनुमान चालीसा के नियमित पाठ से मिलती है भय से मुक्ति और पूरी होती है मनोकामनाएं

भगवान हनुमान के बल, पराक्रम, शौर्य और स्तुति का वर्णन हनुमान चालीसा में किया गया है। गोस्वामी तुलसीदास के द्वारा लिखा गया हनुमान चालीसा में भगवान हनुमानजी के कई चमत्कारी शक्तियों का वर्णन किया गया है। हनुमान चालीसा के पाठ से सभी लोगों के दुखों और परेशानियों को स्व यं भगवान हनुमान हर लेते हैं। पवन पुत्र हनुमान जी भोलेनाथ के रूद्रावतार हैं। कलयुग के समय में हनुमान जी की आराधना शीघ्र फलदायी मानी गई है। हिंदू धर्म में भगवान हनुमानजी की पूजा, आराधना और वंदना बड़े ही श्रद्धा व भक्ति भाव से की जाती है। हिंदू मान्यता के अनुसार हनुमानजी ऐसे देवता हैं, जो बहुत जल्द प्रसन्न होकर अपने भक्तों के कष्टों को दूर करते हैं। धर्म शास्त्रों में बताया गया है कि हनुमानजी ऐसे एक देवता हैं जो कलयुग समय में भी पृथ्वी लोक पर मौजूद हैं और अपने भक्तों के ऊपर आने वाली हर विपदा को दूर करते रहते हैं। हर प्रकार के दुखों के निवारण, भय से मुक्ति और अपने आराध्य हनुमानजी को प्रसन्न करने के लिए हनुमान चालीसा का नियमित पाठ अवश्य किया जाता है। गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित हनुमान चालीसा में चमत्कारी शक्तियों का वर्णन किया गया है, जिनका पाठ करने से हनुमंत कृपा जरूर मिलती है।

# ड्रग्स और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने रकुल प्रीत सिंह को किया समन

**अब प्रवर्तन निदेशालय ने अभिनेता रकुल प्रीत सिंह को तेलुगू फिल्म उद्योग ड्रग्स मामले से जुड़े एक कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच में शामिल होने के लिए कहा है। 32 वर्षीय अभिनेत्री को 19 दिसंबर को ईडी द्वारा पूछताछ के लिए बुलाया गया है।**

टॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह, जिन्होंने 2014 में बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी, एक बार फिर से तेलुगु फिल्म उद्योग ड्रग्स और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रडार पर हैं। सितंबर 2021 में एक्ट्रेस हैदराबाद में ईडी के सामने पेश हुईं। ईडी ने उन्हें एक हाई-एंड ड्रग रैकेट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के संबंध में बुलाया था, जिसका एजेंसी ने 2017 में शहर के अंदर भंडाफोड़ किया गया था। अब प्रवर्तन निदेशालय ने अभिनेता रकुल प्रीत सिंह को तेलुगू फिल्म उद्योग ड्रग्स मामले से जुड़े एक कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच में शामिल होने के लिए कहा है। 32 वर्षीय अभिनेत्री को 19 दिसंबर को ईडी द्वारा पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

2020 में एक्ट्रेस को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत के ड्रग एंगल के सिलसिले में भी बुलाया था। उन्हें रिया चक्रवर्ती के साथ बातचीत के कारण बुलाया गया था। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रकुल ने रिया के साथ चैटिंग की पुष्टि की और कहा कि ड्रग्स रिया के लिए थे। उसने अपने जीवन में कभी भी ड्रग्स का सेवन करने से भी इनकार किया है। इससे पहले, ईडी ने एलएसडी और एमडीएमए जैसे ड्रग्स की आपूर्ति के कुख्यात रैकेट के संबंध में कई अन्य टॉलीवुड हस्तियों को तलब किया था, जिसका खुलासा तेलंगाना के निषेध और उत्पाद शुल्क विभाग ने किया था।

काम के मोर्चे पर, रकुल प्रीत 'छत्रीवाली' में अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म एक बेरोजगार स्नातक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक छोटे शहर में नौकरी के लिए बेताब है और अंत में एक कंडोम परीक्षक के रूप में काम करता है, जिसे वह अपने आसपास के सभी लोगों से छुपाती है। इसके अलावा, अभिनेत्री के पास 'मेरी पत्नी का रीमेक' भी है। फिल्म में अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर और रकुल मुख्य भूमिका में हैं। मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित इस फिल्म में गोविंदा की 1990 के दशक की हास्य फिल्मों की याद ताजा होगी

# मलाइका ने किए चौंकाने वाले खुलासे

मलाइका अरोड़ा ने शो 'मूविंग इन विद मलाइका' पर खुलासा किया था कि उन्होंने अरबाज खान को शादी के लिए प्रपोज किया था। हालाँकि, दोनों को जिंदगी में अलग-अलग चीजें चाहिए थी, जिनकी वजह से उन्होंने तलाक लेने का फैसला किया। बॉलीवुड की स्टाइलिश दिवा मलाइका अरोड़ा इन दिनों अपने नए शो 'मूविंग इन विद मलाइका' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। दरअसल, इस शो में मलाइका ने तमाम हस्तियों के साथ बातचीत के दौरान अपनी निजी जिंदगी से जुड़े कई राजों से पर्दा उठाया है, जिनके बारे में अभी तक किसी को भी कुछ मालूम नहीं था। हाल ही में अभिनेत्री ने करण जौहर के साथ काफी निजी बातें साँझा की, जिनके बाद वह लाइमलाइट में आ गई थीं। इसके अलावा भी मलाइका ने अपने शो पर काफी कुछ शेयर किया, जिनके बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं।

मलाइका अरोड़ा ने शो पर खुलासा किया था कि उन्होंने अरबाज खान को शादी के लिए प्रपोज किया था। हालाँकि, दोनों को जिंदगी में अलग-अलग चीजें चाहिए थी, जिनकी वजह से उन्होंने तलाक लेने का फैसला किया। बता दें, मलाइका और अरबाज़ ने 1998 में शादी की थी और लगभग 19 साल बाद अलग हो गए। इस साल अप्रैल में मलाइका अरोड़ा का एक्सीडेंट हो गया था, जिसमें उन्हें कई चोटें आई थीं। एक्सीडेंट के बाद अभिनेत्री शौक में भी चली गयी थीं। अब अपने शो पर मलाइका ने खुलासा किया कि एक्सीडेंट के बाद ऑपरेशन थियेटर से बाहर निकाले जाने के बाद उन्होंने सबसे पहले अरबाज खान को देखा था, जो उनके लिए काफी हैरान करने वाला मूमेंट था।

# सनी देओल के साथ अर्चना ने किया था लिप-लॉक

## शादी के अगले दिन शूटिंग पर देर से पहुंची, निर्देशक ने किया फिल्म से बाहर, आज हंसने के करोड़ो लेती है ये एक्ट्रेस

अर्चना पूरन सिंह की लव स्टोरी ऐसी है कि उनकी जिंदगी पर सुपरहिट रोमांटिक फिल्म बन सकती है। अर्चना पूरन सिंह पिछले काफी समय से द कपिल शर्मा शो में नजर आ रही हैं। आज हम आपको अर्चना पूरन की निजी जिंदगी से जुड़ा एक किस्सा बताएंगे। यह मामला करीब 30 साल पुराना है।

एक शो में बैठ कर हंसने के करोड़ो रुपये लेने वाली एक्ट्रेस अर्चना पूरन सिंह की कहानी आम नहीं हैं। उन्होंने भी अपनी जिंदगी में कई यादकार काम किए। दावा किया जाता है कि अर्चना पूरन सिंह ने ने रातों रात मंदिर में शादी की और उसके बाद दूसरे दिन वह शूटिंग पर भी आ गयी। उन्होंने इसके बारे में किसी को नहीं बताया था। बात में उन्होंने अपने इस कदम के लिए काफी सुर्खियां भी बटौरी थी। अर्चना पूरन सिंह की लव स्टोरी ऐसी है कि उनकी जिंदगी पर सुपरहिट रोमांटिक फिल्म बन सकती है। अर्चना पूरन सिंह पिछले काफी समय से द कपिल शर्मा शो में नजर आ रही हैं। आज हम आपको अर्चना पूरन की निजी जिंदगी से जुड़ा एक किस्सा बताएंगे। यह मामला करीब 30 साल पुराना है। एक समय था जब अर्चना पूरन सिंह बी और सी ग्रेड फिल्मों में भी काम करने को तैयार थीं। सनी देओल के साथ उनके लिपलॉक किसिंग सीन ने उस वक्त सनसनी मचा दी थी। आज वही अर्चना पूरन सिंह कपिल शर्मा के फैमिली शो में हा..हा..हा.. करके खूब पैसा कमाती हैं।

### आधी रात को मंदिर पहुंची अर्चना

अर्चना पूरन सिंह और परमीत सेठी एक-दूसरे को पसंद करते थे और शादी करना चाहते थे लेकिन परमीत के परिवार को इस रिश्ते पर आपत्ति थी। परमीत ने तय कर लिया था कि वह अर्चना से शादी करके घर बसा लेंगे इसलिए एक रात परमीत ने शादी की जिद की और वह मंदिर पहुंचे रात के 10-11 बज रहे होंगे और पुजारी भी सो रहे थे। पंडित ने कहा कि सुबह आना।

अगले दिन शादी- पहली रात शादी करने गए कपल को असफलता का सामना करना पड़ा। पुजारी ने कहा कि सुबह आना। अगले दिन दोनों शादी के बंधन में बंधने को तैयार थे। जब अर्चना शादी करने गईं तो शुंटिग छूट गयी इस लिए उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। उस फिल्म से सैफ अली खान डेब्यू करने वाले थे। लेकिन जैसे ही उनकी शादी हुई, दोनों चुपचाप अपने काम में लग गए जैसे कुछ हुआ ही न हो। करीब चार साल तक शादी की बात छिपी रही।

अर्चना और परमीत ने 1992 में शादी की थी : परमीत ने 1992 में फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में बेहतरीन अभिनय किया और काफी मशहूर हुए। इससे पहले परमीत और अर्चना ने 1992 में शादी की थी। उनके दो बच्चे आर्यमान और आयुष्मान हैं। पूर्व क्रिकेटर और पूर्व जज नवजोत सिंह सिद्धू के शो छोड़ने के बाद 2019 में अर्चना 'द कपिल शर्मा शो' में जज बनीं।

## अफेयर की खबरों पर उर्वशी ने तोड़ी चुप्पी

# हर आरपी ऋषभ पंत नहीं होता

उर्वशी रौतेला और मशहूर क्रिकेटर ऋषभ पंत के बीच आए दिन तरह-तरह की खबरें आती रहती हैं। बीच में दोनों के अफेयर के भी खूब चर्चे हुए। उर्वशी जब भी आरपी के नाम से कोई पोस्ट करती तो उसे ऋषभ पंत से ही जोड़कर देखा जाता। काफी समय के बाद अभिनेत्री ने इन सब अटकलों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने साफ कर दिया है उनके और ऋषभ पंत के बीच कोई अफेयर नहीं है।उर्वशी का मैच देखने आना और ऋषभ पर कमेंट करना ये सब महज एक गलत फहमी थी। और ये गलतफहमी हुई 'आरपी' नाम की वजह से।

उर्वशी ने हाल में ही अपने को स्टार और साउथ के एक्टर राम पोथिनेनी के साथ तस्वीर अपलोड की थी। जिसके कुछ समय बाद जब उन्होंने मीडिया से बातचीत की तो उर्वशी ने खुलासा किया कि आरपी उनके को-स्टार हैं और उन्हें यह नहीं पता था कि ऋषभ पंत को भी आरपी ही कहते हैं। ये बात शायद ऋषभ और उर्वशी के फैंस को हजम ना हो, लेकिन अब इस पूरे मामले में उर्वशी ने अपनी चुप्पी तोड़ दी है। उर्वशी ने बातचीत के दौरान कहा 'आरपी मेरे को-एक्टर हैं और उनका नाम राम पोथिनेनी है। मुझे तो यह पता भी नहीं था कि ऋषभ पंत को भी आरपी ही कहते हैं। लोगों ने बस अपने हिसाब से अनुमान लगा लिया और उस पर लिखने लगे। उन्हें कम से कम कुछ विश्लेषण करना चाहिए था। अगर कोई यू-ट्यूब या कोई अन्य कुछ भी बोल देता है, तो लोग उसपर इतनी आसानी से विश्वास कैसे कर सकते हैं'।

## अक्षय कुमार की 'राम सेतु' ओटीटी पर रिलीज

अक्षय कुमार की फिल्म 'राम सेतु' अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी दस्तक दे चुकी है। 'राम सेतु' को प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया है। फिल्हाल दर्शकों को यह फिल्म फ्री में उपलब्ध नहीं होने वाली है। दर्शकों को इसे देखने के लिए अपनी जेब ढीली करनी होगी। फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया है। दरअसल, अक्षय कुमार स्टारर 'राम सेतु' को आज ही प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया गया है। प्राइम वीडियो के सब्सक्राइबर्स के लिए भी यह फिल्म रेंट पर होगी। हालांकि कुछ समय के लिए फिल्म को उनके लिए मुफ्त किया जाएगा। दर्शकों को 199 रुपये का रेंट चुकाने के बाद यह फिल्म देखने को मिलेगी। फिल्म 'राम सेतु' हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु भाषा में भी उपलब्ध है। साथ ही, अंग्रेजी सबटाइटल्स भी दिए गए हैं। फिल्म 'राम सेतु' 25 अक्तूबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। 150 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर केवल 92 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म ने ओपनिंग डे पर 15 करोड़ से ज्यादा की कमाई की थी, लेकिन वीकेंड के बाद फिल्म की कमाई कम होती गई।

इंदौर मैं उत्साह बढ़ाया रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेने बाले एवं रगोली बनाने वाले बच्चों का बीजेपी के वरिष्ठ नेता गोविंन्द मालू ने।

भाई श्री विनायक शर्मा जी के (रेडियो एस पी ग्वालियर ) साथ

अपर तहसीलदार प्रतिज्ञा शर्मा

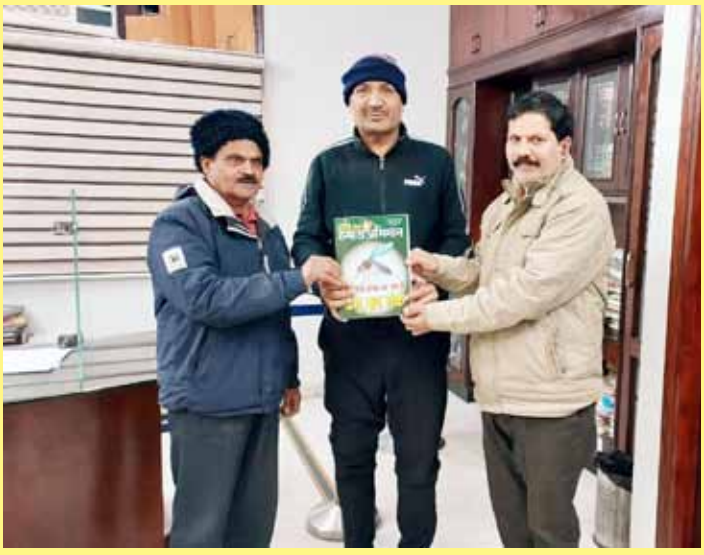

ग्वालियर हाईकोर्ट के महाधिवक्ता ( एएजी) आदरणीय
भाई श्री एम पी रघुबंशी जी से विशेष चर्चा

बड़े भाई के.एल. दलवानी जी उप सचिव सूचना के
अधिकार विधानसभा भवन (म.प्र)

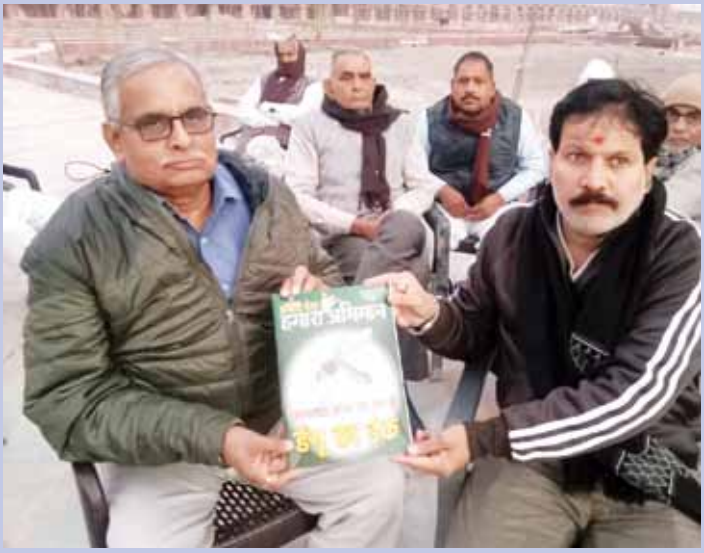

हमारा देश हमारा अभी मान पत्रिका के संरक्षक डॉक्टर श्रीमन नारायण मिश्रा जी ने संपादक मनोज चतुर्वेदी से चर्चा की।

श्री एस.के. पटले डायरेक्टर (Tech.) रीजनल, हेड रीजनल ऑफिसर ग्वालियर

श्री अविनाश लवानिया भोपाल कलेक्टर से हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका की विशेष चर्चा

डबरा एसडीएम (आईएएस) प्रखर सिंह से हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका की विशेष चर्चा।

सूबेदार सोनम पारासर